पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

बिलासपुर, शनिवार, 21 अक्टूबर 2023 | वर्ष – 33 | अंक –173 | पृष्ठ –12 | मूल्य – 4.00 रु

शारदीय नवरात्रि के सातवें दिन माता कालरात्रि देवी की होगी आराधना

अभिमत
- विश्व गुरू शांति प्रयास में पीछे क्यों रह गये?

पृष्ठ 4

- इजरायल-गाजा सीमा के पास इजरायली सैन्य गतिविधि में बढ़ोतरी
- बाइडेन ने अमेरिकियों से की इज़राइल व यूक्रेन का समर्थन करने की अपील

पृष्ठ 9

अगर स्टोक्स फिट हैं तो उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलना होगा : माइकल आर्थटन

पृष्ठ 10

भूपेश ने छत्तीसगढ़ को बनाया दिल्ली दरबार का एटीएम

दंतेवाड़ा की चुनावी सभा में केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया की हुंकार

दंतेवाड़ा, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। भाजपा ने भी आज अपने उम्मीदवार चैतराम अटामी के नामांकन रैली के माध्यम से जोरदार शक्ति प्रदर्शन किया। इसके पूर्व चुनावी सभा भी हुई, जिसमें खास तौर पर दिल्ली से केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया दंतेवाड़ा पहुंचे थे। श्री मंडाविया ने सभा में केन्द्र सरकार की जमकर तारीफ की, वहीं प्रदेश की भूपेश बघेल सरकार को भ्रष्टाचार की सरकार बताते राज्य को दिल्ली दरबार का एटीएम बनाने का आरोप भी लगाया।

- केंद्रीय मंत्री ने माना परिवर्तन का मन बना चुकी है जनता
- चैतराम की जीत से दंतेवाड़ा को मिलेगी परिवारवाद से मुक्ति
- नामांकन रैली और सभा के बहाने भाजपा का शक्ति प्रदर्शन

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश की जनता परिवर्तन का मन बना चुकी है, इसकी शुरूआत दंतेवाड़ा से होगी। प्रत्याशी चैतराम यहां से चुनाव जितेंगे और प्रदेश में भाजपा की सरकार बन रही है। दंतेवाड़ा को परिवार वाद से मुक्ति दिलाने उन्होंने चैतराम की विजय को जरूरी बताया। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस ने पिछले पांच साल शासन में रहते हुए भ्रष्टाचार के अलावा कुछ भी नही किया। इस सरकार ने छत्तीसगढ़ राज्य को गांधी परिवार का एटीएम बना दिया है। धान खरीदी के लिए केन्द्र सरकार पैसा दे रही है, लेकिन भूपेश सरकार अपना 6 सौ रूपए लगाकर इसका श्रेय खुद लुट रही है। इस सरकार ने जनता, किसान युवा समेत सभी वर्ग को छला है। यहां की जनता समझ चुकी है, इस बार छलावे में नही आने वाली है। जनता परिवर्तन के मूड में है। श्री मंडाविया ने कहा कि भूपेश बघेल की सरकार भ्रष्टाचारी एवं वायदा खिलाफी वाली सरकार है। आदिवासी विरोधी सरकार है, इनके खिलाफ़ जनता में आक्रोश है जनता बदलाव चाहती है। जनता की मंशा को देखते हुए मैं बता सकता हूं कि इस बार छत्तीसगढ़ में भाजपा की पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनेगी और हम यहां से डबल इंजन की सरकार बनाएंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष चैतराम अटामी ने कहा कि आज नामांकन दाखिल करने के लिये सर्वप्रथम उन्होंने अपने माता-पिता व जनसेवा की मूर्ति बुधरी ताती से मुलाकात कर उनका चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। पूजा अर्चना के बाद समर्थको व भाजपा कार्यकर्ताओ के साथ नामांकन दाखिल करने के लिये आये। आज सभा में किरंदुल के पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह एवं 28 कांग्रेसी कार्यकर्ताओ ने भाजपा प्रवेश किया। सभा के बाद श्री अटामी की नामांकन रैली प्रारंभ हुई। इसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण व भाजपा कार्यकर्ता तथा पदाधिकारी शामिल हुए। पारम्परिक लोक नर्तक दल के साथ ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

ईडी ने भाजपा नेता सहित 14 से ज्यादा लोगों के ठिकानों पर मारा छापा

मार्कफेड के पूर्व एमडी मनोज सोनी के यहाँ भी दबिश

रायपुर, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। विधानसभा चुनाव से पहले प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को राज्य के कई शहरों में दबिश दी है। ईडी की टीम ने रायपुर, दुर्ग, कोरबा समेत अन्य शहरों में कई लोगों के घर और अन्य ठिकानों पर रेड डाली है। टीम ने रायपुर में 2, दुर्ग में 2 कोरबा में 1, राजनांदगांव में 1, इस तरह प्रदेश भर में 14 से ज्यादा राइस मिलर्स और कारोबारियों के यहां दबिश दी है।

मिली जानकारी के अनुसार, मार्कफेड के पूर्व एमडी मनोज सोनी के लाँविस्टा खुशी वाटिका स्थित घर पर ईडी की टीम की दबिश दी गई है, जिसकी जांच जारी है। रायपुर के तिल्दा स्थित अमित चावल उद्योग, तिरुपति राइस मिल के ठिकानों पर ईडी ने छापा मारा है। वहीं राजनांदगांव स्थित अन्नपूर्णा राइस मिल के मालिक आशीष खंडेलवाल के घर पर कार्रवाई की है। प्रदेशभर में कुल 14 से ज्यादा ठिकानों पर ईडी की रेड जारी है।

महासमुंद के राइस मिलर पारस चोपड़ा ठिकाने पर भी ईडी ने रेड डाली है। पारस चोपड़ा के यहां इसके पहले भी ईडी का छापा पड़ चुका है। जहां ईडी ने तीन दिनों तक दस्तावेज दस्तावेज खंगाले थे। इसके अलावा दुर्ग में भी ईडी की टीम राइस मिलर कैलाश ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

सार संक्षेप

वर्ष का अंतिम चंद्रग्रहण 28 अक्टूबर को

नई दिल्ली। वर्ष 223 का अंतिम चंद्रग्रहण 28-29 अक्टूबर की रात को शरद पूर्णिमा को लगेगा और यह भारत में आंशिक रूप से दिखाई देगा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने शुक्रवार को यहां बताया कि 28 अक्टूबर की आधी रात को चंद्रमा उपछाया में प्रवेश करेगा और ग्रहण की अवधि 29 अक्टूबर के शुरुआती घंटे होगी। ग्रहण मध्यरात्रि के आसपास भारत के सभी भागों में दिखाई देगा।

निठारी कांड का आरोपी पंढेर लुक्सर जेल से रिहा

नोएडा। निठारी कांड का आरोपी मोनिंदर पंढेर लुक्सर जेल से रिहा हुआ। निठारी में डी 5 नंबर की पंढेर की कोठी के पास पुलिस तैनात किया गया है। इसी साल जून में उसे गाजियाबाद की डासना जेल से लुक्सर लाया गया था। बीमार होने के चलते उसे आइसोलेशन वार्ड में रखा गया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने निठारी नरसंहार में सीबीआई कोर्ट से फांसी की सजा पाए सुरेंद्र कोली और मोनिंदर सिंह पंढेर को दोषमुक्त करार दिया था।

मानहानि मामले से हटे महुआ मोइत्रा के वकील

नई दिल्ली। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा द्वारा भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और सुप्रीम कोर्ट के वकील जय अनंत देहादराई के खिलाफ दायर किए गए मानहानि मामले पर शुक्रवार को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान वकील जय अनंत देहादराई ने आरोप लगाया कि महुआ मोइत्रा के वकील गोपाल शंकर नारायणन ने गुरुवार को उनसे संपर्क कर मोइत्रा के खिलाफ दर्ज शिकायत को वापस लेने को कहा था। देहादराई ने दावा किया कि उनके पास उनके और शंकर नारायणन के बीच हुई बातचीत की रिकॉर्डिंग भी है। देहादराई ने हितों के टकराव का आरोप लगाकर वकील शंकर नारायणन को सुनवाई से हटाने की अपील की।

संजय सिंह की याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने 2 अक्टूबर को आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह की याचिका खारिज कर दी। संजय को ईडी ने दिल्ली शराब नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें ट्रायल कोर्ट में पेश किया गया, कोर्ट ने उन्हें ईडी की रिमांड में भेज दिया गया था। संजय सिंह ने मामले में गिरफ्तारी और ईडी की दी गई रिमांड को हाईकोर्ट में चुनौती दी

जनता भू-पे और खाऊ सरकार से उबी भाजपा के पक्ष में माहौल : अनुराग ठाकुर

रायपुर, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। केंद्रीय खेल एवं सूचना- प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता अब इस भू-पे और खाऊ सरकार उब चुकी है। कांग्रेस ने जिस तरह से संसाधनों को लूटा है और प्रदेश की ऐसी हालत कर दी है। छत्तीसगढ़ जो बहुत आगे जा सकता था, उसको पीछे की ओर धकेला है। अब छत्तीसगढ़ बर्दाश्त नहीं करेगा।

राजधानी रायपुर पहुंचे केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने माना विमानतल पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए ठाकुर ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हो रहे भ्रष्टाचार, यहां खनन माफिया हो, शराब माफिया हो या फिर तबादला माफिया हो। हर माफियाओं की सरकार से छत्तीसगढ़ की जनता मुक्ति चाहती है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ अब दिल्ली की कांग्रेस का एटीएम नहीं बने, इसलिए अब छत्तीसगढ़ बर्दाश्त नहीं करेगा। गौरतलब है कि अनुराग भाजपा के प्रत्याशी के नामांकन दाखिल प्रक्रिया में बीजापुर में शामिल हुए।

अनुराग ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा के पक्ष में जो चुनावी माहौल बना है, उसके पीछे कारण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के विकास के लिए केंद्र की ओर से सहायता दी है, एक के बाद दूसरा बड़ा प्रोजेक्ट दिया है। किसानों से धान खरीदी के लिए एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की धनराशि उपलब्ध कराई है। वहीं दूसरी ओर जनता त्रस्त है, तुष्टिकरण से, सांप्रदायिकता से ऐसा लगता है। यहां की सरकार तुष्टिकरण से ग्रसित है, और देश भर में अगर सबसे भ्रष्ट सरकार कहीं पर है, तो वह छत्तीसगढ़ में है। अनुराग ने भाजपा के स्टार प्रचारकों को लेकर पूछे गए प्रश्न पर कहा कि आप कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की सूची देखें। उसके बाद यह कांग्रेस का सवाल जरूर पूछिए। शायद कांग्रेस के पास जवाब नहीं होगा। छत्तीसगढ़ हमारा कई बार आना हुआ, सबका हुआ है और शायद पीड़ा कांग्रेस को यह हो रही है कि भाजपा के पास ऐसे चेहरे हैं, लेकिन कांग्रेस के पास भ्रष्ट चेहरे हैं।

नगरनार संयंत्र के निजीकरण को लेकर झूठ बोल रहे हैं शाह : भूपेश

जगदलपुर, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। विधानसभा चुनाव के नामांकन दाखिल करने की अंतिम दिन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उपस्थिति में बस्तर जिला के तीनों विधानसभा प्रत्याशी बस्तर विधानसभा से लखेश्वर बघेल, जगदलपुर विधानसभा से जतिन जायसवाल और चित्रकूट विधानसभा से दीपक बैज ने अपने-अपने नामांकन दाखिल किये। शहर के मिशन ग्राउंड में आयोजित कांग्रेस की संकल्प सभा में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल केन्द्र की भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि नगरनार इस्पात संयंत्र को लेकर गृह मंत्री झूठ बोल रहे हैं। वे कह रहे हैं कि नगरनार इस्पात संयंत्र का निजीकरण नहीं होगा और कोलकाता की बैठक में निविदाओं पर चर्चा हो रही और उद्योगपति नगरनार इस्पात संयंत्र के निरीक्षण के लिए पहुंच रहे हैं।

दीपक बैज, लखेश्वर और जतिन के नामांकन कार्यक्रम में हुए शामिल

उन्होंने कहा कि बस्तरवासी और कांग्रेसी एकजुट होकर ही नगरनार इस्पात संयंत्र के निजीकरण को रोक सकते हैं जिस तरह से नंदराज पहाड़ को उद्योगपति घराने के हाथों जाने से रोका गया है। श्री बघेल ने कहा कि डबल इंजन की भाजपा सरकार की नजर बस्तर के आदिवासियों की जमीन पर है, इसलिए बार-बार मोदी और शाह बस्तर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री रमन सिंह ने आदिवासियों की एक लाख एकड़ जमीन लुटवा दी। ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

द्वितीय चरण के निर्वाचन के लिए आज जारी होगी अधिसूचना

रायपुर, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। विधानसभा आम निर्वाचन-2023 अंतर्गत द्वितीय चरण के 70 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 21 अक्टूबर को अधिसूचना जारी की जाएगी। इसके साथ ही द्वितीय चरण के निर्वाचन के लिए नामांकन पत्र दाखिल किए जा सकेंगे। इस चरण में रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग तथा सरगुजा संभाग की कुल 70 विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं।

प्रदेश में द्वितीय चरण में हो रहे निर्वाचन के लिए प्रत्याशी 30 अक्टूबर तक अपना नामांकन पत्र दाखिल कर सकते हैं। द्वितीय चरण के लिए नामांकन पत्रों की जांच 31 अक्टूबर को होगी तथा प्रत्याशी 2 नवम्बर तक अपना नाम वापस ले सकते हैं। द्वितीय चरण के लिए 17 नवम्बर को मतदान होगा। प्रथम तथा द्वितीय दोनों ही चरणों की मतगणना 3 दिसंबर को होगी।

यात्री बस बंजारी घाट में गिरी

दो की मौत, 35 घायल एक महिला का पैर कटा

गौरेला पेंड्रा मरवाही, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। पेंड्रा बिलासपुर मार्ग में प्रयागराज से बिलासपुर जा रही यात्री बस बंजारी घाट के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे बस में सवार 50 यात्रियों में 2 की मौत 3 गंभीर रुप से जबकि 35 लोगो को गंभीर चोटें, बस में सवार सभी यात्री मजदूर वर्ग के मजदूरी कर उत्तर प्रदेश से लौट रहे थे, घटना की सूचना पुलिस को मिलने के बाद रेस्क्यू की टीम मौके पर पहुंचकर हादसे में घायल यात्रियों को प्राथमिक चिकित्सा के बाद जिला अस्पताल रेफर कर रही है

- प्रयागराज से रायपुर आ रही थी यात्री बस
- छत्तीसगढ़ से पलायन कर मजदूर वापस लौट रहे थे

घटना पेंड्रा बिलासपुर मार्ग कारीआम घाट की है जहां सुबह 5 बजे चालक की लापरवाही से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से छत्तीसगढ़ के बीच चलने वाली बस जो कारीआम बंजारी घाट के पास दुर्घटनाग्रस्त होकर पलट गई यात्री बस में सवार 50 यात्रियों में 35 से अधिक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि पुष्पेंद्र पटेल 45 वर्ष पटेहरी थाना जिला मऊगंज मध्य प्रदेश मृतक राजू निर्मलकर पिता नीलकंठ निर्मलकर ग्राम नरियारा जिला जांजगीर के निवासी, एक महिला जिसका पैर कटा शिववती पति बदलू प्रजापति मऊगंज जुरहरा थाना मध्य प्रदेश, की रहने वाली है।

ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ से मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के लिए काफी मजदूर छत्तीसगढ़ से अन्य राज्यों में पलायन करते हैं और इन्हीं ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

सीवर सफाई के दौरान होने वाली मौतों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

मजदूर को देना होगा 30 लाख का मुआवजा

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश में सीवर सफाई के दौरान होने वाली मौत की घटनाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि सरकारी अधिकारियों को मरने वालों के परिजन को 30 लाख रुपए मुआवजा देना होगा। सीवर की सफाई के दौरान कोई सफाईकर्मी स्थायी दिव्यांगता का शिकार होता है तो न्यूनतम मुआवजे के रूप में उसे 20 लाख रुपए दिया जाएगा। वहीं, अन्य दिव्यांगता पर अफसर उसे 10 लाख रुपए तक का भुगतान करेंगे। जस्टिस एस रवींद्र भट और जस्टिस अरविंद कुमार की बेंच ने सीवर सफाई के दौरान होने वाली मौतों को लेकर दायर एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान यह फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हाथ से मैला ढोने की प्रथा पूरी तरह खत्म हो।

बीआरएस को तेलंगाना से उखाड़ फेकेंगे : राहुल

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि साल 2004 में कांग्रेस ने आपसे तेलंगाना बनाने का वादा किया था। सोनिया गांधी ने तेलंगाना बनाने में आपकी पूरी मदद की। मैं यह भी कह सकता हूं कि अगर सोनिया गांधी ने तेलंगाना की मदद नहीं की होती तो तेलंगाना बनता ही नहीं। राज्य के एक परिवार के पास सारा पैसा जाता है, आपका सारा पैसा केसीआर परिवार को मिलता है। पिछले 10 साल केसीआर ने आपसे पैसा लूटा है। मैं आपको बता रहा हूं, जितने रुपए केसीआर ने आपसे लूटे हैं, उतने रुपए हम आपको वापस देने जा रहे हैं। राहुल गांधी ने तेलंगाना में अंबेडकर स्टेच्यू सर्कल से लोगों को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। राहुल ने जगतियाल में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस के बब्बर शेरों की सरकार होगी। यहां की जनता की सरकार होगी। कांग्रेस के बब्बर शेर बीआरएस की सरकार को उखाड़ फेकेंगे। तेलंगाना के सपने को पूरा करने के लिए पहला कदम जाति आधारित गणना है। मोदी और सीएम केसीआर यहां जाति जनगणना नहीं करवाना चाहते हैं। कांग्रेस तेलंगाना का इस सपने को पूरा करके दिखाएगी। मैंने लोकसभा में जाति जनगणना की बात उठाई। लेकिन प्रधानमंत्री ने मेरे सवालों का जवाब नहीं दिया।

दस साल में केसीआर ने जितना पैसा लूटा, हम आपको वापस देने जा रहे : राहुल

कोविंद समिति के साथ रोडमैप साझा करेगा विधि आयोग

नईदिल्ली,20 अक्टूबर (एजेंसियां)। विधि आयोग एक साथ चुनाव कराने के अपने रोडमैप को अगले सप्ताह पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति के साथ साझा करेगा। समिति ने विधि आयोग को 25 अक्तूबर को आमंत्रित किया है, ताकि वह इस बारे में उसकी राय जान सके कि देश में एक साथ चुनाव कैसे कराए जा सकते हैं। उच्च स्तरीय समिति ने हाल ही में अपनी पहली बैठक में राजनीतिक दलों की राय जानने का फैसला किया था और अब उन्होंने देश में एक साथ चुनाव कराने पर उनकी राय जानने के लिए उन्हें पत्र लिखा है। सूत्रों ने पत्र का हवाला देते हुए कहा कि राजनीतिक दलों को भेजे पत्र में उसने परस्पर सहमति वाली तारीख पर उनके साथ बातचीत की मांग की है। न्यायमूर्ति रितु राज अवस्थी की अध्यक्षता वाला विधि आयोग कार्यकाल बढ़ाकर या घटाकर सभी विधानसभा चुनावों को समन्वित करने के फार्मूले पर काम कर रहा है, ताकि ये चुनाव 2029 के लोकसभा चुनाव के साथ कराए जा सकें। विधि आयोग लोकसभा, विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के लिए एक समान मतदाता सूची सुनिश्चित करने के लिए एक तंत्र तैयार कर रहा है ताकि लागत और मानवशक्ति (मैनपावर) के इस्तेमाल को कम किया जा सके।

देश को मिली पहली रैपिड रेल की सौगात

गाजियाबाद,20 अक्टूबर (देशबन्धु)। देश को शुक्रवार को पहली रैपिड रेल रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम की सौगात मिल गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले चरण के तहत साहिबाबाद से दुहाई डिपो तक चलने वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने उसमें सफर भी किया। मोदी स्कूली बच्चों से बातचीत करते हुए नजर आए वहीं,

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि जिसका शिलान्यास हम करते हैं, उसका उद्घाटन भी हम ही करते हैं। मोदी ने कहा कि आज पूरे देश के लिए ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने कहा कि मुझे छोटे सपने देखने की आदत नहीं, न ही मरते-मरते चलने की। शुक्रवार को भारत की पहली रैपिड रेल सेवा 'नमो भारत' ट्रेन राष्ट्र को समर्पित हुई ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

मिशन गगनयान इसरो के मिशन की तैयारी पूरी

श्रीहरिकोटा से आज पहली परीक्षण उड़ान भरेगा टीवी-डी1

- वापसी में बंगाल की खाड़ी में उतारा जाएगा मॉड्यूल

चेन्नई,2 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने गगनयान मिशन को लेकर लगभग तैयारियां पूरी कर ली है। गगनयान मिशन के तहत टीवी-डी1 अपने पहली परीक्षण के लिए आज उड़ान भरेगा। जिसे सुबह आठ बजे श्रीहरिकोटा से भेजा जाएगा। इससे ही मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम गगनयान को पंख लग जाएंगे।

कार्यक्रम से जुड़े जानकारों के मुताबिक, पहले परीक्षण उड़ान के नतीजों के आधार पर अन्य परीक्षण किए जाएंगे। इस दौरान क्रू मॉड्यूल को परखा जाएगा। जिसमें क्रू एस्केप प्रणाली भी शामिल है। बता दें कि गगनयान का यह हिस्सा तीन भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में ले जाने में इस्तेमाल किया जाएगा। इसरो का लक्ष्य तीन दिवसीय गगनयान मिशन के लिए 400 किलोमीटर की लो अर्थ ऑर्बिट पर मानव को अंतरिक्ष में भेजना और उन्हें सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लाना है। यह परीक्षण श्री हरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से होगा। इसमें क्रू मॉड्यूल की उड़ान, उसे वापस उतारने और समुद्र से रिकवर करने की प्रक्रियाएं शामिल होंगी। मॉड्यूल को वापसी में बंगाल की खाड़ी में उतारा जाना है। जिसे भारतीय नौसेना द्वारा रिकवर किया जाएगा। इसके के लिए नौसैनिकों का एक गोताखोर दल बनाया गया है। साथ ही मिशन के लिए एक जहाज को भी तैयार किया जाएगा। चंद्रयान-3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग और सूर्य के लिए आदित्य-एल 1 के सफल प्रक्षेपण के बाद गगनयान मिशन भारत को खगोल विज्ञान पर काम कर रहे अग्रणी देशों में शामिल करेगा।

***क्रू -एस्केप से बचेगा जीवन**-इसरो के मुताबिक, फ्लाइट टेस्ट व्हीकल अबॉर्ट मिशन-1 की तैयारियां पूरी हो गई हैं। मिशन में किसी अनहोनी की दशा में अंतरिक्ष यात्रियों को बचाने में यह क्रू-एस्केप प्रणाली काम आएगी। उड़ान भरते समय अगर मिशन में गड़बड़ी हुई तो यह प्रणाली क्रू मॉड्यूल के साथ यान से अलग हो जाएगा, कुछ समय उड़ेगा और श्रीहरिकोटा से 10 किमी दूर समुद्र में उतरेगी। इसमें मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों को नौसेना की ओर से समुद्र से सुरक्षित ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤*

मरवाही कांग्रेस में बगावत, डॉ. ध्रुव को प्रत्याशी बनाए जाने के खिलाफ आदिवासी नेता सड़क पर उतरे

आदिवासी कांग्रेसी नेताओं कि कांग्रेस को चेतावनी, टिकट नहीं बदला तो निर्दलीय प्रत्याशी उतारेंगे

■ मरवाही विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ीं

गौरेला पेंड्रा मरवाही, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। मरवाही विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। मरवाही विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस विधायक डॉक्टर के के ध्रुव को दोबारा मरवाही से कांग्रेस प्रत्याशी घोषित किए जाने के बाद आखिरकार मरवाही में कांग्रेस की टिकट के इच्छुक रहे कांग्रेसी आदिवासी नेताओं ने लामबंद होते हुए कांग्रेस प्रत्याशी डॉक्टर के के ध्रुव के खिलाफ बगावत का बिगुल फूंक दिया है। इन आदिवासी कांग्रेसी नेताओं ने आज मरवाही विधानसभा ग्राम-बगड़ी के देवी चौरा से एक संकल्प रैली निकाली जो जिला कांग्रेस कमेटी गौरेला पेंड्रा मरवाही कार्यालय पहुंची तथा जिला अध्यक्ष उत्तम वासुदेव के नाम पर एक ज्ञापन सौंप कर डॉक्टर के के ध्रुव व को मरवाही का कांग्रेस प्रत्याशी से हटाकर स्थानीय आदिवासी कांग्रेसी नेता को टिकट दिए जाने की मांग की है। इन आदिवासी नेताओं का कहना है कि यदि मरवाही में कांग्रेस की टिकट में परिवर्तन नहीं किया गया तो यह सभी कांग्रेसी आदिवासी नेता मिलजुल कर एक निर्दलीय प्रत्याशी मरवाही से चुनाव मैदान में उतारेंगे ।

मरवाही विधानसभा क्षेत्र आज राजनीतिक उथल-पुथल का दिन रहा। मरवाही विधानसभा क्षेत्र में हुए उपचुनाव में रिकार्ड मतों से जीतने वाले डॉक्टर के के ध्रुव को अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव में मरवाही से कांग्रेस की दोबारा टिकट दिए जाने के बाद आदिवासी कांग्रेसी नेताओं ने टिकट बदलने की मांग को लेकर सड़क पर आ गए हैं। इनमें से अधिकांश आदिवासी कांग्रेसी नेता पहले भी स्थानीय आदिवासी कांग्रेसी नेता को टिकट देने की मांग कांग्रेस हाई कमान से की थी परंतु उसके बावजूद भी कांग्रेस हाई कमान ने डॉक्टर के के ध्रुव पर भरोसा जताते हुए उन्हें दोबारा प्रत्याशी बनाया है। पार्टी के इस निर्णय के खिलाफ कांग्रेसी नेताओं ने आज 20 अक्टूबर को मरवाही विधानसभा के ग्राम बगड़ी के देवी चौराहा से एक संकल्प यात्रा निकाली जिसमें उन्होंने कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद भूपेश बघेल जिंदाबाद जैसे नारे के अलावा डॉक्टर के के ध्रुव को हटाओ मरवाही बचाओ किनारे लगाते हुए मारवाही विधानसभा के विभिन्न ग्रामों से होते हुए रैली निकाली। यह रैली जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय गौरेला पेंड्रा मरवाही के पेंड्रा स्थित कार्यालय में समाप्त हुई और वहां इन नेताओं ने मरवाही विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के घोषित प्रत्याशी डॉक्टर के के ध्रुव के प्रति विरोध एवं असंतोष जताते हुए जिला अध्यक्ष उत्तम वासुदेव को एक ज्ञापन सोपा जिसमें उन्होंने स्थानीय आदिवासी कांग्रेसी नेता को टिकट देने की मांग की। रैली में शामिल तथा डॉक्टर के के ध्रुव के खिलाफ लामबंदी करने वाले प्रमुख आदिवासी कांग्रेसी नेताओं में मुख्य रूप से मरवाही विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस समन्वयक मुद्रिका सिंह आदिवासी नेता गुलाब सिंह राज सर्व आदिवासी समाज के जिला अध्यक्ष दया सिंह वाकरे जनपद अध्यक्ष मरवाही प्रताप सिंह मरावी आदिवासी नेता प्रमोद सिंह परस्ते चैन सिंह सरपंच दानीकुंडी मरवाही सरपंच संघ के अध्यक्ष गजरूप सिंह सलाम ग्राम पंचायत करगी के सरपंच विशाल सिंह उरेती, शंकर कवर ,तूफान सिंह सहित अनेक आदिवासी कांग्रेसी नेता रैली में शामिल हुए तथा डॉक्टर के के ध्रुव को कांग्रेस प्रत्याशी बनाए जाने के खिलाफ मुखर होते हुए प्रत्याशी बदलने की मांग की। इन नेताओं की ओर से अवगत कराया गया है तथा कहा गया कि यदि कांग्रेस पार्टी मरवाही विधानसभा क्षेत्र से घोषित प्रत्याशी डॉक्टर क ध्रुव को नहीं बदलती तो हम सभी आदिवासी कांग्रेसी नेता संगठित होकर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में गुलाब राज को मरवाही विधानसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतारेंगे।

अप्रत्याशित नहीं है आदिवासी कांग्रेसी नेताओं का विरोध

यहां पर उल्लेखनीय है कि जिन भी आदिवासी कांग्रेसी नेताओं ने मरवाही विधानसभा चुनाव में डॉक्टर के के ध्रुव को कांग्रेस प्रत्याशी बनाए जाने का विरोध कर रहे हैं वह पहले भी अपने तेवर से कांग्रेस संगठन को अवगत करा चुके हैं। पिछले दिनों एक निजी कार्यक्रम में इन्हीं आदिवासी कांग्रेसी नेताओं द्वारा डॉक्टर के के ध्रुव के खिलाफ जो बयान बाजी की गई थी उसके कारण चार कांग्रेसी नेताओं को कारण बताओं नोटिस भी दिया गया था परंतु टिकट की घोषणा के बावजूद भी आदिवासी कांग्रेसी नेता शांत नहीं हुए हैं तथा लगातार डॉक्टर के के ध्रुव को मरवाही से कांग्रेस प्रत्याशी बनाए जाने का विरोध कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता गुलाब राज हो सकते हैं मरवाही विधानसभा से निर्दलीय प्रत्याशी

मरवाही विधानसभा क्षेत्र से आदिवासी कांग्रेसी नेता गुलाब राज निर्दलीय चुनाव मैदान में उतर सकते हैं हालांकि इसकी अधिकृत रूप से घोषणा नहीं हुई है परंतु डॉक्टर के के ध्रुव को मरवाही विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी बनाए जाने के बाद मरवाही विधानसभा क्षेत्र के आदिवासी कांग्रेसी नेताओं ने जिस तरह से एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए आज विरोध रैली संकल्प यात्रा के नाम से निकलकर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष को डॉक्टर के के ध्रुव को प्रत्याशी बनाए जाने का विरोध किया है। उससे तो यही लग रहा है कि आने वाले समय में गुलाब राज इन आदिवासी कांग्रेसी नेताओं की ओर से निर्दलीय प्रत्याशी हो सकते हैं। उल्लेखनीय है कि गौरेला विकासखंड के ग्राम पंचायत हर्रा टोला में रहने वाले गुलाब राज वर्ष 2018 के विधानसभा आम चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के खिलाफ चुनाव लड़ चुके हैं हालांकि उसे समय उनकी जमानत जप्त हो गई थी परंतु मरवाही विधानसभा उपचुनाव के दौरान उन्होंने स्वयं को कांग्रेस प्रत्याशी बनाए जाने की मांग पार्टी के समक्ष रखी थी परंतु उसे समय डॉक्टर के के ध्रुव को टिकट दे दी गई थी गुलाब राज सहित आज रैली में शामिल अन्य आदिवासी कांग्रेसी नेता भी इस विधानसभा चुनाव में मरवाही विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर कर चुके हैं तथा पार्टी को अपने-अपने स्तर पर आवेदन दिया था।

तखतपुर में भव्य गरबा में झूमे लोग

तखतपुर, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। पंचमी के शुभ अवसर पर पुराना थाना मित्र मित्रगढ़ के द्वारा भव्य गरबा आयोजन रखा गया जिसमें बड़ी संख्या में नगर के मातृशक्ति युवा शक्ति समाज के प्रमुख उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम माता दुर्गा की छायाचित्र का पूजा अर्चना कर मंगल आरती कर कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। तत्पश्चात सभी टीमों ने अपनी अपनी प्रस्तुति दिए साथ ही बड़ी संख्या में उपस्थित गरबा टीमों ने माता की भक्ति में झूमते हुए सभी ने अपना हाजिरी लगाई बड़ी संख्या में उपस्थित युवा साथियों ने नवरात्रि के पावन अवसर पर भव्यता प्रदान देते हुए भगवान श्री राम के भक्ति में झूमते हुए गरबा का आनंद उठाएं। इस अवसर पर प्रमुख रूप थवाईत मेम, आकांक्षा सोनी, खुशबू सोनी, मानसी सोनी, प्रथम इनाम उमेश मंगलानी एवं देवेश कार्ड दूसरा इनाम प्रकाश गुप्ता, तीसरा इनाम पंकज होतचांदनी, प्रथम इनाम महाकाल, ग्रुप दूसरा इनाम लिटिल्स क्रीन गुप्ता, तीसरा इनाम जय अंबे, लिटिल ग्रुप गुप्ता , कश्यप ग्रुप, ब्लॉक रोड जय माता दी ,सिंधी ग्रुप लिटिल क्रीन ,यादव ग्रुप, महाकाल ग्रुप, एवं अन्य ग्रुप उपस्थित थे। मुख्य अतिथि रश्मि मंगलानी मधु , लता ताम्रकार, उषा मंगलानी, परमजीत लवली हुरा,श्वेता गुप्ता सुनीता गुप्ता जगदीश सिंह मक्कड़,कोमल सिंह ठाकुर, राकेश मंदानी, सावन ताम्रकार ,संदीप कश्यप, सत्याथ शर्मा ,दिलीप तोलानी ,डिंपल मंगलानी, सौरभ सिंगरौल, संचालन माधुरी कुकरेजा ने किया। इस अवसर पर समिति के सदस्य सत्यम ताम्रकार, उमेश मंगलानी, देवेश कारड़ा, तुषार मंगलानी, वासु मंगलानी, विजय तोलानी, हिमांशु तोलानी, गुलशन तोलानी, प्रकाश गुप्ता, हेमंत जसवानी, साकेत कारड़ा, पंकज होतचांदनी, विशाल विश्कर्मा, गजेंद्र सिंह, मयंक थवाईत, राजवीर हूरा सहित अन्य उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष

भूपेश ने छत्तीसगढ़ को बनाया...

रैली कलेक्टोरेट मुख्य द्वार तक पहुंची। इसके बाद श्री अटामी अपने समर्थकों के साथ नामांकन दाखिल करने पहुंचे और नामांकन दाखिल किया।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने सभा के पूर्व माई दंतेश्वरी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। सभा में राजनांदगांव सांसद संतोष पाण्डेय, संगठन प्रभारी श्रीनिवास राव मद्दी, झारखंड ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अमरजीत यादव, विजय तिवारी, राम बाबू सिंह गौतम, श्रीकुमार सिंह भदौरिया, ओजस्वी मंडावी, कुणाल ठाकुर, रामू नेताम, मालती मुड़ामी, नंदलाल मुड़ामी, कुलदीप ठाकुर, बैसू राम मंडावी, जय दीप माकन, विनोद साहू, पायल गुप्ता, सुमित भदौरिया, सत्यजीत चौहान, अनोज भदौरिया, राहुल आसरानी, धीरेन्द्र प्रताप सिंह, मुकेश शर्मा, कमला विनय नाग, दीपक बाजपेई, मयंक यादव, सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए।

ईडी ने भाजपा नेता सहित...

रूंगटा और सुंदर नगर निवासी चावल व्यापारी सुरेश कुकरेजा के निवास पर दबिश दी है। तीन दिन पहले भी सुरेश कुकरेजा समेत 5 व्यापारियों के निवास पर टीम ने कार्रवाई की थी। इसके अलावा होटल कैमबियन के मालिक और राइस मिलर कमल अग्रवाल के फार्म हाउस में भी ईडी की कार्रवाई जारी है। बता दें कि कमल अग्रवाल का होटल ग्रीन चौक दुर्ग में स्थित है। टीम ने कोरबा में भारतीय जनता पार्टी नेता और व्यवसायी गोपाल मोदी के घर पर भी छापेमारी की है। सुबह 6 बजे ईडी की टीम ने उनके सीतामणि स्थित निवास पर रेड डाली है। घर के दोनों तरफ दरवाजे से टीम अंदर घुसी। पांच सदस्यीय टीम ने उनके ठिकाने पर दबिश दी है। किसी भी व्यक्ति को घर के अंदर और बाहर आने जाने पर रोक लगा दी गई है। गोपाल मोदी राइस मिलर एसोसिएशन के अध्यक्ष रह चुके हैं। उनके तीन अलग-अलग ठिकानों पर टीम ने छापा मारा है। ईडी की टीम तीन वाहनों में पहुंची है। बता दें वर्तमान में गोपाल मोदी बीजेपी के जिला कोषाध्यक्ष हैं।

नगरनार संयंत्र के निजीकरण को लेकर...

उन्होंने कहा कि कांग्रेस आदिवासियों व आमजन की चिंता करती है, जबकि इसके उलट आदिवासियों व आमजन की चिंता भाजपा नहीं करती। यही कारण है कि अमित शाह कांग्रेसियों को उल्टा लटकाने की बात करते हैं, पहले तो उन्हें अपने ही पार्टी के घोटालेबाजों को लटकाना चाहिए। डॉ. रमन के द्वारा नान घोटाला, पनामा घोटाला और मुन्नीबाई मामले में कुछ नहीं बोल रहे।

उन्होंने सीधा केन्द्र की भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा बस्तर और छत्तीसगढ़ को बेचना चाहती है। कांग्रेस बस्तर और छत्तीसगढ़ को बचाने का काम कर रही है। ऐसे में इस चुनाव में यदि भाजपा की सरकार बनाने में गलती कि तो बस्तर और छत्तीसगढ़ बिक जाएगा। उन्होंने कहा कि जब छत्तीसगढ़ में 15 साल तक भाजपा की सरकार थी, तब आदिवासियों के साथ दूसरे तरह का व्यवहार किया जाता रहा। फर्जी एनकाउंटर में आदिवासियों को जेल भेजा जाता रहा और मार दिया जाता था। कांग्रेस की सरकार ने हर गांव तक सड़कों का जाल बिछाया, जिससे लोग अब आसानी से अंदरूनी गांवों तक पहुंच रहे हैं, जबकि पूर्व में लोग बस्तर आने से डरते रहे। उन्होंने कांग्रेस सरकार द्वारा किसानों के लिए किए कामों को भी गिनाया और कहा कि पहले सिर्फ 12 लाख किसान धान बेचते थे, इस साल 26 लाख किसान समर्थन मूल्य में धान बेचेंगे। उन्होंने जगदलपुर, बस्तर और चित्रकोट विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशियों के लिए आमजन से समर्थन मांगा। इस दौरान कांग्रेस के छग प्रभारी कोरापुट के सांसद शप्तगिरी शंकर उल्का, लखेश्वर बघेल, रेखचंद जैन, राजमन बेंजाम ने भी अपने विचार रखे। महापौर सफीरा साहू, मिथलेश स्वर्णकार, सुशील मौर्य, बलराम मौर्य ,राजीव शर्मा सहित अन्य उपस्थित थे।

माई दंतेश्वरी की धरती में नहीं चलेगी झूठ की राजनीति - दीपक

पीसीसी अध्यक्ष व सांसद दीपक बैज ने कहा कि भाजपा के मंत्री व नेता बस्तर आकर झूठ बोल रहे हैं, लेकिन मांई दंतेश्वरी की धरती में झूठ की राजनीति नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने बस्तर के विकास में नया इतिहास लिखा है। बस्तर को बचाना है तो फिर से छत्तीसगढ़ में यू कांग्रेस को लाना होगा। उन्होंने कहा कि चुनाव एक युद्ध का मैदान है, लेकिन इसमें बम व तलवार लेकर सच्चाई को लेकर जनता के बीच जाना है और बस्तरहित के लिए लड़ना है।

यात्री बस बंजारी घाट में ...

मजदूरों को लेकर वापस उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से छत्तीसगढ़ यह यात्री बस आ रही थी, जो बंजारी घाट के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

बिना वैद्य परमिट की चल रही है यात्री बस

छत्तीसगढ़ से उत्तर प्रदेश चलने वाली यह सभी यात्री बसें पर्यटन परमिट पर इस मार्ग पर मजदूरों को पलायन कराने का काम कराती है । इन बसों पर क्षमता से ज्यादा यात्री सवार रहते हैं और बेखौफ होकर मजदूरों को भेड़ - बकरियां की तरह मार्ग से लगातार आवाजाही करते हैं।

एक और हादसा

इसी मार्ग पर सुबह-सुबह दूसरी घटना हुई जिसमें पेंड्रा- बिलासपुर मार्ग पर घटोली पारा के पास कोयले से भरी ट्रेलर ढाबे में जा घुसी जहा ढाबे में काम करने वाले रसोईया और वेटर, टेलर के नीचे दबे हुए हैं, उन्हे रेस्क्यू कर निकालने का प्रयास जारी पुलिस एवं एंबुलेंस मौके पर पहुंची. पेंड्रा बिलासपुर मार्ग पर वाहनों का काफी दबाव है मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ सीमा पर कोयले के काफी खदान स्थित है जहां से बड़ी मात्रा में कोयले का परिवहन सड़क मार्ग द्वारा किया जाता है । कोयल का ट्रिप अधिक से अधिक लगाने की फोड़ लगी रहती है जबकि मार्ग खस्ताहाल एवं घुमावदार है जिसके कारण हद से लगातार होते हैं ऐसे ही घटना आज सुबह-सुबह हुई कोयले से नदी एक टेलर वहां जो मध्य प्रदेश के कोयला खदान से कोयला लेकर रायपुर जा रही थी सुबह-सुबह ढाबे में जा घुसी ढाबे का रसोइया एवं वेटर सो रहे थे ,इस बीच हाईवा वहां ढाबे में जा घुसा जिससे ढाबा पूरा क्षतिग्रस्त हो गया और हाईवा और ढाबा के मलबे के नीचे दोनों दब गए, पुलिस की रेस्क्यू टीम वहां पहुंचकर उन्हे निकाला गया।

देश को मिली पहली रैपिड रेल...

है। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी मौजूद रहीं। शनिवार से आम नागरिक इस ट्रेन से यात्रा कर सकेंगे। इस रूट पर चलने वाली ट्रेनों को 'नमो भारत' का नाम दिया गया है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कल इसका नाम बदलने की घोषणा की थी।

श्रीहरिकोटा से आज पहली परीक्षण...

वापस लाया जाएगा। इसरो ने कहा कि उड़ान भरने के लगभग 60 सेकंड बाद परीक्षण वाहन क्रू एस्केप सिस्टम के साथ 11.7 किमी की ऊंचाई पर वाहन (टीवी) से अलग हो जाएगा और अगले 30 सेकंड बाद सीएम-सीईएस 148.7 मीटर/सेकेंड के वेग से 16.7 किमी की ऊंचाई पर अलग हो जाएगा। इसके बाद सीईएस को अलग करने और पैराशूटों की श्रृंखला की तैनाती के साथ शुरू होने वाले गर्भपात जैसी स्थिति को स्वायत्त रूप से निष्पादित किया जाएगा।

अगले साल भेजा जा सकता है गगनयान

गगनयान भारत का पहला अंतरिक्ष मिशन है, इसे अगले साल के आखिर या 2025 की शुरुआत तक भेजा जा सकता है। 2024 में मानव रहित परीक्षण उड़ान होगी, जिसमें एक व्योममित्र रोबोट भेजा जाएगा। टीवी-डी1 वाहन एक विकास इंजन का उपयोग करता है, जिसके अगले सिरे पर क्रू मॉड्यूल और क्रू एस्केप सिस्टम लगा होता है। वाहन की लंबाई 34.9 मीटर है, जबकि इसका भार 44 टन है।

तरूण सिंह ठाकुर एक साल के लिए जिला बदर

रायगढ़, 20 अक्टूकर (देशबन्धु)। कलेक्टर व जिला दण्डाधिकारी श्री कार्तिकेया गोयल ने 19 अक्टूबर 2023 को आदेश जारी कर तरूण सिंह ठाकुर आ.शोभनाथ सिंह ठाकुर, निवासी-गंज पीछे खरसिया, थाना-खरसिया, जिला-रायगढ़ को एक साल के लिए जिला बदर कर दिया है। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 3 एवं 5 के तहत जिला दण्डाधिकारी न्यायालय में चल रहे न्यायिक प्रकरण में यह आदेश पारित किया है। आदेश में उल्लेख है कि जब तक यह आदेश लागू रहेगा तरूण सिंह ठाकुर को चौबीस घंटे के भीतर जिला-रायगढ़ तथा समीपवर्ती जिले सारंगढ़-बिलाईगढ़, सक्ती, बलौदा बाजार, महासमुंद, जांजगीर-चाम्पा, कोरबा एवं जशपुर जिले के क्षेत्र से एक वर्ष के लिए बाहर जाना होगा। तरूण सिंह ठाकुर को उक्त अवधि में बिना वैधानिक अनुमति लिए इन जिलों की सीमा में प्रवेश नहीं करना है। इस आदेश का तुरंत पालन किया जाना होगा। पालन नहीं करने पर तरूण सिंह ठाकुर के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जावेगी। गौरतलब है कि पुलिस अधीक्षक रायगढ़ द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन एवं अभियोजन साथियों द्वारा दिए गए बयान के आधार पर यह पाया गया कि तरूण सिंह ठाकुर पर 8 मार्च 2014 से 15 नवम्बर 2016 तक थाना खरसिया, जिला-रायगढ़ में 8 अपराध पंजीबद्ध हुए है। तरूण सिंह ठाकुर मारपीट, लूट, बलवा, धरना, प्रदर्शन, चक्का जाम जैसे अपराधों में संलिप्त रहा है। उसके आपराधिक गतिविधियों से आम जनता के मौलिक अधिकारों का हनन हुआ है। खरसिया पुलिस द्वारा तरूण सिंह ठाकुर के विरूद्ध सामान्य कानून के तहत कई कार्यवाही की गई किन्तु उसके आचरण में कोई सुधार नहीं हुआ है।

पुसौर के बोरोडीपा में आयोजित हुआ मतदाता जागरूकता कार्यक्रम, कलेक्टर व एसएसपी हुए शामिल

स्कूली बच्चों एवं लोगों ने मानव श्रृंखला बनाकर शत-प्रतिशत मतदान के लिए किया अपील

कलेक्टर ने दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाताओं का किया सम्मान, हस्ताक्षर कर बनें अभियान का हिस्सा

रायगढ़, 20 अक्टूकर (देशबन्धु)। कलेक्टर कार्तिकेया गोयल के निर्देशन में शत-प्रतिशत मतदान के लिए जिले में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज पुसौर के बोरोडीपा चौक में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में स्कूली, कालेज के विद्यार्थियों सहित जनसामान्य ने मानव श्रृंखला बनाकर लोगों से शत-प्रतिशत मतदान के लिए अपील की। मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कार्तिकेया गोयल एवं पुलिस अधीक्षक सदानंद कुमार भी शामिल हुए है। इस अवसर पर उन्होंने जिलेवासियों को आगामी 17 नवम्बर को होने वाले मतदान में अपना बहुमूल्य मत देने हेतु अपील की।

कलेक्टर श्री गोयल ने कहा कि मतदान में प्रत्येक मत महत्वपूर्ण होता हैं, सभी वोट करे और कोशिश करें कि पुसौर विकासखण्ड में शत-प्रतिशत मतदान हो। उन्होंने कहा कि मतदान के दिन सभी मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करें, साथ ही अपने आस-पास के लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें। आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर श्री गोयल ने दिव्यांग मतदाता धनेश्वर शिकारी, 80 प्लस मतदाता श्रीमती बिजली साव तथा युवा मतदाता कु.रितु पटेल एवं कु.अनिता गुप्ता का सम्मान किए। इस दौरान कलेक्टर एवं एसएसपी हस्ताक्षर अभियान में शामिल हुए एवं हस्ताक्षर कर लोगों से मतदान के लिए आग्रह किया। मौके पर सीईओ जिला पंचायत जितेन्दर यादव ने सभी मतदाताओं को शत-प्रतिशत मतदान करने हेतु शपथ दिलाई। जहां बड़ी संख्या में लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ ली। इस अवसर पर सहायक कलेक्टर युवराज मरमट, एसडीएम रायगढ़ गगन शर्मा, जनपद सीईओ पुसौर महेश पटेल सहित अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्कूली एवं कालेज के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

तख्तियों में संदेश लिखकर मतदान के लिए मतदाताओं से की अपील

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने मतदान की अपील हेतु तख्तियों में संदेश लिखकर रैली के माध्यम से मानव श्रृंखला बनाकर जनसामान्य को जागरूक किया। साथ ही महिलाओं ने रंगोली के माध्यम से आगामी 17 नवम्बर को अपना बहुमूल्य मतदान करने का आव्हान किया। आयोजन में बड़ी संख्या में स्कूली एवं कॉलेज के विद्यार्थी, स्वसहायता समूह की महिलाएं विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

नारा-लेखन के माध्यम से मतदाताओं को किया जा रहा जागरूक

कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल के निर्देशन में जिले भर में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए दीवार लेखन का भी कार्य किया जा रहा है। जिसमें लोकतंत्र का भाग्य विधाता, होता जागरूक मतदाता, बूढ़े हो या जवान, सभी करें मतदान, जन-जन का यह नारा है, मतदान अधिकार हमारा है जैसे विभिन्न श्लोगन के माध्यम से मतदाताओं को मतदान के लिए अपील की जा रही है।

मतदान के लिए कर्मचारियों के लिए सवेतन अवकाश स्वीकृत

रायगढ़, 20 अक्टूकर (देशबन्धु)। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के निर्देशन में आगामी विधानसभा निर्वाचन-2023 के लिए रायगढ़ जिले में 17 नवम्बर 2023 को मतदान होगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कार्तिकेया गोयल ने मतदान दिवस को किसी कारोबार, व्यवसाय, औद्योगिक उपक्रम या किसी अन्य स्थापन में नियोजित प्रत्येक व्यक्ति को सवेतन अवकाश के लिए रायगढ़ जिला अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र लैलूंगा, खरसिया, धरमजयगढ़ एवं रायगढ़ में मतदान दिवस 17 नवम्बर 2023 को मतदान हेतु सवेतन अवकाश स्वीकृत किया है।

निधन

छेदीन बाई

तखतपुर। बेलसरी निवासी छेदीन बाई उम्र 90 वर्ष का शुक्रवार को निधन हो गया। वे सेवा निवृत्त एएसआई श्याम प्रधान की मां थी। इनका अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम में किया जाएगा।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

सार्वजनिक अधिसूचना प्रोफार्मा 10-01

रेलवे लाईनों और परिसरों के सभी उपभोक्ताओं को एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल के **तिल्दा स्टेशन** के **मेसर्स रायपुर इनर्जन लिमिटेड** की इस्टेबलिंग लाइन फैसिलिटी के डेव्लपमेंट के ओ.एच.ई. (ऊपरि उपस्कर) विद्युतीकरण का ऊर्जयन विनिर्दिष्ट तारीख को या उसके बाद किया जाएगा । उस दिनांक से **मेसर्स रायपुर इनर्जन लिमिटेड** सब समय विद्युतमय माना जाएगा और कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति को सम्बंधित स्थान के समीप्यता में दाखिल होने या काम करने नहीं दिया जाएगा ।

खण्ड/स्टेशन	मंडल	दिनांक
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल के तिल्दा स्टेशन के **मेसर्स रायपुर इनर्जन लिमिटेड** की इस्टेबलिंग लाइन फैसिलिटी के डेव्लपमेंट (0.2025 टीकेएम) के ओ.एच.ई. (ऊपरि उपस्कर) का ऊर्जयन 25000 वोल्ट, 50 Hz, A.C.से किया जाएगा ।	रायपुर	30.10.2023

वरि.मं.वि.अभियंता (कर्षण वितरण)
द.पू.म. रेलवे, रायपुर
पीआर/आर/टीआरडी/एएन/169

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

"सार्वजनिक अधिसूचना" प्रारुप 10-01

रेलवे परिसरों के सभी उपभोक्ताओं को एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि रेलवे के निम्नलिखित खण्ड पर 11000 वोल्ट, 50 हेर्टज एसी शिरोपरी तारों को खण्ड के सामने विनिर्दिष्ट तारीख को या बाद में उर्जित किया जाएगा । उस तारीख पर और उस तारीख से शिरोपरी लाईन को सब समय विद्युन्मय माना जायेगा और कोई अनाधिकृत व्यक्ति उस शिरोपरी लाइन की सामीप्यता में दाखिला होने या काम करने नहीं जायेगा ।

कार्य का विवरण खण्ड/स्टेशन	मण्डल	तारीख
सीएओ/कॉन कार्यालय के लिए नवनिर्मित बहुमंजिला ग्रीन बिल्डिंग की बिजली आपूर्ति प्रदान करने के लिए ग्रीन बिल्डिंग के परिसर में नवनिर्मित विद्युत सब-स्टेशन संख्या-33, में एसी 11 केवी, 2X500 केवीए ट्रांसफार्मर, एक चार-पोल संरचना, दो नग दो-पोल संरचनाएं और दो स्पैन इनकमिंग ओवरहेड कंडक्टर की विद्युतीकरण के लिए ।	बिलासपुर द.पू.म. रेलवे	30.10.2023

दिनांक : 13.10.2023
उप मुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण)
द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
सीपीआर/10/265

न्यायालय नायब तहसीलदार सकरी, जिला-बिलासपुर छ.ग.

ईश्तहार

क्रमांक/ / क/ वा./ ना.तह./ 2023
सकरी, दिनांक 12.10.2023

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक ठग्गूराम पिता आत्माराम जाति गड़रिया निवासी उडेला द्वारा ग्राम उड़ेला प.ह.नं. 39 तहसील सकरी स्थित भूमि ख.नं. 153, 175, 139, 141, 147 आवेदक के 0.44, 0.90, 0.16, 0.38, 0.76, ए. कुल रकबा 3.35 ए. भूमि आवेदक के स्वामित्व की भूमि है। उक्त भूमि वर्तमान रिकार्ड में सिंचाई विभाग एवं अन्य नाम के रूप में दर्ज है। जो कि त्रुटिपूर्ण है, जिसे सुधार राजस्व अभिलेखों में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन न्यायालय अ.वि.अ.(रा.) तखतपुर के समक्ष प्रस्तुत किये जाने से जांच एवं प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ है।

अत: उक्त आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/ आपत्ति हो तो वह अपना दावा/ आपत्ति स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में नियत पेशी दिनांक-27.10.2023 तक प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त तिथि पश्चात् दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 12.10.2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील व मुहर से जारी किया गया।

सील
नायब तहसीलदार
सकरी

न्यायालयः श्रीमती काम्या अय्यर, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2 के तृतीय अतिरिक्त न्यायाधीश-रायपुर (छ.ग.)

क्रमांक/न्या./क्यू/2023
रायपुर, दिनांक 29.09.2023
प्रोसेस क्रमांक-39
प्रकरण क्रमांक-309 ए/2016
पेशी तारीख 16.11.2023
कृष्ण कुमार त्रिपाठी व अन्य ...वादीगण
बनाम
दीपक निषाद व अन्य.......... प्रतिवादीगण

वादी कमला देवी त्रिपाठी द्वारा वाद वास्ते उद्घोषणा एवं वास्ते स्थायी निषेधाज्ञा बाबत् वाद संस्थित किया गया है, जिसमें 1 गुड्डो पाण्डेय पिता स्व. श्री बृजभूषण कुमार पाण्डेय निवासी बी-80/6 यदुवन्दन नगर बिलासपुर छ.ग. 497101 को पक्षकार के रूप में समायोजित किया गया है। अत: आपको इस न्यायालय के तारीख 16.11.2023 को दिन में प्रात: 11 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात या उपस्थित होने के लिए समंस किया जाता है आप स्वयं न्यायालय में या किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो प्रकरण से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। न्यायालय में आपकी उपस्थिति के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के सुनवाई के लिये उपस्थिति हेतु नियत दिन है।

आपको यह सूचित किया जाता है कि यदि आप दिनांक 16.11.2023 को न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो प्रकरण की सुनवाई आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।

नोट- यदि किसी कारणवश दिनांक 16.11.2023 को अवकाश हो जाता है, कार्य स्थगित हो जाता है या पीठासीन अधिकारी अवकाश पर हो तो प्रकरण की सुनवाई ठीक अगले कार्य दिवस पर किया जावे।

यह आज तारी 29.09.2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा लगाकर किया गया है।

मुहर
श्रीमती काम्या अय्यर
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश
वर्ग-2 के तृतीय अतिरिक्त
न्यायाधीश, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालयः श्रीमती काम्या अय्यर, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2 के तृतीय अतिरिक्त न्यायाधीश-रायपुर (छ.ग.)

क्रमांक/न्या./क्यू/2023
रायपुर, दिनांक 29.09.2023
प्रोसेस क्रमांक-40
प्रकरण क्रमांक-200 ए/2016
पेशी तारीख 16.11.2023
कृष्ण कुमार त्रिपाठी व अन्य ...वादीगण
बनाम
कौशिल्या साहू व अन्य .....प्रतिवादीगण

वादी कमला देवी त्रिपाठी द्वारा वाद वास्ते उद्घोषणा एवं वास्ते स्थायी निषेधाज्ञा बाबत् वाद संस्थित किया गया है, जिसमें 1 गुड्डो पाण्डेय पिता स्व. श्री बृजभूषण कुमार पाण्डेय निवासी बी-80/6 यदुवन्दन नगर बिलासपुर छ.ग. 497101 को पक्षकार के रूप में समायोजित किया गया है। अत: आपको इस न्यायालय के तारीख 16.11.2023 को दिन में प्रात: 11 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात या उपस्थित होने के लिए समंस किया जाता है आप स्वयं न्यायालय में या किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो प्रकरण से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। न्यायालय में आपकी उपस्थिति के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के सुनवाई के लिये उपस्थिति हेतु नियत दिन है।

आपको यह सूचित किया जाता है कि यदि आप दिनांक 16.11.2023 को न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो प्रकरण की सुनवाई आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।

नोट- यदि किसी कारणवश दिनांक 16.11.2023 को अवकाश हो जाता है, कार्य स्थगित हो जाता है या पीठासीन अधिकारी अवकाश पर हो तो प्रकरण की सुनवाई ठीक अगले कार्य दिवस पर किया जावे।

यह आज तारी 29.09.2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा लगाकर किया गया है।

मुहर
श्रीमती काम्या अय्यर
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश
वर्ग-2 के तृतीय अतिरिक्त
न्यायाधीश, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालयः श्रीमती काम्या अय्यर, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2 के तृतीय अतिरिक्त न्यायाधीश-रायपुर (छ.ग.)

क्रमांक/न्या./क्यू/2023
रायपुर, दिनांक 29.09.2023
प्रोसेस क्रमांक-38
प्रकरण क्रमांक-202 ए/2016
पेशी तारीख 16.11.2023
कृष्ण कुमार त्रिपाठी व अन्य ...वादीगण
बनाम
दरवन यादव व अन्य .....प्रतिवादीगण

वादी कमला देवी त्रिपाठी द्वारा वाद वास्ते उद्घोषणा एवं वास्ते स्थायी निषेधाज्ञा बाबत् वाद संस्थित किया गया है, जिसमें 1 गुड्डो पाण्डेय पिता स्व. श्री बृजभूषण कुमार पाण्डेय निवासी बी-80/6 यदुवन्दन नगर बिलासपुर छ.ग. 497101 को पक्षकार के रूप में समायोजित किया गया है। अत: आपको इस न्यायालय के तारीख 16.11.2023 को दिन में प्रात: 11 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात या उपस्थित होने के लिए समंस किया जाता है आप स्वयं न्यायालय में या किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो प्रकरण से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। न्यायालय में आपकी उपस्थिति के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के सुनवाई के लिये उपस्थिति हेतु नियत दिन है।

आपको यह सूचित किया जाता है कि यदि आप दिनांक 16.11.2023 को न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो प्रकरण की सुनवाई आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।

नोट- यदि किसी कारणवश दिनांक 16.11.2023 को अवकाश हो जाता है, कार्य स्थगित हो जाता है या पीठासीन अधिकारी अवकाश पर हो तो प्रकरण की सुनवाई ठीक अगले कार्य दिवस पर किया जावे।

यह आज तारी 29.09.2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा लगाकर किया गया है।

मुहर
श्रीमती काम्या अय्यर
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश
वर्ग-2 के तृतीय अतिरिक्त
न्यायाधीश, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार, बिलासपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

क्रमांक/ क / तह./ वाचक / 2023
बिलासपुर, दिनांक 03/08/ 2023

ग्राम लिंगियाडीह के सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि मौजा लिंगियाडीह प.ह.नं. 31 तहसील व जिला-बिलासपुर स्थित भूमि ख.नं. 15/221 (28/30, 29/33, 30/59, 31/56) रकबा 0.0240 हे. भूमि शासकीय या विवादित भूमि में शामिल है, या विक्रय पर लगे प्रतिबंध से मुक्त किये जाने हेतु आवेदक मौजेस प्रदीप सिंह पिता पी.एस.सुन्दर सिंह निवासी 12 आशीष नगर सिविक सेंटर भिलाई छ.ग.कलेक्टर महोदय बिलासपुर के समक्ष आवेदन किया गया। जो जॉच एवं प्रतिवेदन के लिए प्राप्त हुआ है।

यदि किसी व्यक्ति/ संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति/ दावा हो तो मेरे न्यायालय में दिनांक 26/10/23 को सुबह 11.00 बजे स्वयं अथवा अपने प्राधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति/ दावा प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति स्वीकार नहीं किये जावेंगे।

आज दिनांक 03/08/2023 को मेरे पदमुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी।

सील
तहसीलदार
बिलासपुर (छ.ग.)

देश

उवाच “ जिस दिन इंडी गठबंधन बना था हमने कह दिया था यह बेमेल गठबंधन है। घमंडिया गठबंधन है, इनमें न लोगों के विचार एक हैं और न ही दिल एक हैं। केवल मोदी की लोकप्रियता से घबराकर ये बेमेल गठबंधन बना था जो बनने से पहले ही टूट रहा है:- **शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश**

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	31.1	16.1
मुंबई	35.9	25.4
कोलकाता	32.6	23.8
चेन्नई	32.7	24.4

बिहार महापुरुषों की भूमि : राष्ट्रपति

राष्ट्रपति ने सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार के तीसरे दीक्षांत समारोह को संबोधित किया

गया, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बिहार को महापुरुषों की भूमि बताया और कहा कि यहां चाणक्य, आर्यभट्ट, डॉ. राजेंद्र प्रसाद जैसे विद्वान पैदा हुए हैं। श्री मुर्मू ने शुक्रवार को सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार के तीसरे दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार महापुरुषों की भूमि है। यहां चाणक्य, आर्यभट्ट, डॉ. राजेंद्र प्रसाद जैसे विद्वान पैदा हुए। उन्होंने कहा कि बिहार की भूमि अंबेडकर जैसे लोगों को मानने वाली भूमि है। राष्ट्रपति ने कहा कि इस विश्वविद्यालय के प्रांगण में शिक्षा के क्षेत्र में चौहमुखी विकास हो रहा है। स्वर्ण पदक पाने वालों में छात्राओं की संख्या सबसे अधिक है, जो दर्शाता है कि विश्वविद्यालय प्रबंधन महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में गतिशील है। इसके अलावा अन्य शैक्षणिक विभागों का भी लगातार विकास हो रहा है, जहां अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और फैकल्टी की व्यवस्था है। श्रीमती मुर्मू ने कहा, 'आज का दिन बड़ा ही गौरवशाली है। जिन बच्चों ने डिग्री प्राप्त की है, मैं उन्हें उनके उज्जवल भविष्य के लिये शुभकामना देती हूं। हमारी शुभकामना है कि सेंट्रल यूनिवर्सिटी दिन-रात तरक्की करे। जो छात्र-छात्राएं यहां आज डिग्री धारण किए हैं, वे अपने जीवन के लक्ष्य को प्राप्त करें। यही हमारी शुभकामना है।'

दीक्षांत समारोह में 1142 छात्र-छात्राओं को डिग्री दी गई

बिहार महापुरुषों की भूमि है। यहां चाणक्य, आर्यभट्ट, डॉ. राजेंद्र प्रसाद जैसे विद्वान पैदा हुए। उन्होंने कहा कि बिहार की भूमि अंबेडकर जैसे लोगों को मानने वाली भूमि है:- द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

दीक्षांत समारोह में 1142 छात्र-छात्राओं को डिग्री दी गई है, जिनमें 103 गोल्ड मेडलिस्ट हैं। इन गोल्ड मेडलिस्ट में छात्राओं की संख्या 66 है। राष्ट्रपति के द्वारा सम्मानित होने के बाद छात्र-छात्राओं में खुशी का माहौल रहा।

इस मौके पर बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार के कुलपति कामेश्वर नाथ सिंह, भाजपा के महानगर विधायक डॉ. प्रेम कुमार, औरंगाबाद सांसद सुशील सिंह, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी एवं शहर के गणमान्य लोग उपस्थित थे। इससे पूर्व राष्ट्रपति के आगमन को लेकर यहां सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे। कड़ी सुरक्षा के बीच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू यूनिवर्सिटी के प्रांगण में पहुंची और वहां बने भव्य मंच पर कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभारंभ किया। इस दौरान लोगों ने राष्ट्रगान की प्रस्तुति की।

प्रियंका गांधी ने ओपीएस पर केंद्र की चुप्पी पर उठाए सवाल

कांग्रेस सरकार ओपीएस लागू कर सकती है तो भाजपा सरकार क्यों नहीं कर सकती

जयपुर, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने शुक्रवार को राजस्थान में पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) पर चुप्पी को लेकर केंद्र पर निशाना साधा। प्रियंका गांधी ने कहा कि जब कांग्रेस सरकार इसे लागू कर सकती है तो भाजपा सरकार क्यों नहीं कर सकती ।

पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी ने राजस्थान के दौसा जिले में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर राज्य की जनता को धोखा देने का आरोप लगाया। प्रियंका गांधी ने कहा, 'मैंने टीवी पर देखा, मुझे नहीं पता कि यह सच है या नहीं, प्रधानमंत्री कुछ समय पहले राज्य में देवनारायणजी के मंदिर में गए थे और पीछे एक लिफाफा छोड़ गए थे। छह महीने बाद मैंने फिर देखा कि लिफाफा खोला गया और जनता सांस रोककर इंतजार कर रही थी। स्वाभाविक रूप से, जनता को उनके जैसे कद्दावर नेता से अच्छी खासी रकम की उम्मीद थी। लेकिन, उन्हें निराशा तब हुई जब लिफाफे में 21 रुपए की मामूली रकम थी। अफसोस की बात है कि देश कहां जा रहा है? बड़ी-बड़ी घोषणाएं की जा रही हैं, मंच पर खड़े होकर तरह-तरह के लिफाफे दिखाए जा रहे हैं। जब आप उन्हें खोलते हैं, जब चुनाव खत्म हो जाते हैं और अपना काम दिखाने का समय आता है, तो कुछ नहीं होता है। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) का दूरगामी वादा भी इसी तरह किया गया था। कांग्रेस नेता ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, 'बीजेपी कार्यकर्ता कहते हैं कि हमारा चेहरा नरेंद्र मोदी होंगे। जनता को उनसे पूछना चाहिए कि क्या वह प्रधानमंत्री का पद छोड़कर राजस्थान के मुख्यमंत्री बनेंगे? प्रियंका गांधी ने आगे कहा कि गरीबों से पैसा लूटकर उद्योगपतियों को दिया जाता है। अगर भाजपा सरकार सत्ता में आई तो पुरानी पेंशन योजना खत्म हो जाएगी और सस्ते सिलेंडर की सिर्फ कल्पना ही रह जाएगी।

'केंद्र की दोषपूर्ण नीतियां चीजों को मुश्किल बना रही हैं, लेकिन गहलोत सरकार आपको कठिन परिस्थिति से बाहर निकालने की कोशिश कर रही है। राज्य सरकार को महंगाई राहत शिविर लगाने पड़ रहे हैं क्योंकि केंद्र सरकार महंगाई पर काबू नहीं पा रही है:- प्रियंका गांधी, नेता कांग्रेस

प्रियंका गांधी ने राजस्थान के दौसा जिले में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित किया

बीजेपी के कई नेता खुद को भावी मुख्यमंत्री बता रहे हैं। पूरी भाजपा टुकड़ों में बंटी हुई है, लेकिन कांग्रेस मजबूती से खड़ी है और एकजुट है।

मध्यप्रदेश में 18 साल में अर्थव्यवस्था हुई खस्ताहाल : सुप्रिया

भोपाल। मध्यप्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव के पूर्व कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने आज आरोप लगाया कि प्रदेश में भाजपा सरकार के 18 सालों में अर्थव्यवस्था खस्ताहाल हो गई है कर्ज बेतहाशा बढ़ा है। श्रीमती श्रीनेत ने यहां संवाददाताओं से चर्चा के दौरान कहा कि वर्तमान में राज्य सरकार पर क़रीब चार लाख करोड़ रुपए का कर्ज़ा है, इसके बाद क़रीब 20 हज़ार करोड़ रुपए से ज़्यादा सरकार ब्याज चुकाती है। राज्य के प्रति व्यक्ति पर 40 हजार रुपए से ज़्यादा का कर्ज है। कर्ज़ में डूबी हुई सरकार में भ्रष्टाचार भी बेलगाम है। उन्होंने कहा कि कर्ज का सीधा संबंध बेरोज़गारी से है। राज्य के दो करोड़ युवाओं के भविष्य की कोई बात ही नहीं कर रहा। 40 लाख से ज़्यादा बेरोज़गार रोजगार केंद्र पर पंजीकृत थे जिनमें से मात्र 21 लोगों को नौकरी मिली। नौकरी ना मिलने का सबसे बड़ा कारण है कि यहाँ निवेश नहीं आ रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में शिक्षा का बुरा हाल है। भर्ती घोटालों की वजह से बच्चों की आत्महत्या के मामलों में बढ़ोतरी हुई है।

सार संक्षेप

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में 26 करोड़ कार्ड बनें

नई दिल्ली। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री-जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) ने गुरुवार तक देश भर में 26 करोड़ आयुष्मान कार्ड बनाने का मील का पत्थर पार कर लिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शुक्रवार को यहां बताया कि चार करोड़ आयुष्मान कार्डों के साथ उत्तर प्रदेश सबसे अधिक संख्या में आयुष्मान कार्ड वाले राज्यों की सूची में शीर्ष पर है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ क्रमशः 3.69 करोड़ और 2.4 करोड़ आयुष्मान कार्ड के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। इनमें से 49 प्रतिशत आयुष्मान कार्ड महिला लाभार्थियों के पास हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) की प्रमुख योजना पांच लाख रुप का स्वास्थ्य बीमा प्रदान करती है।

बिहार में जदयू को छोड़कर पूर्व विधायक ललन पासवान भाजपा में हुए शामिल

पटना। बिहार में सत्तारूढ़ जनता दल यूनाइटेड के उपाध्यक्ष रहे और पूर्व विधायक ललन पासवान ने शुक्रवार को भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। कुछ दिन पहले इन्होंने जदयू से त्यागपत्र दे दिया था। भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद पासवान ने बिहार सरकार और जदयू पर जमकर भड़ास निकाली। उन्होंने साफ लहजे में कहा कि जदयू में नेताओं की नाराजगी काफी हद तक बढ़ गई है। बहुत जल्द बड़ी संख्या में नेता जदयू को छोड़कर अन्य दलों में शामिल होंगे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने भाजपा में आए लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि पार्टी लगातार मजबूत हो रही है। बिहार में कर्पूरी ठाकुर को भी दो बार मुख्यमंत्री बनाने का काम जनसंघ और भाजपा ने किया है। लालू प्रसाद भी पहली बार भाजपा की मदद से ही मुख्यमंत्री बने थे। नीतीश कुमार की तो बात ही मत कीजिए। सुशील मोदी ने आंदोलन किया और फ़ायदा नीतीश कुमार को मिला।

जातिवाद कोई मुद्दा नहीं, जनता विकास को चुनती है: प्रहलाद

बालाघाट। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल ने आज कहा कि देश में जातिवाद अब कोई मुद्दा नहीं है और भाजपा ने कभी भी जाति आधारित राजनीति नहीं की। चुनाव के अवसर पर जो लोग जाति के मसले को बड़ा बनाकर पेश कर रहे हैं, वे ये भूल गये हैं कि अब जनता विकास को देख चुकी है और वह उसे ही वोट देती है, जो विकास का हिमायती है। श्री पटेल बालाघाट जिले की परासिया विधानसभा के ग्राम हट्टा के गुजरी चौक में भाजपा प्रत्याशी रामकिशोर नानो कांवरे के समर्थन में आमसभा को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मंच पर सांसद ढाल सिंह बिसेन एवं जिलाध्यक्ष सत्यनारायण अग्रवाल सहित पार्टी के कार्यकर्ता, पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

मध्य प्रदेश में कांग्रेस का 30 महिलाओं पर दांव

राज्य की 230 विधानसभा सीटों में से 229 के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी गई

भोपाल, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने उम्मीदवार घोषित करने के मामले में बाजी मार ली है। राज्य की 230 विधानसभा सीटों में से 229 के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी गई है। इनमें महिला उम्मीदवारों की संख्या 30 है। इस तरह लगभग 14 फीसदी महिलाओं को कांग्रेस ने उम्मीदवार बनाया है। दरअसल, राज्य में कांग्रेस हो या भाजपा, दोनों ही महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने की वकालत करते आए हैं। मगर कांग्रेस की जो सूची आई है, उसमें महिलाओं को उम्मीदवार बनाए जाने का प्रतिशत 14 है। कांग्रेस ने पहली सूची में 144 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया था, जिसमें महिला उम्मीदवारों की संख्या 19 थी। कांग्रेस की दूसरी सूची 88 उम्मीदवारों की आई है, जिनमें तीन उम्मीदवारों में बदलाव किया गया है। इसमें महिला उम्मीदवारों की संख्या 11 है। इस तरह राज्य की 229 विधानसभा सीटों के लिए घोषित उम्मीदवारों में महिलाओं की संख्या 30 है। कांग्रेस की दूसरी सूची में जिन 11 महिला उम्मीदवारों के नाम हैं, उनमें चार बुंदेलखंड से हैं। यह हैं, बीना से निर्मला सप्रे, खुरई से रक्षा राजपूत, रहली से ज्योति पटेल, सागर से निधि जैन। इसके अलावा बांधवगढ़ से सावित्री सिंह, गाडरवारा से सुनीता पटेल, कुरवाई से रानी अहिरवार, सारंगपुर से कला महेश मालवीय, नेपानगर से गेंदु बाई चैहान, धार से प्रभा गौतम और धोहनी से कमलेश सिंह को उम्मीदवार बनाया है।

टिकट कटने के बाद कांग्रेस विधायक मावई ने दिखाए बगावती तेवर

मुरैना। मध्यप्रदेश में मुरैना के कांग्रेस विधायक राकेश मावई ने उनका टिकट काटे जाने के बाद एक तरह से बगावती तेवर दिखाते हुए आज सार्वजनिक रूप से घोषणा कर दी कि वे पार्टी के लिए कार्य नहीं करेंगे। श्री मावई ने यहां मीडिया से कहा कि वे किसी और पार्टी में भी नहीं जाएंगे और कांग्रेस के लिए काम भी नहीं करेंगे। श्री मावई ने प्रदेश के पार्टी नेतृत्व से जानना चाहा कि उन्हें स्पष्ट करना चाहिए कि उनका टिकट क्यों काटा गया। उन्होंने अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि शायद उनका यह कसूर था कि उन्होंने अपने दस वर्ष के जिला अध्यक्षीय कार्यकाल में मुरैना जिले की छह की छह विधानसभा सीट पार्टी के लिए जितवायीं। श्री मावई ने कहा कि उन्होंने विधानसभा उपचुनाव में 'सिंधिया परिवार' से अपने परिवार के लगभग 40 साल के संबंधों को तिलांजलि देकर कांग्रेस का साथ दिया और उन्होंने स्वयं मुरैना की सीट जीतकर कांग्रेस को दी।

सीबीआई 90 फीसदी जांच पूरी करने का दावा कर रही है, लेकिन किसी अधिकारी ने मुझसे संपर्क नहीं किया: शिवकुमार

बेंगलुरु, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा कि हालांकि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) का दावा है कि आय से अधिक संपत्ति मामले में उनके खिलाफ 90 फीसदी जांच पूरी हो चुकी है, लेकिन आज तक किसी भी जांच अधिकारी ने उनसे संपर्क नहीं किया है।

उच्च न्यायालय द्वारा आय से अधिक संपत्ति के मामले को रद्द करने की उनकी याचिका खारिज किए जाने पर पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा कि किसी भी जांच अधिकारी ने किसी भी जानकारी के लिए उनसे संपर्क नहीं किया है। उन्होंने कहा, 'मैं इस मामले पर अपने वकीलों से चर्चा करूंगा।' कांग्रेस नेता ने कहा, तत्कालीन मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा ने राजनीतिक कारणों से ही यह मामला सीबीआई को सौंपा था। हालांकि, अन्य मामले भी थे, लेकिन केवल उनका मामला ही सीबीआई को सौंपा गया। शिवकुमार ने कहा, 'महाधिवक्ता ने स्पष्ट रूप से कहा था कि इस मामले को जांच के लिए सीबीआई को नहीं सौंपा जा सकता है। इसे विधानसभा अध्यक्ष के पास भी नहीं पहुंचाया गया और येदियुरप्पा ने मामले को सीबीआई को सौंप दिया।' विपक्षी नेताओं द्वारा उन पर किए जा रहे हमलों के बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने कहा कि वह हर किसी की बात का जवाब नहीं दे सकते। कोर्ट और कार्यवाही का सम्मान करना होगा। उन्होंने कहा कि मीडिया को भी उनकी बातों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। विशेष रूप से, शिवकुमार, जो कांग्रेस के राज्य प्रमुख भी हैं, को झटका देते हुए उच्च न्यायालय ने गुरुवार को उनके खिलाफ सीबीआई कार्यवाही को रद्द करने की मांग वाली उनकी याचिका खारिज कर दी। अदालत ने उनके खिलाफ सीबीआई जांच पर जारी स्थगन आदेश भी हटा दिया। न्यायमूर्ति के. नटराजन की अध्यक्षता वाली कर्नाटक उच्च न्यायालय की पीठ ने सीबीआई को तीन महीने में जांच पूरी करने का निर्देश दिया।

किसी भी जांच अधिकारी ने किसी भी जानकारी के लिए उनसे संपर्क नहीं किया है, 'मैं इस मामले पर अपने वकीलों से चर्चा करूंगा।' तत्कालीन मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा ने राजनीतिक कारणों से ही यह मामला सीबीआई को सौंपा था:-डी.के. शिवकुमार, उपमुख्यमंत्री कर्नाटक

उत्कृष्टता के लिए प्रयास करना एक सतत प्रक्रिया है: केसीआर

- **गजवेल निर्वाचन क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की विशाल बैठक को संबोधित किया बीआरएस अध्यक्ष केसीआर ने**

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। बीआरएस नेता और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने कहा कि आगामी चुनावों में बीआरएस की जीत निश्चित है और उन्हें जीत पर कोई संदेह नहीं है। उन्होंने कहा कि कई कठिनाइयों और बलिदानों के माध्यम से हासिल की गई प्रगति एक महत्वपूर्ण चरण में पहुंच गई है, इसलिए बीआरएस को फिर से जीतना चाहिए। इस दिशा में बीआरएस नेता मुख्यमंत्री केसीआर ने लोगों से कड़ी मेहनत करने और बीआरएस पार्टी के उम्मीदवारों को भारी बहुमत से जिताने का आह्वान किया है। गजवेल में जीत के अलावा कार्यकर्ताओं से इसके बगल की तीन सीटों पर भी भारी बहुमत से जीत हासिल करने का आह्वान किया।

कई कठिनाइयों और बलिदानों के माध्यम से हासिल की गई प्रगति एक महत्वपूर्ण चरण में पहुंच गई है, इसलिए बीआरएस को फिर से जीतना चाहिए:-के चंद्रशेखर राव

मुख्यमंत्री केसीआर ने शुक्रवार को समीरपेट के पास एक समारोह हॉल में गज़वेल निर्वाचन क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के साथ आयोजित एक विशेष बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और उन्हें संबोधित किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि 24 साल पहले वे अकेले ही आंदोलन के लिए निकल पड़े थे, तब निराशा और हताशा तो थी लेकिन समझ नहीं आ रहा था कि क्या करें। संयुक्त शासन के दौरान, मंजीरा नदी सूख गई और 800 फीट की गहराई तक पानी नहीं पहुंच सका। उन्होंने कहा कि हमने कुछ लोगों के साथ मिलकर आंदोलन शुरू किया और संघर्ष किया और आखिरकार तेलंगाना हासिल किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि चाहे कितनी भी बाधाएं खड़ी की जाएं, तेलंगाना ने दृढ़तापूर्वक विकास किया है और जो हासिल किया है उससे संतुष्ट नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्कृष्टता के लिए प्रयास करना एक सतत प्रक्रिया है और हम लोगों को गुणवत्तापूर्ण जीवनशैली प्रदान कर सकते हैं जो जारी रहेगी।

पीएफआई को 'गैरकानूनी संगठन' घोषित करने के खिलाफ याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टली

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को गृह मंत्रालय (एमएचए) की उस अधिसूचना के खिलाफ पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की याचिका (एसएलपी) पर सुनवाई टाल दी, जिसमें उसे और उसके संबद्ध संगठनों को गैरकानूनी घोषित किया गया था। याचिका शुक्रवार को जस्टिस अनिरुद्ध बोस और बेला एम त्रिवेदी की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध थी।

पीएफआई ने गृह मंत्रालय के बैन को बरकरार रखने वाले यूएपीए ट्रिब्यूनल के आदेश के खिलाफ एसएलपी दायर की थी। मार्च में, यूएपीए ट्रिब्यूनल ने यूएपीए की धारा 3(1) के तहत प्रतिबंध को बरकरार रखा था। सितंबर 2020 में, गृह मंत्रालय ने एक गजट अधिसूचना प्रकाशित की थी जिसमें पीएफआई और उसके विभिन्न सहयोगियों या मोर्चों को यूएपीए के तहत 'गैरकानूनी' घोषित किया गया था। आरोप है कि पीएफए का आतंकवादी संगठनों से संबंध है और वह आतंकी कृत्यों में शामिल है। गृह मंत्रालय की अधिसूचना पीएफआई और उसके सदस्यों के खिलाफ देशव्यापी तलाशी, हिरासत और गिरफ्तारी अभियान के बाद आई थी।

जिस पार्टी ने नीतीश कुमार की पीठ में छुरा भोंका उसमें जाना तो दूर वे देखेंगे भी नहीं: ललन सिंह

पटना, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा था कि भाजपा नेताओं से उनकी दोस्ती कभी खत्म नहीं होगी। सीएम के इस बयान के बाद से बिहार की राजनीति में उबाल है। राजद की तीखी प्रतिक्रिया और कांग्रेस की बेरुखी जाहिर हो रही है। हालांकि, जदयू की ओर से लगातार स्थिति स्पष्ट करने का प्रयास भी जारी है। जदयू का कहना है कि व्यक्तिगत संबंधों की बातों को राजनीति से जोड़ना कतई सही नहीं है। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने भी इसी लाइन पर अपनी बात कही है और इसका दोष मीडिया के माथे जड़ दिया है। ललन सिंह ने कहा जिस पार्टी (भाजपा) ने नीतीश कुमार की पीठ में छुरा भोंका उसमें जाना तो दूर वे देखेंगे भी नहीं। जदयू अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार के बयान के जो भी गलत मायने निकाल रहे हैं, उनका नजरिया खराब है। राजनीति करने का मतलब दुश्मनी नहीं है। हमलोग रोज बोलते हैं कि सुशील मोदी हनारे मित्र हैं, और उनको राज्यसभा सांसद बना दिया जाय। व्यक्तिगत संबंध को राजनीति से जोड़ने का काम मीडिया करती है। मीडिया ने नीतीश कुमार के साथ बेईमानी की है। ललन सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार बीजेपी की ओर कभी देखेंगे भी नहीं। ललन सिंह ने आगे कहा, इससे नीतीश कुमार भयभीत नहीं होने वाले हैं। बीजेपी धोखेबाज पार्टी है। 2020 में नीतीश कुमार की पीठ में छुरा भोंका है। एक नेता के साथ मिलकर षड्यंत्र किया था। व्यक्तिगत संबंद्ध पर नीतीश कुमार ने कहा था, लेकिन बिल्ली के भाग्य से छींका नहीं टूटेगा। नीतीश कुमार विपक्षी एकता के सूत्रधार हैं। 2024 में बीजेपी से मुक्त भारत बनाना नीतीश कुमार का लक्ष्य है।

सीएम नीतीश कुमार के बयान के जो भी गलत मायने निकाल रहे हैं, उनका नजरिया खराब है, राजनीति करने का मतलब दुश्मनी नहीं है:- लल्लन सिंह

चुनाव *विधानसभा चुनाव में नाते रिश्तेदार भी एक-दूसरे के सामने ठोक रहे ताल*

जेठ-बहू से लेकर चाचा-भतीजा आमने-सामने

भोपाल, 2 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में नाते रिश्तेदार भी एक-दूसरे के सामने ताल ठोकते नजर आ रहे हैं, कहीं जेठ और बहू आमने-सामने हैं तो कहीं चाचा और भतीजे के बीच मुकाबला है। राज्य की 23 विधानसभा सीटों के लिए 17 नवंबर को मतदान होने वाला है।

- **कांग्रेस तो 229 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर चुकी**
- **भाजपा अब तक 136 उम्मीदवार तय कर पाई**

दोनों प्रमुख राजनीतिक दल कांग्रेस तथा भाजपा अपने-अपने उम्मीदवारों के नाम को अंतिम रूप दे रही है। कांग्रेस तो 229 स्थान के लिए उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर चुकी है। वहीं, भाजपा अब तक 136 विधानसभा क्षेत्र के लिए ही उम्मीदवार तय कर पाई है।

राज्य में वर्तमान में जो स्थिति उभर रही है, उसमें सागर में सबसे रोचक मुकाबला नजर आ रहा है क्योंकि यहां पर भाजपा ने शैलेंद्र जैन तो वहीं कांग्रेस ने निधि सुनील जैन को मैदान में उतारा है। दोनों के रिश्ते को देखें तो शैलेंद्र जेठ हैं तो वहीं निधि उनके छोटे भाई की पत्नी हैं। कुल मिलाकर यहां मुकाबला जेठ और बहू के बीच है।

इसी तरह देवतालाब में भी रोचक मुकाबला है, जहां विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम को भाजपा ने अपना उम्मीदवार बनाया है तो उनके मुकाबले में भतीजे पद्मेश गौतम पर कांग्रेस ने दावा लगाया है। नाते रिश्तेदारों के बीच मुकाबला पर गौर करें तो डबरा में समधी और समधन के बीच मुकाबला है। यहां भाजपा ने जहां पूर्व मंत्री इमरती देवी को मैदान में उतारा है तो कांग्रेस से विधायक सुरेश राजे चुनाव लड़ रहे हैं। यहां से वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव में भी यही मुकाबला था और कांग्रेस के सुरेश राजे जीत हासिल करने में सफल हुए थे।

राज्य के विधानसभा चुनाव के लिए अभी सभी उम्मीदवार घोषित होने के बाद और भी कई रोचक मुकाबले नजर आने वाले हैं क्योंकि भाजपा की ओर से अभी 94 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान शेष रह गया है।

कांग्रेस विधायक अजब सिंह कुशवाह ने ली बसपा की सदस्यता

मुरैना। मध्यप्रदेश के मुरैना जिले की सुमावली विधानसभा से कांग्रेस के विधायक अजब सिंह कुशवाह का कांग्रेस ने टिकट काटे जाने के बाद उन्होंने आज बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सदस्यता ग्रहण कर ली। बसपा कार्यालय के सूत्रों के अनुसार श्री कुशवाह ने जिले की जौरा विधानसभा क्षेत्र से बसपा प्रत्याशी सोनेराम कुशवाह के समर्थन में आयोजित आमसभा में सदस्यता ग्रहण की। विधायक श्री कुशवाह के स्थान पर कांग्रेस ने कुलदीप सिकरवार को सुमावली विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी बनाया है।

अभिमत

शनिवार को कैरो में शांति शिखर बैठक है। इस बैठक में फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास, बहरीन के किंग हमद बिन ईसा अल खलीफा, कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख मिसाल अल-अहमद, ग्रीस के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोटाकिस और इतालवी प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी भी भाग लेंगे। फ्रांसीसी विदेश मंत्री कैथरीन कोलोना, यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल ने भी अपनी उपस्थिति की पुष्टि की है। मगर, सवाल है कि ऐसी बैठक में पीएम मोदी की उपस्थिति क्यों नहीं है?

विश्व गुरू शांति प्रयास में पीछे क्यों रह गये?

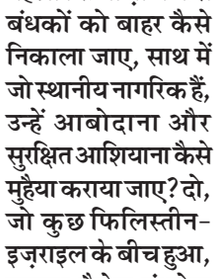

पुष्परंजन

राष्ट्रपति जो बाइडेन कन्फ्यूड हैं। हमास के हमले के समय बयान देते रहे कि हम नेतन्याहू के साथ हैं। अब बोले कि जिस तरह का हमला गाज़ा में हुआ, उसकी पुनरावृति नहीं होनी चाहिए। भारत की तरह अमेरिका में भी 2024 में चुनाव है। फ़र्क़ इतना भर है कि जिस तरह भारत में इस समय पांच राज्यों में चुनाव है, अमेरिका उस तरह से दो-चार नहीं है। वहां एक राउंड में ही फाइनल चुनाव है। भारत में फाइनल से पहले कई सेमीफाइनल हैं। पीएम मोदी इस समय पांच राज्यों में आहूत सेमीफाइनल की व्यूह रचना में खुद इतना उलझ गये कि सांस लेने तक की फुर्सत नहीं है। संभवत: यही विवशता है कि पीएम मोदी मध्यपूर्व में शांति के लिए लीड नहीं ले रहे हैं।

लेकिन जो बाइडेन की घरेलू राजनीति में इस समय इज़राइल चस्पां है। उन्हें साबित करना है कि वो एक सक्षम नेता हैं। मगर, बाइडन शांति स्थापना से अधिक आग लगाने में माहिर दीखने लगे। अपने घर की समस्याओं को अड़ेस करने में विफल जो बाइडेन एक युद्धकालीन नेता की तरह अचानक से सक्रिय हुए हैं। बावजूद इसके, प्रतिद्वंद्वी रिपब्लिकंस ने 80 साल के जो बाइडेन को एक कमज़ोर, शिथिल और ढीले-ढाले नेता के रूप में उनकी छवि गढ़ने में सफलता प्राप्त की है।

ठीक से देखा जाए तो हर आम चुनाव से कुछ महीने या साल पहले किसी दूसरे ज़मीन पर युद्ध की स्थिति बनती है, और अमेरिका में सत्ता और विपक्ष अपने हिसाब से नैरेटिव गढ़ता है। सन् दो हज़ार से पहले के कालखंड की चर्चा कभी बाद में करते हैं। मार्च 2003 में इराक युद्ध से ही इन्हें समझने का प्रयास करते हैं। तब अमेरिका में उसके अगले साल आम चुनाव था। उसके बाद, 2003 से 2011 तक इराक में युद्ध का सिलसिला चलता रहा, उन नौ वर्षों में अमेरिकी मतदाताओं और टैक्स पेयर्स की आंखों में अमेरिकी नेता धूल झोंकते रहे। 2016 में अमेरिकी आम चुनाव वाले समय सीरिया डिस्टर्ब कर दिया गया। सीरिया 2020 तक गृहयुद्ध में उलझा रहा, इस बीच अफग़ानिस्तान भी एक बड़ा मोर्चा था। अमेरिकी नेता अपनी घरेलू राजनीति को युद्ध के बहाने मज़बूत करते रहे।

इस बार भी विशेषज्ञों का मानना है कि 2024 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले जो बाइडेन रिपब्लिकन की आलोचना से बचने की कोशिश कर रहे हैं। युद्धविराम के लिए दुनिया भर में बढ़ती मांग के बावजूद जो बाइडेन ने गाज़ा के खिलाफ इज़रायली सैन्य अभियान को अपना समर्थन देने के लिए इस सप्ताह इजरायल का दौरा किया। लेकिन जिस पैमाने पर गाज़ा में नरसंहार हुआ, उसे देखते हुए जो बाइडेन भी चौतरफ़ दबाव में आ गये लगता है। गुरूवार को उन्हें कहना पड़ा कि ऐसी ग़लती न दोहराई जाए। ऐसे बयान का मतलब यही होता है कि मानवता के विरूद्ध इज़राइल ने अपराध किया है। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय में बेंजामिन नेतन्याहू पुतिन के बाद इस कालखंड के दूसरे नेता शायद हो जाएं, जिन्हें युद्ध अपराधी घोषित कर गिरफ्तारी का वारंट जारी कर दिया जाए।

इस समय दो तीन बड़े सवाल हैं। सबसे पहला कि गाज़ा में फंसे बंधकों को बाहर कैसे निकाला जाए, साथ में जो स्थानीय नागरिक हैं, उन्हें आबोदाना और सुरक्षित आशियाना कैसे मुहैया कराया जाए? दो, जो कुछ फिलिस्तीन-इज़राइल के बीच हुआ, उसका डैमेज कंट्रोल कैसे हो? और तीसरा, अब्राहम अकार्ड का क्या होगा?

अब्राहम अकार्ड की चर्चा से पहले हमें इज़राइल फिलिस्तीन विवाद की टाइम लाइन को संक्षेप में समझ लेना चाहिए। वर्ष 1917 में प्रथम विश्व युद्ध के बाद ब्रिटेन ने ऑटोमन साम्राज्य से फिलिस्तीन के बड़े भूभाग को अपने कब्जे में लिया और 2 नवंबर, 1917 की बॅल्फोर घोषणा के तहत यहूदियों को बसने के लिए जगह देने का अहद किया गया। नवंबर 1947 में संयुक्त राष्ट्र प्रस्ताव-181 के तहत फिलिस्तीन के इस भूभाग को यहूदी और अरब राज्य में विभाजित कर दिया गया तथा जेरूसलम को अंतरराष्ट्रीय नियंत्रण में रखा गया। इस तरह के विभाजन से पूर्वी जेरूसलम सहित वेस्ट बैंक का हिस्सा जॉर्डन के पास और गाज़ा पट्टी का क्षेत्र मिस्र के पास चला गया। फलस्वरूप लगभग-लगभग साढ़े सात लाख फिलिस्तीनी शरणार्थियों ने वेस्ट बैंक, गाज़ा पट्टी और दूसरे अरब देशों में जाकर शरण ली।

14 मई, 1948 को इजराइल की स्थापना हुई, जो अरबों के लिए अस्वीकार्य था। 8 महीनों तक इजराइल और अरब देशों में युद्ध चला। मध्य-पूर्व के इतिहास में 1967 का 'सिक्स डे वॉर' दर्ज़ है, जिसमें इजराइल ने जॉर्डन, सीरिया और मिस्र को पराजित कर पूर्वी यरुशलम, वेस्ट बैंक, गाज़ा पट्टी और गोलन पहाड़ी पर कब्जा कर लिया। उसी साल अरब देशों ने खार्तूम बैठक में तीन का प्रस्ताव पेश किये, जिसके अंतर्गत 'इजराइल के साथ कोई शांति नहीं, इजराइल के साथ कोई वार्ता नहीं और इजराइल को किसी प्रकार की मान्यता नहीं' का संकल्प किया गया। यही बुनियादी कारण था कि भविष्य में युद्ध से ही सब कुछ तय करने के रास्ते खुल गये।

15 साल बाद खार्तुम प्रस्ताव को नकारते हुए 1979 में कैंप डेविड समझौते के आधार पर मिस्र ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर कर इज़राइल को मान्यता दी। उसके प्रकारांतर जॉर्डन ने वर्ष 1994 में इजराइल के साथ सुलह कर लिया। इस बीच इजराइल और फिलिस्तीन ने 1993 और 1995 में ओस्लो समझौते पर हस्ताक्षर किए। लेकिन 2000 के दशक की शुरुआत में जब इजरायल में विद्रोह की एक श्रृंखला शुरू हुई, तो समझौते टूट गए। 13 अगस्त 2020 को इजराइल-यूएई के बीच शांति समझौते की घोषणा हुई, और उसके प्रकारांतर 11 सितंबर को बहरीन-इजराइल समझौते पर हस्ताक्षर हुए। इन समझौतों में अमेरिका और सऊदी अरब की अहम भूमिका को हम नकार नहीं सकते। मिडिल-इस्ट के ये वो देश हैं, जो अमेरिका के रहमों करम पर चलते रहे हैं।

मिडिल-इस्ट मामलों के जानकारों के अनुसार, सऊदी अरब की सहमति के बगैर बहरीन इस समझौते के लिये आगे नहीं बढ़ सकता था। इसे ध्यान में रखना चाहिए कि वर्ष 2011 में बहरीन में उठे जन-विद्रोह को नियंत्रित करने के लिये सऊदी अरब ने कुवैत और यूएई के साथ अपनी सेना भेजी थी। 2018 में सऊदी अरब ने बहरीन को 10 बिलियन डॉलर की आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई थी। 15 सितंबर 2020 को अब्राहम अकॉर्ड पर हस्ताक्षर हुआ था, जिसमें हस्ताक्षर करने वालों में इज़राइल, संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन थे। यहूदी धर्म और इस्लाम के बीच विश्वास मज़बूत करने के लिए इस समझौते को अब्राहम के नाम पर रखा गया है, क्योंकि दोनों ही एकेश्वरवाद के समर्थक हैं।

इस तरह के समझौते का ही नतीज़ा है कि दो दिन पहले यूएई के अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि युद्ध के बावजूद अमीरात और इजरायलियों के बीच आर्थिक संबंध जारी रहेंगे। अमीरात के विदेश व्यापार राज्य मंत्री थानी बिन अहमद अल जायौदी ने कहा कि कूटनीति और कारोबार का हम मिश्रण नहीं करते। बहरीन और मिस्र भी लगभग इसी लाइन पर दीख रहे हैं। लेकिन इसका साइड इफेक्ट बाहर से यही समझ में आता है कि मुसलमान देश इज़राइल-फिलिस्तीन संघर्ष के सवाल पर ईरान की तरह आर या पार नहीं हैं।

2017 में प्रधानमंत्री मोदी इज़राइल गये थे, तब उनका ग्रैंड स्वागत हुआ था। मोदी और बीबी की दोस्ती परवान चढ़ती गई। यहां तक कि मोदी की सुरक्षा के वास्ते इज़राइल का श्वान दस्ता दिल्ली आया। भारत ने 1950 में इज़राइल को मान्यता दी थी, और 1992 में दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंध स्थापित हुए थे। 2022 में अदानी समूह और एक इजराइली भागीदार ने हाइफा पोर्ट के लिए 1.2 बिलियन डॉलर का टेंडर जीता। कुछ महीनों से भारत-इजराइल मुक्त व्यापार समझौते के लिए भी बातचीत चल रही है। बेशक, भारत के फिलिस्तीन व इजराइल से संबंध जटिल हैं। भारत फिलिस्तीनियों के समर्थन में कभी-कभार अपनी पुरानी लाइन पर वापिस लौट आता है। भारत के साथ ईरान के भी मैत्रीपूर्ण संबंध हैं, लेकिन इस समय ईरान जिस इज़राइल को ललकार रहा है, उस तेवर से भारत का इत्तेफ़ाक रखना भी सहज नहीं है।

मिस्र की भी मोदी से निकटता बढ़ी है, जहां वो जून 2023 में काहिरा गये थे। अमीरात और सऊदी अरब 1 अरब 40 करोड़ आबादी वाले भारतीय बाज़ार की उपेक्षा नहीं कर सकते थे। यूएई-भारत के बीच तेल से अलग कमोडिटीज से संबंधित व्यापार 45 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। मोदी ने पश्चिम की ओर देखो नीति को धार देनी चाही, उसी का नतीज़ा था कि वो सऊदी अरब और यूएई जैसे दिग्गज देशों के क़रीब अपनी नीति को ले आये।

मगर, जो कुछ फिलिस्तीन-इज़राइल में हुआ, उसे शांत करने की पहल में पीएम मोदी पीछे रह गये, इस बात को स्वीकार कर लेना चाहिए। पहले पीएम मोदी ने नेतन्याहू को फोन किया, विदेश मंत्रालय ने इज़राइल के समर्थन में बयान दिया। बाद में फिलिस्तीन के समर्थन की बारी आई, महमूद अब्बास से भी पीएम मोदी ने बात की। यानी, प्रथम ग्रासे दक्षिणपंथी की नीति पर प्रधान सेवक अग्रसर हैं। मगर, हमारी सबसे बड़ी चिंता गाज़ा वाले हिस्से में फंसे भारतीय हैं, जिन्हें निकाल लाने में विदेश मंत्रालय ने विवशता ज़ाहिर कर दी।

विवश हम कूटनीति के मोर्चे पर क्यों हो गये? शनिवार को कैरो में शांति शिखर बैठक है। इस बैठक में फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास, बहरीन के किंग हमद बिन ईसा अल खलीफा, कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख मिसाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा, ग्रीस के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोटाकिस और इतालवी प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी भी भाग लेंगे। फ्रांसीसी विदेश मंत्री कैथरीन कोलोना, यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल ने भी अपनी उपस्थिति की पुष्टि की है। मगर, सवाल है कि ऐसी बैठक में पीएम मोदी की उपस्थिति क्यों नहीं है?

pushpr1@rediffmail.com

इस समय दो-तीन बड़े सवाल हैं। सबसे पहला कि गाज़ा में फंसे बंधकों को बाहर कैसे निकाला जाए, साथ में जो स्थानीय नागरिक हैं, उन्हें आबोदाना और सुरक्षित आशियाना कैसे मुहैया कराया जाए? दो, जो कुछ फिलिस्तीन-इज़राइल के बीच हुआ, उसका डैमेज कंट्रोल कैसे हो? और तीसरा, अब्राहम अकॉर्ड का क्या होगा?

बीता सप्ताह

14 अक्टूबर

- भारत 2023 ग्लोबल हंगल इंडेक्स (जीएचआई) में 125 देशों में से 111वें स्थान पर रहा।
- महाराष्ट्र स्पीकर को विधायकों की अयोग्ता मामले में कोर्ट ने कहा कि कोर्ट के आदेशों की अनदेखी नहीं कर सकते।
- जम्मू कश्मीर के पूंछ जिले में सेना ने एक पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा।
- अफगानिस्तान में आए भूकंप से 17 हजार लोग प्रभावित हुए।

15 अक्टूबर

- इजरायल के युद्धग्रस्त इलाके से 235 भारतीयों को लेकर आई दूसरी उड़ान।
- विश्वकप क्रिकेट मैच में भारत ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराकर 8वीं बार शिकस्त दी।
- केंद्र सरकार ने ऐलान किया कि हर साल 23 अगस्त को मनाया जाएगा राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस।
- दक्षिण कोरिया की राजधानी सोल में सेजोंग हाकडॉग फाउंडेशन ने संस्कृति, खेल व पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से सेजोंग हाकडॉग आऊटस्टेडिग लर्न से इविटेंशनल ट्रेनिंग प्रोग्राम 2023 में भारतीय छात्रा श्रीजा विजेता बनीं।

16 अक्टूबर

- छग कांग्रेस पार्टी ने विधानसभा के प्रत्याशियों की सूची नवरात्रि के पहले जारी की। छत्तीसगढ़ के 30 उम्मीवारों की सूची जारी की।
- युद्धग्रस्त इजरायल से ऑपरेशन अजय के तहत दो उड़ानों के जरिए भारतीय दिल्ली पहुंचे।
- मुंबई-नागपुर लमृद्धि एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 15 यात्रियों की मौत हो गई।
- 16 अक्टूबर से सेना के शीर्ष कमांडर्स की पांच दिवसीय सम्मेलन शुरु हुआ।

17 अक्टूबर

- बहुचर्चित निठारी हत्याकांड के दोषी सुरेन्द्र कोली और मनिंदर सिंह पंढेर को इलाहाबाद के उच्च न्यायलय ने बरी कर दिया।
- सुप्रीम कोर्ट ने एक विवाहित महिला की 26 सप्ताह से अधिक समय के गर्भ को समाप्त करने की याचिका खारिज कर दी।
- राजनीतिक दलों के चुनावी फंडिंग मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि- चुनावी बांड से जुड़ी याचिका पर संविधान पीठ सुनवाई करेगी।
- बिजनेस हस्ती डेनियल नोबोआ इक्वाडोर के नए राष्ट्रपति चुने गए।

18 अक्टूबर

- विधायकों की अयोग्यता मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि- अगर स्पीकर समय सीमा तय नहीं करते तो कोर्ट तय करेगा।
- सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इंकार कर दिया।
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा बालीवुड की प्रसिद्ध अभिनेत्री वहीदा रहमान को दादा साहेब फाल्के पुरस्कार प्रदान किया गया।
- तमिलनाडु के दो फटाका फैक्ट्री में विस्फोट होने से दस लोगों की मौत हो गई।

19 अक्टूबर

- मोदी सरकार पर राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि अडानी समूह ने 32000 करोड़ का घोटाला किया।
- केंद्र सरकार ने रबी फसलों का समर्थन मूल्य बढ़ाया।
- भाजपा सांसद निशिकांत ने टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा पर संसद में पैसे लेकर सवाल पूछने का आरोप लगाया।
- फर्जी डन्म प्रमाण पत्र मामले में समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान को रामपुर की अदालत ने सात साल की सजा सुनाई।

20 अक्टूबर

- छत्तीसगढ़ रायपुर में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि बस्तर के नगरनार इस्पात संयंत्र का निजीकरण नहीं किया जाएगा।
- दो हजार करोड़ शराब घोटाला कांड के आरोपी अनवर ढेबर को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली।
- एडीआर (एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्मस) के विश्लेषण रिपोर्ट के अनुसार मध्यप्रदेश में 186 भाजपा विधायक करोड़पति हैं।
- विजयवाड़ा एसीबी कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की न्यायिक हिरासत की अवधि 1 नवंबर 23 तक बढ़ा दी।

मैंगलोर से इंदौर तक स्त्रियों को बांधने की कोशिश

मध्यप्रदेश की व्यावसायिक राजधानी इंदौर में पिछले दिनों एक अजीब वाक़या हुआ। यहां एक बुजुर्ग को ने एक कैफ़े को आग के हवाले कर दिया। कैफ़े संचालक की शिकायत गिरफ़्तार किये गये इस शख्स ने पुलिस को जो कारण बताया, वह बड़ा ही हास्यास्पद है। उसने कहा कि वह कई दिनों से देख रहा था कि कैफ़े में लड़कियां आती हैं, सिगरेट खरीदती हैं और वहीं खड़े होकर धुआं उड़ाती हैं। यूं खुलेआम लड़कियों के सिगरेट पीने से उसे सख्त ऐतराज़ था और इसी बात के चलते उसने सोचा कि न नौ मन तेल होगा, न राधा नाचेगी। बस फिर उसने कैफ़े में आग लगा दी। इस मामले ने कोई डेढ़ दशक पहले मैंगलोर में हुई उस घटना की याद दिला दी जिसमें हिंदूवादी संगठन श्रीराम सेने के 40 से भी अधिक कार्यकर्ताओं ने एक पब में जबरदस्ती घुसकर वहां मौजूद लड़कियों के साथ बदसलूकी की थी, यहां तक कि उन्हें ज़मीन पर पटक भी दिया था। इस घटना के बाद श्रीराम सेने के मुखिया प्रमोद मुथालिक ने कहा था, 'जिसने भी यह किया है उसने अच्छा काम किया है। लड़कियों का पब में जाना स्वीकार्य नहीं है। इसलिए, सेना के सदस्यों ने जो भी किया वह सही था।'

पलाश सुरजन

मौजूदा वक़्त में धर्म और संस्कृति को लेकर दुराग्रह देश में बढ़ता जा रहा है, उससे लगता है कि देर-सबेर स्त्रियों पर बंधन बढ़ेंगे ही नहीं, वे पहले से ज़्यादा मजबूत भी होंगे और येन केन प्रकारेण उन्हें जायज भी ठहरा दिया जायेगा। लेकिन यह विश्वास किया जा सकता है कि स्त्रियों ने पितृसत्ता की बाधाओं को पार कर थोड़ी-बहुत जो जगह अपने लिये बनाई है, वे उसे यूं ही नहीं जाने देंगीं।

ये दोनों मामले बताते हैं कि पिछले डेढ़ दशक में गंगा से लेकर कावेरी तक में चाहे जितना पानी बह गया हो, स्त्रियों को लेकर भारतीय समाज का रवैया जस का तस है। लगभग हर परिवार ये चाहता है कि उसकी बेटी कल्पना चावला बने लेकिन लक्ष्मण रेखा के भीतर रहकर सीता भी बनी रही। इस अपेक्षा के मुताबिक न चलने पर न जाने कितनी लड़कियों की इज्ज़त की खातिर हत्या कर दी जाती है, जात-बिरादरी से वे बाहर निकाल दी जाती हैं, पैतृक संपत्ति से उन्हें बेदखल कर दिया जाता है और कहीं तो उन्हें मरा हुआ तक घोषित कर दिया जाता है। अंकिता भंडारी जैसे काण्ड समाज की इस धारणा को मजबूती देते हैं कि लड़कियां अगर बाहर हैं और अकेली भी, तो वे सुरक्षित रह ही नहीं सकतीं। लेकिन इसी समाज में वो लोग भी हैं जो बलात्कारियों के समर्थन में जुलूस निकालते हैं, दुष्कर्म के आरोपी नेता के लिए तख्तियां लेकर खड़े हो जाते हैं कि हमारा विधायक निर्दोष है। ऐसी दोहरी सोच वाले समाज को लड़कियों का अकेले रहना, अकेले घूमना-फिरना, अपनी मर्जी से अपना साथी चुनना या फिर अविवाहित रह जाना, पान के ठेले पर खड़े होना या जाम लेकर चियर्स कहना भला कैसे रास आयेगा।

कुल मिलाकर परिवार या खानदान की इज्ज़त लड़की को ही बचाना है और संस्कृति की रक्षा का दारोमदार भी उसी पर है। उसके सिगरेट-शराब पीने से ये सब चीज़ें खतरे में आ जाती हैं और अगर उसने ये सबके सामने कर लिया तो शायद प्रलय ही आ जायेगी। खुलेपन के सारे मज़े लड़के लूटें लेकिन लड़कियों को उनका हिस्सा न मिले - श्रीराम सेने जैसे संगठन से लेकर एक अकेले बुजुर्ग तक ये सुनिश्चित करने के लिये तैयार बैठे हैं। दोपहिया वाहन बनाने वाली एक कंपनी ने लड़कियों को लक्ष्य करते हुए नारा दिया था - व्हाई शुड बॉयज़ हैव ऑल द फ़न यानी लड़के ही सारा मज़ा क्यों लें। इंदौर के बुजुर्ग ने जो किया वह महज एक सनक नहीं है, बल्कि एक मानसिकता है जो कहती है - व्हाई शुड गर्ल्स हैव फ़न एट ऑल ! स्त्रियों पर जैसी बंदिशें अफ़ग़ानिस्तान में तालिबानी हुकूमत ने लगाई हैं या ईरान में जिस तरह अपनी आज़ादी के लिये महसा अमीनी जैसी स्त्रियों को अपनी जान की कुर्बानी देनी पड़ी है, इस मानसिकता के चलते वैसी परिस्थितियां अपने यहां भी बन सकती हैं।

ऐसा इसलिए भी कि मौजूदा वक़्त में धर्म और संस्कृति को लेकर दुराग्रह देश में बढ़ता जा रहा है, उससे लगता है कि देर-सबेर स्त्रियों पर बंधन बढ़ेंगे ही नहीं, वे पहले से ज़्यादा मजबूत भी होंगे और येन केन प्रकारेण उन्हें जायज भी ठहरा दिया जायेगा। लेकिन यह विश्वास किया जा सकता है कि स्त्रियों ने पितृसत्ता की बाधाओं को पार कर थोड़ी-बहुत जो जगह अपने लिये बनाई है, वे उसे यूं ही नहीं जाने देंगीं। इसके लिये फिलहाल एक उदाहरण काफ़ी होगा। श्रीराम सेने के हमले के ख़िलाफ़ महिलाओं के एक समूह ने तब 'पिंक चड्डी अभियान' चलाया था। सर्वथा अनूठे और अहिंसक इस अभियान के तहत देशभर से बड़ी संख्या में महिलाओं के अधोवस्त्र श्रीराम सेने के दफ़्तर को भेजे गये थे। उसके बाद फिर कभी उस घटना का दोहराव देखने-सुनने को नहीं मिला। वैलेंटाइन डे पर लड़के-लड़कियों के साथ पाए जाने पर उनकी शादी करवा देने की धमकी भी श्रीराम सेने को वापस लेनी पड़ी।

भारत में महिला श्रम शक्ति की हालत बताने वाला नोबेल पुरस्कार

इस साल अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार हार्वर्ड विश्वविद्यालय की प्रोफेसर क्लाउडिया गोल्डिन को दिया गया है। वे इस पुरस्कार को जीतने वाली इतिहास की तीसरी महिला हैं और स्वतंत्र रूप से सम्मानित होने वाली पहली हैं। एकल पुरस्कार विजेता के रूप में अर्थशास्त्र का नोबेल पाने वाली पहली महिला होना बहुत खास है। नोबेल प्रशस्ति पत्र में उनके पांच दशकों के काम का वर्णन करते हुए कहा गया है कि यह पुरस्कार 'महिलाओं के श्रम बाजार के परिणामों की हमारी समझ को उन्नत करने के लिए है।' उनके कुछ व्यावहारिक और मूल योगदान अब आम ज्ञान बन गए हैं। ये याद रखने योग्य हैं और जिनकी यहां चर्चा की जा रही है। उनका सबसे महत्वपूर्ण और निश्चित अध्ययन अमेरिकी इतिहास के 200 वर्षों में महिलाओं की श्रम शक्ति भागीदारी और परिणामों का है। अमेरिकी आंकड़ों से निकाले गए उनके कई नतीजे और निष्कर्ष सांस्कृतिक और भौगोलिक मतभेदों के बावजूद भारत सहित अधिकांश अन्य देशों पर लागू होते हैं।

उनमें से कुछ की जांच करें तो सबसे पहले यही ज्ञात होता है कि अर्थव्यवस्था के विकास के रूप में श्रम शक्ति में महिलाओं की भागीदारी का यू-शेप है। आर्थिक विकास के साथ अर्थव्यवस्था कृषि प्रधान से औद्योगिक और अंत में सेवा प्रभुत्व वाली हो गई है। कृषि चरण में महिलाएं अपने पुरुषों के साथ खेतों पर काम करती हैं। औद्योगिकीकरण के साथ कारखानों और असेंबली लाइनों पर काम कम लचीला और अधिक कठिन है जिसके कारण महिलाओं की भागीदारी कम हो जाती है। अधिक आर्थिक प्रगति के साथ सेवा क्षेत्र हावी होता जा रहा है और जहां महिलाएं अधिक संख्या में भाग लेने में सक्षम हैं। यह यू-आकार (यू-शेप) है- प्रारंभिक चरण में उच्च भागीदारी, इसके बाद औद्योगिक चरण के दौरान कम तथा अधिक समृद्धि होने पर फिर से उच्च। अमेरिकी आर्थिक इतिहास की एक लंबी अवधि में यह क्रम देखा गया है। यह पैटर्न उन देशों में भी देखा जाता है जो इस समय विकास के विभिन्न चरणों में हैं। इस प्रकार समय के साथ-साथ दुनिया भर में यह एक पैटर्न है। आश्चर्य नहीं कि अधिकांश अमीर देश, जिनके पास बहुत बड़ा सेवा क्षेत्र है, उनमें उच्च महिला श्रम बल भागीदारी दर (फीमेल लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन रेट-एफएलएफपीआर) भी होती है। स्वीडन जैसे देशों में यह भागीदारी 85 से 90 प्रतिशत तक हो सकती है। इसका मतलब है कि कामकाजी उम्र में उनकी 90 प्रतिशत महिलाएं या तो भुगतान वाले काम में कार्य कर रही हैं या नौकरी की तलाश में हैं। इसके विपरीत भारत में एफएलएफपीआर कम है। कुछ मामलों में यह 20 फीसदी से नीचे है और सभी जी-20 देशों में सबसे कम है। इस पर विवाद रहा है। भारत सरकार द्वारा प्रकाशित 2023 के आर्थिक सर्वेक्षण में एफएलएफपीआर को 27.7 प्रतिशत बताया गया है। लेकिन इसके बारे में अधिक जानकारी बाद में नीचे दी गई है।

महिला भागीदारी के यू-शेप का एक और पहलू पूरी अर्थव्यवस्था के आर्थिक विकास प्रक्षेप वक्र (इकॉनामिक डेवलपमेंट ट्रेजक्टरी) के माध्यम से ही न देखते हुए परिवार की आय और सामाजिक रीति-रिवाजों के लेंस के जरिए से भी देखा जाना चाहिए। बहुत गरीब परिवारों की महिलाएं काम करने के लिए विवश हैं। इसलिए कार्यबल की भागीदारी दर अधिक है। जैसे-जैसे परिवार की आय बढ़ती है, महिलाएं पीछे हट जाती हैं और घर के काम और बच्चों की देखभाल करने लगती हैं। अमीर और बहुत अमीर परिवारों के लिए कार्यबल भागीदारी दर फिर से बढ़ जाती है। यह भी यू-आकार का है लेकिन घरेलू आय के संबंध में है। इस पैटर्न को सामाजिक रीति-रिवाजों द्वारा और अधिक विकृत किया गया है। यदि कोई महिला घर से बाहर वेतन के लिए काम कर रही है तो इसे एक सामाजिक कलंक से जुड़ा माना जाता है। इसका तात्पर्य यह है कि घर का 'आदमी' या तो आलसी है या अपने परिवार के लिए पर्याप्त कमाने में असमर्थ है।

विभिन्न संस्कृतियों में यह धब्बा देखा गया है। इस प्रकार का सामाजिक कलंक भी विशेष रूप से मध्यम आय वाले परिवारों की महिलाओं की भागीदारी को रोक सकता है। यू-आकार को प्रदर्शित करने वाला जो एक अन्य कारक है वह है महिलाओं की शिक्षा। अनपढ़ या कम शिक्षा वाले लोगों के वर्ग में महिलाएं अधिक भागीदारी लेती हैं। अल्प शिक्षा (जैसे मिडिल स्कूल तक) के साथ उनकी भागीदारी दर गिर जाती है। उच्च शिक्षा (कॉलेज या स्नातकोत्तर) के साथ उनकी भागीदारी फिर से बढ़ जाती है। यह भी यू-शेप है। यह क्रम भारतीय आंकड़ों में भी देखा जाता है। यहां यू-आकार के लिए स्पष्टीकरण श्रम के आपूर्ति पक्ष से नहीं है या यह कि मध्यम शिक्षित महिलाएं काम नहीं करना चाहती हैं। यह वास्तव में श्रम की मांग की ओर से है। हाई स्कूल या मिडिल स्कूल तक शिक्षा प्राप्त महिलाओं के लिए पर्याप्त और उपयुक्त नौकरियां नहीं हैं। इसलिए नौकरियों के अभाव में वे श्रम बल से बाहर हो जाती हैं।

भारतीय संदर्भों में इस तरह की टिप्पणी सुनना काफी आम है कि 'मेरी बेटी एक अस्थायी नौकरी कर रही है लेकिन जैसे ही उसकी शादी हो जाएगी, वह नौकरी छोड़ देगी।' ऐसा लगता है जैसे नौकरी, शादी और मातृत्व से पहले की बस एक अस्थायी व्यवस्था है। दरअसल, गोल्डिन और अन्य लोगों के काम ने प्रमाणित किया है कि पुराने समय में किस तरह एक वयस्क महिला की प्रमुख कामकाजी उम्र का लगभग 60 प्रतिशत या तो गर्भवती होने या बच्चे का पालन पोषण कराने में खर्च हो जाता था। हमारे दादा-दादी की पीढ़ी को देखें जिसमें एक दर्जन भाई-बहनों वाले परिवार थे। उनकी माताओं की दुर्दशा की कल्पना करें। परिवार नियोजन, विवाह टालने और गर्भधारण के बीच अंतर के कारण यह सब बदल गया। इसके अलावा कुल प्रजनन दर यानी प्राइम एज महिला से पैदा हुए बच्चों की औसत संख्या में तेजी से गिरावट आई है। गोल्डिन के काम से एफएलएफपीआर को बढ़ाने में गर्भनिरोधक की विशेष भूमिका भी उजागर होती है। उनका काम कार्यस्थल में भेदभाव के खिलाफ और समान वेतन के लिए महिलाओं के संघर्ष को भी कवर करता है। नोबेल पुरस्कार विजेता गोल्डिन के पूरे और समृद्ध काम को एक लेख में वर्णित नहीं किया जा सकता।

डॉ.अजीत रानाडे

विभिन्न संस्कृतियों में यह धब्बा देखा गया है। इस प्रकार का सामाजिक कलंक भी विशेष रूप से मध्यम आय वाले परिवारों की महिलाओं की भागीदारी को रोक सकता है। यू-आकार को प्रदर्शित करने वाला जो एक अन्य कारक है वह है महिलाओं की शिक्षा। अनपढ़ या कम शिक्षा वाले लोगों के वर्ग में महिलाएं अधिक भागीदारी लेती हैं। अल्प शिक्षा (जैसे मिडिल स्कूल तक) के साथ उनकी भागीदारी दर गिर जाती है।

गोल्डिन को मिला नोबेल पुरस्कार भारत के लिए इससे अधिक समयानुकूल और प्रासंगिक नहीं हो सकता था। भारत में दो दशकों से एफएलएफपीआर लगातार गिर रहा है हालांकि हाल ही में इसमें कुछ वृद्धि हुई है। 2023 का आर्थिक सर्वेक्षण भी देश भर के उन 12 मिलियन स्वयं सहायता समूहों की मूक क्रांति का दस्तावेजीकरण करता है जो लगभग पूरी तरह से महिलाओं द्वारा चलाए जाते हैं। संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के आरक्षण के लिए हाल ही में लाया गया कानून भी बहुत जल्द नहीं आया है। सरकार के तीसरे स्तर में आरक्षण को धन्यवाद दिया जाना चाहिए जिसके कारण अधिकांश राज्यों में गांव, शहर और नगर परिषदों और निगमों में सभी निर्वाचित व्यक्तियों में से आधी महिलाएं हैं।

कई कंपनियां महिलाओं को उनकी पहली या दूसरी गर्भावस्था यानी मिड कैरियर के बाद फिर से भर्ती करने की कोशिश करने में सक्रिय हैं। दो कमियां दिखाई देती हैं जिन्हें भारत सरकार को तत्काल भरना चाहिए। पहला पुरुष और महिला श्रम भागीदारी दर (आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार 56 और 28 फीसदी) के बीच का अंतर है और दूसरा एक ही काम के लिए पुरुष और महिला कर्मचारियों के बीच का वेतन अंतर है। यदि इन दोनों अंतरों को समाप्त कर दिया जाता है तो भारत के सकल घरेलू उत्पाद में काफी वृद्धि हो सकती है। गोल्डिन को मिले पुरस्कार के कारण ये मुद्दे फिर फोकस में आ गए हैं।

(लेखक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री हैं। सिंडिकेट : दी बिलियन प्रेस)

देशबन्धु
संस्कारधानी
5 बिलासपुर

शनिवार 21 अक्टूबर 2023

उल्टा पुल्टा

रोजी अपने ब्वॉयफ्रेंड को अपनी मम्मी से मिलवाने ले गई
दूसरे दिन...
रोजी- मेरी मम्मी को तुम बहुत पसंद आए।
ब्वॉयफ्रेंड - चल पगली, कुछ भी हो, मैं शादी तो तुमसे ही करूंगा, मम्मी से बोलना मुझे भूल जाएं।

सेक्टर अधिकारी निर्वाचन की महत्वपूर्ण कड़ी - कलेक्टर

कलेक्टर ने बताया सेक्टर आफिसर को है मजिस्ट्रेट का पावर, प्रशिक्षण में दिए महत्वपूर्ण टिप्स

बिलासपुर, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रार्थना भवन में सेक्टर अधिकारियों, उड़नदस्ता एवं स्थैतिक निगरानी दल के लिए आयोजित प्रशिक्षण में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अवनीश शरण शामिल हुए। उन्होंने प्रशिक्षण में कहा कि सेक्टर अधिकारी निर्वाचन की महत्वपूर्ण कड़ी है। सेक्टर ऑफिसर की हैसियत सेक्टर मजिस्ट्रेट की तरह होती है। कलेक्टर ने प्रशिक्षण में मौजूद लोगों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी गंभीरता से करने कहा। कलेक्टर ने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव कराना हमारा उद्देश्य है। चुनाव संबंधी हर प्रकार के कामकाज के लिए चुनाव आयोग के निर्देश बहुत ही स्पष्ट एवं पारदर्शी है। चुनाव आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों को अच्छी तरह से पढ़कर आत्मसात कर लें। जिले में विधानसभा चुनाव के लिए 153 सेक्टर अधिकारी की ड्यूटी लगाई गई है। प्रशिक्षण में नगर निगम कमिश्नर श्री कुणाल दुदावत भी मौजूद थे।

कलेक्टर ने प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षार्थियों की क्लास भी ली। प्रशिक्षण से संबंधित सवाल पूछे और उनकी जिज्ञासाओं को भी शांत किया। कलेक्टर ने बताया कि मतदान पूर्व दिवस की तैयारी में मतदान दलों को सामग्री सहित मतदान केंद्रों में सुरक्षित पहुंचाना, किसी भी प्रकार की शंका होने पर समाधान करना तथा कंट्रोल रूम को रिपोर्ट करने का दायित्व सेक्टर अधिकारी का है। सेक्टर ऑफिसर अपने पास रिजर्व मतदान सामग्री एवं कार्मिक रखेंगे, जिससे आवश्यकता वाले केंद्रों में पूर्ति की जा सके। सेक्टर अधिकारी कंट्रोल रूम को हर दो-दो घंटे में वोटिंग पर्सेंटेज की जानकारी देंगे। उन्होंने एफएसटी एवं एसएसटी टीम को भी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी सजगता से करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आपको पूरी शक्तियां दी गई है। हर एक चेक पोस्ट से गुजरने वाले वाहनों की जांच पूरी सतर्कता एवं मुस्तैदी से करें। उन्होंने कहा कि दोनों टीम आपसी सामंजस्य के साथ कार्य करें। कोई भी शिकायत प्राप्त होने पर एवं किसी भी माध्यम से सूचना मिलने पर तत्काल मौके पर पहुंचे। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर एमटी आलम द्वारा इलेक्शन मैनेजमेंट, लॉ एंड आर्डर, ईव्हीएम की फंक्शनिंग एवं चुनाव से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी गई। सेक्टर अधिकारियों से कहा गया कि वे सभी घटकों जैसे मतदान अधिकारी, नजदीकी पुलिस थाना, कंट्रोल रूम, रिटर्निंग ऑफिसर, बीएलओ इत्यादि का मोबाईल नंबर नोट करके रखें। सेक्टर ऑफिसर के वाहन में लगे जीपीएस के माध्यम से उनके वाहन की निगरानी रखी जाएगी।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के 15 वें जज के रुप में रविंद्र अग्रवाल ने ली शपथ

बिलासपुर, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने नवनियुक्त जज रविंद्र अग्रवाल को शपथ दिलाई। नवनियुक्त जस्टिस अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के 15 वें जज के रूप में शपथ ली।इस अवसर पर हाई कोर्ट के जज,रजिस्ट्रार जनरल कार्यालय के विधि अधिकारी व अधिवक्ताओं की उपस्थिति रही।केंद्र सरकार द्वारा अतिरिक्त जज के रूप में नियुक्ति की अधिसूचना जारी करने के साथ ही गुरुवार को हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल ने शपथ के लिए अधिसूचना जारी कर दी थी। अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में सीजेआइ डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस एसके कौल और जस्टिस संजीव खन्ना कीअगुवाई वाले सुप्रीम कोर्ट कालेजियम ने छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति के लिए अधिवक्ता रविंद्र अग्रवाल के नाम की सिफारिश की थी। तीन फरवरी 2023 को छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने अपने दो वरिष्ठतम सहयोगियों के परामर्श से अधिवक्ता रविंद्र कुमार अग्रवाल को छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में नामित करने की सिफारिश की है। चीफ जस्टिस की अनुशंसा पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री व राज्यपाल ने अपनी सहमति जताई है। कालेजियम ने आगे लिखा है कि छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में नियुक्ति के लिए उपरोक्त उम्मीदवार की उपयुक्तता सुनिश्चित करने के लिए, हमने छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के मामलों से परिचित अपने सहयोगी से परामर्श किया है। एकमात्र परामर्शदाता-न्यायाधीश ने उम्मीदवार को हाई कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति के लिए उपयुक्त पाया है। कालेजियम ने फ़ाइल में भारत सरकार द्वारा रखे गए इनपुट पर विधिवत विचार किया है। सरकार ने उम्मीदवार से संबंधित कुछ शिकायतें चिह्नित की हैं, जिन्हें फाइल में रखा गया है। फ़ाइल में अधिकारी की सत्यनिष्ठा या प्रतिष्ठा पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ा है। परामर्शदाता-न्यायाधीश की राय को ध्यान में रखते हुए, कालेजियम का मानना है कि रवींद्र कुमार अग्रवाल हाई कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति के लिए उपयुक्त हैं। भाटापारा में जन्म,1993 से कर रहे वकालत अधिवक्ता रविंद्र अग्रवाल का जन्म भाटापारा में हुआ है। राजनादगांव से उन्होंने एलएलबी की डिग्री हासिल की। वर्ष 1993 में बिलासपुर आ गए। जिला न्यायालय में वकालत करने लगे।

सार-संक्षेप

सप्तमी पर सभी प्रकार के भारी वाहन रतनपुर मार्ग पर प्रतिबंध

बिलासपुर, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। पुलिस अधीक्षक बिलासपुर संतोष सिंह के दिशा-निर्देश पर नवरात्र पर्व के दौरान सुगम व सुरक्षित यातायात व्यवस्था के संचालन संबंधी निर्देश ट्रैफिक पुलिस बिलासपुर को दिए गए हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए उप पुलिस अधीक्षक यातायात संजय साहू ने बताया कि नवरात्र पर्व के सप्तमी दिवस के अवसर को देखते हुए, बड़ी संख्या में पुलिस तथा यातायात का बल सुगम एवं सुरक्षित मार्ग हेतु लगाया गया है।इस अवसर पर दिनांक 21 को संध्या 4 बजे से सभी प्रकार के भारी वाहन ट्रक,ट्रेलर हाईवे,कैप्सूल,एक्सेल एवं मल्टी एक्सल वाहन का रतनपुर की ओर सभी दिशाओं में प्रवेश को प्रतिबंधित किया जाएगा।इसी प्रकार कर दो पहिया वाहन इस मार्ग पर अपनी-अपनी दिशाओं में नियंत्रित गति से परिवहन कर सकेंगे इस दौरान यातायात एवं मार्ग व्यवस्था निम्न अनुसार होगा ।

परिवर्तित मार्ग,समय

कोरबा से जाली मोड़ से सीपत एवं मोपका, गुरु नानक चौक मोड़ से बिलासपुर सिरगिट्टी बाईपास से रायपुर की ओर जाने वाली उपरोक्त मार्ग का दोनों दिशाओं के लिए उपयोग कर सकेंगे, सप्तमी ड्यूटी के दौरान मार्ग प्रतिबंध होने का समय कल दोपहर 4 से 22 के प्रात: 9:00 बजे तक (पदयात्रा समाप्ति तक) सभी प्रकार के भारी वाहनों का रतनपुर दिशा की ओर प्रतिबंधित होगा।

भारी वाहन एवं स्थान जहां वाहन रोक जाएंगे

सप्तमी ड्यूटी दिवस के अवसर पर भारी वाहन जैसे सभी प्रकार के माल वाहक,मेटाडोर, ट्रैक्टर आयशर, ट्रक, तेल टैंकर, हाईवे टेलर,एक्सेल, मल्टी एक्सल वाहनों को रतनपुर मार्ग की ओर जाने से रोका जाएगा जिसमें ग्राम कर्रा से रतनपुर की ओर तुरकाड़ीह बाईपास से रतनपुर बिलासपुर की ओर सिंदरी बाईपास मोपका दिशा की ओर गौरेला रोड रतनपुर दिशा की ओर सिल्ली मोड रतनपुर की ओर पांचवा कोटा से रतनपुर रोड सेंदरी मोपका बाईपास रतनपुर एवं बिलासपुर की ओर गतोरी मोड से रतनपुर बिलासपुर की ओर चिल्हाटी मोड आगे रतनपुर की ओर परिवहन पर रोक लगाया जाएगा।

पार्किंग व्यवस्था

मंदिर के मुख्य मार्ग से बाई तरफ हेलीपैड मैदान पर वाहनों की पार्किंग सुनिश्चित की गई है, जो की कोटा मोड़ (मवेशी बाजार मोड) से होते हुए दाहिनी तरफ के मार्ग से जायेगा। भारी वाहन एवं स्थान जहां वाहन रोक जाएंगे, इन सभी प्वाइंटों पर यातायात के अधिकारी एवं जवान तथा थाना से सहायतार्थ बल की तैनाती की जाएगी। इसी प्रकार बिलासपुर से रतनपुर मार्ग में निरंतर पेट्रोलियम पार्टी एवं कोनी थाना एवं रतनपुर थाना की पेट्रोलिंग पार्टी के साथ ही साथ यातायात हाईवे पेट्रोलिंग पार्टी नियमित रूप से गस्त करेगी।किसी प्रकार के संदिग्ध व्यक्ति या वस्तुओं के देखे जाने पर सीधे पुलिस नियंत्रण कक्ष के दूरभाष क्रमांक 100 एवं 07752- 225961 या 22 8504 पर सूचना देकर पुलिस सहायता प्राप्त करें।

जरुरतमंद को दी ट्रायसाइकिल

बिलासपुर, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। शांता फाउंडेशन बिलासपुर नवरात्रि के 9 दिन विशेष सामाजिक कार्यक्रम करने का उद्देश्य बनाया गया है। जिसमें नवरात्रि के छठवें दिवस न्यायधानी बिलासपुर के समीप ग्राम-सेमरताल में शांता फाउंडेशन की पहल से श्रीमती किरण सिंह के सौजन्य में सुचिता सूर्यवंशी को ट्रायसाइकिल प्रदान किया गया। शांता फाउंडेशन के संस्थापक समाजसेवी नीरज गेमनानी का का कहना है कि हमारी संस्था का दृष्टिकोण ग्रामीण क्षेत्र में जरूरतमंद व्यक्तियों को अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच प्रदान करके उनके सामाजिक विकास को सुविधाजनक बनाना है। इसी क्रम में नवरात्रि के छठवें दिवस के शुभ अवसर पर शारीरिक रूप से अस्वस्थ बहन को ट्राइसाइकिल भेंट किये है। तिपहिया साइकिल उनके लिए बहुत उपयोगी है और परिवहन के साधन के रूप में मदद करती है।इस दौरान चंचल सलूजा उपस्थित रहे।

मंत्री कोटे से रेलवे में नौकरी दिलाने का झांसा देकर छह लाख की धोखाधड़ी

बिलासपुर, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। सरकंडा क्षेत्र में रहने वाले युवक को मंत्री कोटे से रेलवे में नौकरी दिलाने का झांसा देकर छह लाख 20 हजार की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़ित ने इसकी शिकायत सरकंडा थाने में की है।

इस पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर मामले को जांच में लिया है।सकरी क्षेत्र के अमेरी में रहने वाले हरिशंकर टंडन(35) ने धोखाधड़ी की शिकायत की है। उन्होंने बताया कि पांच साल पहले वे सरकंडा क्षेत्र के त्रिवेणी नगर में किराए पर रहते थे। इसी दौरान उनके दोस्त अखिलेश चौहान ने जरहाभाठा में रहने वाले आशीष दास से परिचय कराया। आशीष ने बताया कि वह रेलवे में टीसी के पद पर काम करता है। उसकी पहचान कोलकाता के रेलवे अधिकारियों से है। उसकी नौकरी मंत्री कोटे से लगी है। उसने हरिशंकर की नौकरी मंत्री कोटे से रेलवे में नौकरी लगवाने की बात कही।इसके लिए सात लाख 50 हजार रुपये लगने की बात कही। उसने मेडिकल और अन्य प्रक्रिया के दौरान किश्तों में रुपये देने के लिए हरिशंकर को राजी कर लिया। बाद में उसने फर्जी ज्वाइनिंग लेटर देकर हरिशंकर को मेडिकल के लिए कोलकाता बुलाया। यहां पर अस्पताल के बाहर ब्लड सेंपल लेकर उसे भेज दिया गया। इसके बाद भी नौकरी नहीं लगने पर हरिशंकर ने अपने रुपये वापस मांगे। रुपये वापस नहीं मिलने पर पीड़ित ने पूरे मामले की शिकायत सरकंडा थाने में की है। इस पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर मामले को जांच में लिया है।

कांग्रेस भवन में आज बैठक

बिलासपुर, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। 21 अक्टूबर को दोपहर 2.00 ,बजे कांग्रेस भवन में बिलासपुर विधानसभा की आवश्यक बैठक आहूत की गई है , बैठक ने बिलासपुर विधानसभा की तैयारी को लेकर चर्चा की जाएगी।अत: सभी निर्वाचित जन प्रतिनिधिगण, प्रदेश पदाधिकारी ,विधायक, निगम ,मण्डल, बोर्ड, आयोग के सभी पदाधिकारीगण, अपैक्स बैंक ,सहकारी बैंक के अध्यक्षगण, महापौर, ज़िला पंचायत अध्यक्ष, सभापति, अरपा बेसिनप्राधिकरण के पदाधिकारी,मंडी ,पूर्व सांसद, पूर्व विधायक,सांसद प्रत्याशी, पार्षद गण, एमआईसी सदस्य, एल्डरमेन, शहर कार्यकारिणी ,सभी ब्लाक कांग्रेस कमेटी , महिला कांग्रेस,सेवादल, ज़ोन अध्यक्षगण,सेक्टर अध्यक्ष, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, सहित सभी मोर्चा,विभाग,प्रकोष्ठ, के पदाधिकारी शामिल होंगे।

बिलासपुर संभाग के 280 खिलाड़ी दिखाएंगे दम 23वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता

बिलासपुर, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। रायपुर में आयोजित 23वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए बिलासपुर संभाग की टीम गुरुवार को रवाना हुई। टीम के प्रबंधक अख्तर खान ने बताया कि यह प्रतियोगिता 20 से 23 अक्टूबर तक आयोजित होगी। इसमें बिलासपुर संभाग से 280 खिलाड़ी व 34 कोच और मैनेजर शामिल हो रहे हैं।

टीम रवाना होने से पहले संभागीय कार्यालय से सहायक संचालक क्रीड़ा घनश्याम दास गर्ग ने सभी खिलाड़ियों को अच्छे से खेलने के लिए प्रेरित किया और बिलासपुर संभाग के लिए ज्यादा से ज्यादा पदक लाने के लिए कहा। इस दौरान वरिष्ठ व्यायाम शिक्षक साजिद खान, धनीराम यादव, शाबना खान, आनंद सिंह, तूलिका सिंह, कृष्ण पटेल, गीता यादव, रूपेंद्र सिंह, बलवंत झा, लखन देवांगन, संदीप गाहिरे मौजूद थे।मालूम हो कि इस प्रतियोगिता में बास्केटबाल 14 वर्ष बालक-बालिका, हाकी 14 वर्ष बालक-बालिका, रोलर स्केटिंग 11, 14, 17, 19 वर्ष बालक-बालिका, वेट लिफ्टिंग 17 व 19 वर्ष बालक-बालिका, स्क्वैश 14,17,19 वर्ष बालक-बालिका, साइक्लिंग 14,17 व 19 वर्ष बालक-बालिका, साफ्ट टेनिस 14, 17 व 19 वर्ष बालक-बालिका, बाक्सिंग 17 व 19 वर्ष बालिका वर्ग में मुकाबला होगा। संभाग की टीम पूरी तैयारी के साथ मैदान पर पदक जीतने के लिए उतरेगी।

विवाह डॉट कॉम पर मुलाकात कर शादी व अस्पताल खोलने का झांसा देकर धोखाधड़ी करने वाले अंतराज्जीय गिरोह का पर्दाफाश

बिलासपुर, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। विवाह डॉट कॉम के जरिए शादी का एवं हास्पिटल खोलने का झांसा देकर लोगों से ठगी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह को पकड़ने में बिलासपुर पुलिस ने सफलता प्राप्त की है।

पुलिस ने बताया कि प्रार्थिया कविता विश्वकर्मा निवासी अमेरी उस्लापुर थाना सकरी जिला बिलासपुर (छ.ग.) ने थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराई की दिनांक 06 अगस्त 2023 को मोबाईल धारक 447833885923 के द्वारा मैसेज कर जान पहचान बढाकर बिलासपुर में अस्पताल खोलने का झांसा देकर प्रार्थीया से दिनॉक 09 अगस्त से 26 अगस्त के मध्य कुल राशि 20,18,550/- रूपये को अलग-अलग बैंक खातों में स्थानातरित कराकर प्रार्थीया के साथ छल एवं धोखाधड़ी कर ठगी करने के लिखित रिपोर्ट पर उपरोक्त धारा सदर का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।प्रकरण सदर के अनुसंधान दौरान अजय यादव पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेन्ज बिलासपुर, संतोष सिंह पुलिस अधीक्षक बिलासपुर के मार्गदर्शन में संदीप पटेल पर्यवेक्षण अधिकारी रेन्ज सायबर थाना जिला बिलासपुर(छ.ग.) द्वारा टीम को आवशयक निर्देश देकर टीम गठित की गई, रेंज सायबर थाना एवं सायबर सेल बिलासपुर की संयुक्त टीम द्वारा सभी पहलुओ पर जांच के बाद संलिप्त बैंक खातो की जानकारी जुटाकर संदिग्ध व्यक्तियो की जानकारी एकत्र की गई जो प्रकरण के आरोपी द्वारका दिल्ली से संबंधीत पाये जाने से 02 टीम तैयार कर दिल्ली रवाना किया गया था जो दिल्ली में रात दिन अथक परिश्रम, लगन एवं मेहनत से सुझबुझ का परिचय देते हुये करीब 01 सप्ताह तक टीम द्वारा साक्ष्य एकत्र कर प्रकरण के संबंधीत व्यक्तियो की पहचान की गई एवं मामले मे 03 आरोपी जिसमें 02 महिला आरोपी एवं 01 अन्य आरोपी रवि गौतम जिसने अपने सहयोगी के साथ मिलकर स्वयं को कस्टम अधिकारी बताकर प्रार्थीया से विभिन्न बैंक खातो में पैसा मंगाकर प्रार्थीया के साथ धोखाधडी किया था जिसे गिरफ्तार करने में पुलिस को सफलता मिली है।

आरोपीयो के कब्जे से 10 हजार रू नगदी रकम, 01 नग लैपटॉप, 05 नग एन्ड्रायड मोबाईल फोन, 06 नग एक्टिव सिम, 05 बैंक खातो का पासबुक, 05 नग ए.टी.एम. कार्ड आदि बरामद किया गया। साथ ही प्रकरण से संबंधीत संलिप्त बैंक खातो में करीब 30 लाख रू होल्ड कराया गया है जिससे न्यायायिक आदेश बाद अग्रिम कार्यवाही की जावेगी। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश करने हेतु माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट महोदय द्वारिका दिल्ली से आज तक ट्रांजिट रिमांड प्राप्त किया गया है, प्रकरण के अन्य आरोपीयों की पतासाजी हेतु टीम दीगर प्रांत में कैम्प किये हुए हैं।इसी प्रकार प्रार्थी जार्ज मिंज के साथ घटित धोखाधडी के प्रकरण में दर्ज अपराध क्रमांक 07/23 के मामले से संबंधीत एक अन्य आरोपी सलमान खान निवासी आगरा (उ.प्र.) को घटना के बाद हरियाणा पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया जा चुका है जो जेल में निरूद्ध है उपरोक्त आरेपी के बैंक खाते में इस इकाई द्वारा करीब 20 लाख रू होल्ड है। आरोपी गिरफ्तारी एवं बैंक में होल्ड रकम के संबंध में न्यायिक आदेष प्राप्त कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जाती है।

विवेकानंद उद्यान में नागरिकों ने सेहत के साथ-साथ शत प्रतिशत मतदान का लिया संकल्प

बिलासपुर, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। शहर के विवेकानंद उद्यान में आज सुबह सैर और योगा करने आए नागरिकों ने सेहत के साथ-साथ लोकतंत्र के महापर्व में भागीदार बनने का संकल्प लिया। लोगों ने न केवल स्वयं अपने मताधिकार का प्रयोग अपितु अपने आसपास के लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करने का जिम्मा लिया। जिला प्रशासन द्वारा लोगों को मतदान के लिए जागरूक करने के लगातार स्वीप गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इसी कड़ी में आज सवेरे 7 बजे विवेकानंद उद्यान में सुबह का आगाज स्वीप के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मौजूद वृद्ध, युवा, महिलाओं ने जिला पंचायत सीईओ एवं स्वीप के नोडल अधिकारी अजय अग्रवाल के साथ मिलकर शत प्रतिशत मतदान बिलासपुर का अभिमान का संकल्प दोहराया तथा स्वयं के आसपास के लोगों को मतदान हेतु प्रेरित करने की शपथ ली। इस आयोजन में लाफ्टर एवं योगा क्लब के सदस्यों ने शामिल होकर हंसो और हंसाओं का भी संदेश दिया। स्वीप पर आधारित क्रीज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें नागरिकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। सही उत्तर देने वाले लोगों को पुरस्कृत किया गया तथा स्वीप का प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया।

स्वीप कार्यक्रम के तहत औद्योगिक क्षेत्र तिफरा के औद्योगिक केंद्र ब्लैक डायमण्ड मोटर्स प्राईवेट लिमिटेड में कार्यरत सभी कर्मचारियों ने अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ ली।

शहर के महत्वपूर्ण मार्गो में निकाली गई मतदाता जागरूकता रैली

आज बिलासपुर लखीराम ऑडिटोरियम में पुलिसकर्मी, फॉरेस्ट गार्ड और होमगार्ड के जवानों का पुलिस अधिकारियों द्वारा निर्वाचन संबंधित ट्रेनिंग संपन्न हुआ। जिला निर्वाचन कार्यालय के मास्टर ट्रेनर श्री आलम के द्वारा आदर्श आचार संहिता एवं पुलिस के कर्तव्यों के संबंध में अवगत कराया गया. अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, श्रीमती अर्चना झा के द्वारा ड्यूटी के दौरान रखी जाने वाली सावधानियां ,क्या करें, क्या न करें के बारे में जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक जिला बिलासपुर, संतोष सिंह ने सभी प्रशिक्षकों के मनोबल को बढ़ाते हुए बेहतर ड्यूटी करने हेतु प्रेरित किया। स्वीप के नोडल अधिकारी सीईओ जिला पंचायत अजय अग्रवाल ने निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न कराने की शपथ दिलाई।उक्त कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर राजेंद्र जायसवाल , उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय उदयन बेहार, डीएसपी लाइन श्रीमती मंजुलता केरकेट्टा भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम पश्चात प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित समस्त अधिकारी कर्मचारियों द्वारा लखीराम सभागार से शहर के महत्वपूर्ण मार्गो में पैदल मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई, एवं शहर के नागरिकों को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान करने हेतु प्रेरित किया गया।

मतदाता जागरूकता-मितानिन दीदियों ने ली मतदाता शपथ

जिला प्रशासन द्वारा शत प्रतिशत मतदान के उद्देश्य को पूरा करने के लिए विभिन्न गतिविधियों के तहत स्वीप कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में नगर पंचायत बोदरी में स्वास्थ्य विभाग द्वारा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं स्वीप के नोडल अधिकारी अजय अग्रवाल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश शुक्ला मौजूद थे। कार्यक्रम में स्कूल एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा पोस्टर एवं आकर्षक रंगोली बनाई गई। स्वास्थ्य विभाग की कार्यकर्ता, मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को अपने मताधिकार का शत-प्रतिशत प्रयोग करने की शपथ भी दिलाई गई। सांस्कृतिक दल द्वारा मतदाता जागरुकता के संबंध में सुंदर प्रस्तुति दी गई।

रामपुर की तरह कटघोरा में बजा बगावत का बिगुल, निर्दलीय लड़ाने की तैयारी

कांग्रेस के प्रत्याशी पुरुषोत्तम को लेकर कायम है नाराजगी

कोरबा, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। कोरबा जिले के तीन विधानसभा सीटों के लिए दूसरी सूची में प्रत्याशियों के नाम घोषित होने के बाद से विरोध के स्वर गूंजने लगे हैं। इसकी शुरुआत रामपुर विधानसभा क्षेत्र से हुई जहां फूलसिंह राठिया को प्रत्याशी बनाये जाने के साथ ही पूर्व विधायक श्यामलाल कंवर और उनके समर्थकों ने अपनी नाराजगी जाहिर कर दी। रामपुर की राजनीति में दखल रखने वाले रज्जाक अली ने भी फूलसिंह राठिया का विरोध किया है। रामपुर में बगावत की आग अभी सुलग रही है कि कटघोरा विधानसभा में प्रत्याशी पुरुषोत्तम कंवर की भी खिलाफत शुरू हो गई है। कटघोरा विधानसभा में इस बार पिछड़ा वर्ग अथवा सामान्य वर्ग से प्रत्याशी की मांग कांग्रेस संगठन के पदाधिकारियों से लगातार की जाती रही और इस संबंध में पत्राचार भी हुआ लेकिन मांगों को दरकिनार कर फिर से विधायक पुरु षोत्तम कंवर को टिकट दे दी गई।

इसकी घोषणा होते ही सोशल मीडिया में बगावत के स्वर गूंजने लगे, क्षेत्रवासियों ने खिलाफत में मोर्चा खोला है। इस कड़ी में आज गेवरा बस्ती में क्षेत्र के लगभग 500 लोगों ने एकत्र होकर पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष अजय जायसवाल के कार्यालय बैठक किया और निर्णय लिया है कि आने वाले दिनों में जल्द ही कटघोरा विधानसभा से स्वतंत्र निर्दलीय प्रत्याशी को चुनाव मैदान में उतारा जाएगा। इसके लिए अजय जायसवाल के नाम को क्षेत्रवासियों ने पुरजोर तरीके से प्रस्तावित किया है।

गेवरा बस्ती में बैठक के बाद रैली की शक्ल में आसपास नारेबाजी करते हुए भ्रमण भी किया गया। यह बताने की कोशिश हुई है कि कांग्रेस प्रत्याशी के विरुद्ध माहौल है और क्षेत्र की जनता के रुझान अनुसार प्रत्याशी घोषित न कर मनमाने अथवा दबावपूर्ण लिए गए निर्णय का खामियाजा विपरीत परिणाम के रूप में नजर आएगा।

भू-विस्थापितों का है ज्वलंत मुद्दा

कटघोरा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत एसईसीएल की कुसमुंडा, गेवरा, दीपका परियोजना खदान सहित अन्य उपक्रम हैं। इनसे प्रभावित होकर भूमिहीन तथा बेरोजगार हुए भू-विस्थापितों के द्वारा अपने नौकरी, मुआवजा, रोजगार, बसाहट सहित मूलभूत सुविधाओं सडक़, बिजली, पानी के लिए आंदोलन का रास्ता बार-बार अपनाया जा रहा है। कटघोरा विधानसभा क्षेत्र में पिछले 4 वर्षों से भरपूर संसाधन होने के बावजूद विकास अपेक्षाकृत नहीं हुआ है। शिक्षा, चिकित्सा, सडक़ के मामले में घोर अनदेखी हुई हे। भू-विस्थापितों की समस्याओं का समाधान के लिए मौजूदा विधायक के द्वारा किसी भी तरह का कार्य नहीं करने का आरोप बैठक में उपस्थित लोगों ने लगाया है और इन सभी मुद्दों पर विरोध हो रहा है।

सार-संक्षेप

माकपा से चुनाव लड़ेंगे जवाहर सिंह, पार्टी ने कटघोरा में उतारा

कोरबा, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने कटघोरा विधानसभा क्षेत्र से जवाहर सिंह कंवर को अपना प्रत्याशी घोषित किया है। पार्टी के जिला कार्यालय बांकी मोंगरा में समर्थकों की बैठक में जिला सचिव प्रशांत झा ने उनके नाम की घोषणा की। बैठक में पार्टी और सीटू के नेता वीएम मनोहर, एसएन बैनर्जी, नंदलाल कंवर, दीपक साहू, देवकुंवर कंवर भी उपस्थित थे। माकपा राज्य सचिव ने पहले ही जवाहर सिंह के नाम का अनुमोदन कर दिया था।

जारी बयान में झा ने कहा है कि कांग्रेस-भाजपा के संपन्न करोड़पतियों के मुकाबले माकपा ने एक गरीब भूविस्थापित और संघर्षों के अगुआ आदिवासी नेता को मैदान में उतारा है। जवाहर सिंह कंवर माकपा जिला सचिव मंडल के सदस्य हैं और पिछले तीन वर्षों से छत्तीसगढ़ किसान सभा के जिला अध्यक्ष हैं। जवाहर कंवर की पत्नी राजकुमारी कंवर नगर निगम में माकपा से पार्षद हैं। जवाहर सिंह भू-विस्थापितों के पुनर्वास रोजगार के साथ बसाहट भूमि के पट्टे, पूर्व में अधिग्रहित जमीन किसानों को वापस करने और बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कांग्रेस-भाजपा की कॉरपोरेटपरस्त नीतियों के विकल्प के रूप में माकपा पूरी दमदारी से चुनाव लडेगी और कोरबा नगर निगम की तरह पहली बार छत्तीसगढ़ विधानसभा में भी वामपंथ का प्रवेश तय है। बैठक में कुसमुंडा, गेवरा, दीपका खदान से प्रभावित भू विस्थापितों के साथ निगम क्षेत्र के कार्यकर्ता और मजदूर बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

साथ मिलकर लड़ेंगे चुनाव- हरिद्वार: चुनाव के सिलसिले में एटक के केन्द्रीय पदाधिकारी हरिद्वार सिंह ने एक कार्यक्रम में यूनियन की मजबूती पर अपने विचार व्यकत किये। राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव के बारे में कहा कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के प्रत्याशी सुनील सिंह कोरबा विधानसभा से एक युवा प्रत्याशी हैं एवं कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी कटघोरा विधानसभा के प्रत्याशी जवाहर सिंह कंवर हैं। सीपीआई, सीपीएम दोनों पार्टी एक साथ मिलकर चुनाव लड़ रही हैं और एसकेएमएस एटक उनके साथ है।

नेशनल हाईवे पर सडक़ हादसा, एक की मौत

कोरबा-कटघोरा, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। कटघोरा-अंबिकापुर नेशनल हाईवे क्रमांक-130 पर तेज़ रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को टक्कर मार दिया। हादसे में बाइक सवार एक व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई वहीं एक महिला सहित दो लोगों को भी चोटें आई हैं। बाइक सवार तीनों लोग ग्राम गुरसियां के निवासी बताए गए हैं। हादसे की सूचना उपरांत मौके पर डायल-112 और स्थानीय पुलिस पहुंची। मौके पर आसपास के रहवासियों की काफी भीड़ एकत्र हो गई थी, जिनके द्वारा घटना को लेकर नाराजगी जाहिर की गई। मृतक और घायलों के परिजन दौड़े-भागे अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही बाद शव परिजनों के सुपुर्द किया है वहीं घायलों का उपचार जारी है।

राजनैतिक दलों के समक्ष हुआ ईवीएम एवं वीवी पैट का रेण्डमाईजेशन

कोरबा, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशानुसार विधानसभा निर्वाचन 2023 हेतु जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ कुमार और रिटर्निंग अधिकारियों की उपस्थिति में जिले के चारों विधानसभा के लिए राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के समक्ष ईवीएम एवं वीवी पैट मशीनों का ईएमएस 2.0 पोर्टल के माध्यम से प्रथम रेण्डमाइजेशन किया गया। रेण्डमाइजेशन के पश्चात फाईनालाइज्ड किए गये ईवीएम बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट, वीवी पैट मशीन में उल्लेख आईडी नंबर सहित सूची राजनैतिक दल के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई गई। रेण्डमाइजेशन वाली मशीन आईटी कालेज झगरहा के स्ट्रांग रूम में सुरक्षित तरीके से रखी जायेगी।

कलेक्टर सौरभ कुमार ने निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया हेतु सभी दलों के प्रतिनिधियों से आग्रह किया है कि वे सूची के आधार पर ईवीएम बैलेट एवं कंट्रोल यूनिट, वीवी पैट का मिलान आईटी कालेज कोरबा में स्ट्रांग रूम में विधानसभावार रखते समय कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि विधानसभावार मशीनों का प्रथम रेण्डमाईजेशन कर लिया गया है। रेण्डमाइजेशन पश्चात मशीनों को स्ट्रांग रूम में विधानसभा के अनुसार सूची उपलब्ध कराने के साथ सुरक्षित रखवाया जाएगा।

रेण्डमाईजेशन की प्रक्रिया में विधानसभा अंतर्गत कुल मतदान केंद्रों की संख्या से 20 प्रतिशत के मान से बैलेट एवं कंट्रोल यूनिट तथा 30 प्रतिशत वीवी पैट मशीनों का चयन किया गया। सर्वप्रथम विधानसभा रामपुर अंतर्गत कुल 284 मतदान केंद्रों हेतु 341 बैलेट एवं कंट्रोल यूनिट तथा 369 वीवी पैट मशीनों का रेण्डमाइजेशन किया गया। इसी तरह विधानसभा कोरबा अंतर्गत कुल 244 मतदान केंद्रों हेतु 293 बैलेट यूनिट एवं 293 कंट्रोल यूनिट तथा 317 वीवी पैट मशीनों का रेण्डमाईजेशन किया गया। विधानसभा कटघोरा अंतर्गत कुल 253 मतदान केंद्रों हेतु 304 बैलेट एवं 304 कंट्रोल यूनिट तथा 329 वीवी पैट मशीनों का रेण्डमाइजेशन किया गया और विधानसभा पाली.तानाखार अंतर्गत कुल 300 मतदान केंद्रों हेतु 360 बैलेट एवं 360 कंट्रोल यूनिट तथा 390 वीवी पैट मशीनों का रेण्डमाइजेशन किया गया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप, विधानसभा क्रमांक 20.रामपुर के रिटर्निंग अधिकारी अपर कलेक्टर प्रदीप कुमार साहू, विधानसभा क्रमांक 21 कोरबा के श्रीकांत वर्मा, विधानसभा क्रमांक 22.कटघोरा की सुश्री रिचा सिंह तथा विधानसभा क्रमांक 23. पाली-तानाखार के रिटर्निंग अधिकारी हरिशंकर पैंकरा, नोडल अधिकारी सरोज महिलांगे, उप जिला निर्वाचन अधिकारी सीमा पात्रे, डीआईओ हेमंत जायसवाल सहित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

एसईसीएल की खदान से प्रभावित हैं भू-विस्थापित

मलगांव के ग्रामीण एसडीएम की शिकायत लेकर ननकीराम के साथ पहुंचे कलेक्टर से मिलने

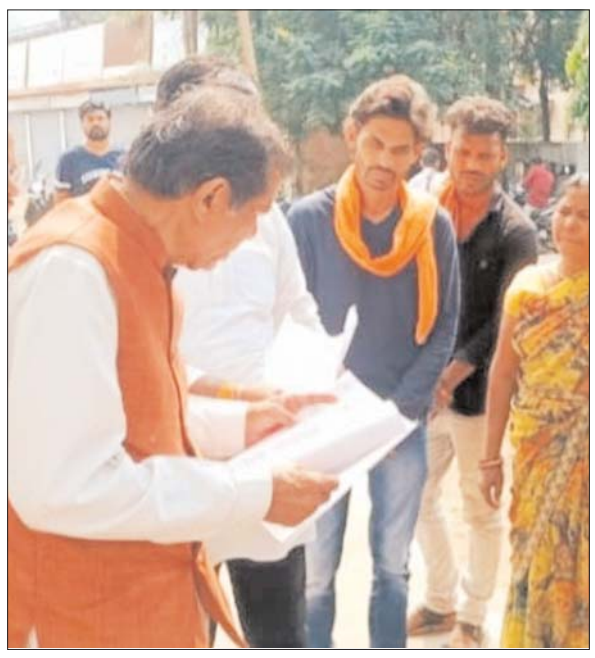

कोरबा-हरदीबाजार, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। कटघोरा विधानसभा के अंतर्गत संचालित एसईसीएल की दीपका परियोजना खदान से प्रभावित ग्राम मलगांव हरदीबाजार के ग्रामीणों ने मुआवजा हेतु सर्वे रिपोर्ट में फेरबदल करने का आरोप लगाते हुए एसडीएम रिचा सिंह और रीडर मनोज गोभिल को हटाने तथा कार्रवाई की मांग की है।

पिछले दिनों की गई शिकायत के बाद कोई कार्रवाई न होने से नाराज ग्रामीणों ने गुरूवार को रामपुर विधायक ननकीराम कंवर से उनके धनवार पारा रानी रोड स्थित निवास में मुलाकात की। भू-विस्थापितों ने अपनी व्यथा बताते हुए सहयोग का आग्रह किया। ननकीराम कंवर इन्हें अपने साथ लेकर कलेक्टर सौरभ कुमार से मिलने पहुंचे और उन्हें सारी बात बताते हुए उचित कार्यवाही का आग्रह किया है।

ग्रामीणों ने बताया कि मलगांव में मुआवजा हेतु संपूर्ण सर्वे और मुआवजा राशि लगभग पूरा हो चुका था। पूर्व एसडीएम ने पूरे मलगांव को ग्रामवासियों के अनुसार और एसईसीएल की रजामंदी एवं स्वीकृति से सर्वे और गांव का नापी तथा मुआवजा पत्रक तैयार कर पूर्ण किया था। ठीक इसी बीच एसडीएम का स्थानातरण हो गया और कटघोरा में नए एसडीएम रिचा ठाकुर ने पदभार ग्रहण किया। एसडीएम रिचा ठाकुर और कार्यालय के बाबू मनोज गोभिल तथा अन्य के द्वारा मिलकर पूर्व के पूर्ण हो चुके सर्वे और नापी तथा मुआवजा पत्रक को रद्द कर अपने हिसाब से सर्वे और मुआवजा पत्रक तैयार कर नापी करनी शुरू कर दी। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि एसडीएम रिचा ठाकुर और मनोज गोभिल द्वारा मिलकर हरदी बाजार में माफिया की मदद से डंडे और लाठी के बल पर ग्रामीणों में भय उत्पन्न कर सर्वे किया जा रहा है तथा गांव में आते हैं और जल्दी-जल्दी नापी करा कर औने-पौने दामों में पैसे लेकर पूरा गांवों को खाली कराने का प्रयास किया जा रहा है।

मलगांव वासियों ने इसकी सूचना कलेक्टर, जिला पुलिस अधीक्षक और जिला निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचन अधिकारी रायपुर, निर्वाचन अधिकारी दिल्ली को देते हुए रामपुर विधायक ननकी राम कंवर से मदद मांगी है।

न्याय नहीं हुई तो आचार संहिता के बाद अनशन

रामपुर विधायक ननकीराम कंवर ने अपने साथ मलगांव वासियों को कलेक्टर के पास ले जाकर स्वयं शिकायत पत्र देते हुए इस पूरे मामले में सघन जांच करने की मांग की है। श्री कंवर ने यह भी भरोसा दिलाया है कि यदि जांच उचित समय पर नहीं हुई तो शिकायत प्रधानमंत्री और कोयला मंत्री को पत्र के माध्यम से की जाएगी तथा आवश्यकता पडऩे पर आदर्श आचार संहिता के समाप्त हो जाने के उपरांत अनशन भी किया जाएगा।

800 नग नशीली पाईवॉन स्पॉस प्लस कैप्सूल बरामद

कोरबा-कुसमुंडा, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। सायबर सेल और कुसमुंडा थाना स्टाफ की टीम ने संयुक्त कार्रवाई कर नशा के लिए प्रयुक्त होने वाली कैप्सूल पाईवॉन स्पॉस प्लस के 100 स्ट्रीप जप्त किए हैं।

पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला के निर्देशानुसार अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण व धर पकड़ के लिए की जा रही कार्रवाई के क्रम में मुखबिर की सूचना पर सायबर सेल प्रभारी निरीक्षक सनत सोनवानी एवं थाना प्रभारी कुसमुंडा निरीक्षक कृष्ण कुमार वर्मा के नेतृत्व में टीम ने प्रेमनगर निवासी दिनेश कुमार जायसवाल को पकड़ा। उसके पास मौजूद एक झोला की तलाशी लेने पर प्रतिबंधित नशीली मनोत्तेजक कैप्सूल बरामद हुए। दिनेश कुमार के द्वारा इसे आनंदनगर, प्रेमनगर में घूम-घूमकर बिक्री किया जा रहा था। आरोपी के पास से 100 स्ट्रीप में कुल 800 नग नशीली कैप्सूल पाईवान स्पास प्लस कीमती 7200 रुपये को जप्त कर धारा 22 एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया है। आरोपी दिनेश कुमार जायसवाल पिता देवबली जायसवाल 35 वर्ष को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया। कार्यवाही में एएसआई रफीक खान, प्रधान आरक्षक रंजन देवांगन, चंद्रशेखर पांडे, राजेश कंवर, आरक्षक रितेश शर्मा, त्रिलोचन जायसवाल, विष्णु पाटले, धीरज पटेल, लेखराम धीरहे की भूमिका रही।

मुख्य सप्लायर तक नहीं पहुंच रहे हाथ: नशीली दवाओं की बड़ी खेप थोड़ी-थोड़ी मात्रा में कोरबा के कोयलांचल व अन्य क्षेत्रों में खपाया जा रहा है। इसके छोटे-छोटे मोहरे कभी-कभार पकड़ में आते हैं लेकिन मुख्य सप्लायर तक हाथ नहीं पहुंच सके हैं। कुसमुंडा में पकड़े गए मामले में ज्ञात हुआ है कि बिलासपुर के किसी प्रकाश के द्वारा बड़ी मात्रा में ऐसे नशीले कैप्सूल बेचने के लिए आरोपी को दिए गए थे। दर्री निवासी दिनेश नामक शख्स का भी नाम अप्रत्यक्ष रूप से सामने आया है।

राजनीतिक दलों को दी गई निर्वाचन संबंधी व्यय की जानकारी

होर्डिंग आदि प्रचार-प्रसार के संबंध में बताया गया

कोरबा, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। कलेक्टर सौरभ कुमार के निर्देशन में अपर कलेक्टर दिनेश कुमार नाग और उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती सीमा पात्रे ने राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों को निर्वाचन संबंधी व्यय की जानकारी दी। बैठक में बताया गया कि जिले में अधिकृत तौर पर निर्धारित किए गए स्थलों पर होर्डिंग्स के माध्यम से प्रचार-प्रसार हेतु नियमानुसार प्रक्रियाओं का पालन करना होगा। इसके लिए संबंधित रिटर्निंग अधिकारी से अनुमति प्राप्त करनी होगी। अपर कलेक्टर ने राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों को नामांकन संबंधी जानकारी प्रदान की और उनकी शंकाओं का समाधान भी किया। राजनीतिक दलों को जिले में निर्धारित होर्डिंग दरों भी जानकारी दी गई। इस दौरान अपर कलेक्टर प्रदीप साहू, अपर आयुक्त खजांची कुंभकार, मास्टर ट्रेनर डॉ. एम. एम. जोशी सहित सभी रिटर्निंग अधिकारी और राजनीतिक दल के पदाधिकारी उपस्थित थे।

निर्वाचन हेतु पेट्रोल पंपों में सुरक्षित स्टॉक रखने के निर्देश

कोरबा, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ कुमार ने विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2023 के संपादन में डीजल एवं पेट्रोल की अतिरिक्त आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए छत्तीसगढ़ मोटर स्पिरिट एवं हाईस्पीड डीजल ऑयल (अनुज्ञापन तथा नियंत्रण) आदेश के तहत जिले के समस्त पेट्रोल एवं डीजल पंप संचालकों को नियमानुसार 1000 लीटर पेट्रोल एवं 2000 लीटर डीजल का स्टॉक सुरक्षित (डेड स्टॉक सीमा को छोडक़र) रखने के निर्देश दिए हैं।

एमसीएमसी के सहयोग के लिए अधिकारियों की तैनाती

कोरबा, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। विधानसभा निर्वाचन 2023 हेतु गठित मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति (एमसीएमसी) के सहयोग हेतु अधिकारियों की तैनाती की गई है। संबंधित अधिकारी एमसीएमसी के नोडल अधिकारी सेवा राम दीवान संयुक्त कलेक्टर कोरबा, सहायक नोडल अधिकारी कमलज्योति जाहिरे के निर्देशन एवं समन्वय में कार्य करेंगे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ कुमार ने आदेश जारी कर मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति के सहयोग हेतु अधिकारियों की तैनाती की है। जारी आदेश के अनुसार विनोद सिंह, कार्मिक प्रबंधक एसईसीएल मानिकपुर, सुश्री उष्मा घोष जनसंपर्क अधिकारी एनटीपीसी, सुश्री मानसी चौहान, संवाद प्रमुख बालको, अजीत तिर्की कल्याण अधिकारी डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, सुरेश सिंह कंवर कल्याण अधिकारी एचटीपीएस पश्चिम कोरबा, मनोज कुमार रजक जनसंपर्क अधिकारी जिला पंचायत तथा बसंत कुमार जिला समन्वयक की ड्यूटी लगाई गई है।

स्वीप पोस्टर व रंगोली से मतदान के लिए जागरुक किया विद्यार्थियों ने

शत-प्रतिशत मतदान कोरबा का अभिमान- ली गई शपथ

कोरबा, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला स्वीप नोडल अधिकारी के निर्देशानुसार एवं शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य के मार्गदर्शन में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत आज स्वीप रंगोली, चित्रकला एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन फेस-1 सुभाष चौक एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पीडब्ल्यूडी रामपुर में किया गया। अनिवार्य एवं निष्पक्ष मतदान करने, मतदान प्रतिशत को बढ़ाने, चुनाव को पारदर्शी बनाने, मत का महत्व के बारे में महाविद्यालय के विद्यार्थियो के बीच रंगोली, चित्रकला एवं पोस्टर प्रतियोगिता के माध्यम से जागरूकता संदेश दिया गया कि अपना वोट अपनी ताकत है। कार्यक्रम को स्कूल के प्राचार्य एम एस लहरे, शिक्षिका स्नेहा डड़सेना एवं अन्य शिक्षकगण ने अपनी सहभागिता द्वारा सफल बनाया।

महाविद्यालय के स्वीप नोडल अधिकारी बलराम कुर्रे द्वारा अनिवार्य एवं निष्पक्ष मतदान हेतु शपथ वाचन कराया गया तथा आव्हान किया कि हमें मतदान के दिन मत देना नहीं भूलना है, अनिवार्य रूप से निष्पक्ष मत देना है। हमें प्रयास करना है कि कोई भी मतदाता वोट करने से वंचित न हो, मतदाताओं को शिक्षित करना है। हमारे गांव में, अपने क्षेत्र में शत-प्रतिशत मतदान हो। इस प्रकार चुनाव प्रक्रिया में हमारा यह एक छोटा सा प्रयास समाज एवं देश को विकास की ओर ले जाएगा। महाविद्यालय के संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर के एस कँवर, प्राध्यापक राजकुमार राठौर, विजेंद्र नामदेव एवं विद्यार्थी व कैम्पस अम्बेस्डर निखिल साहू, हुमांश, अदिति जांगड़े, हर्षवर्धन, जिया सोनी, सुमन महंत, कनिष फातिमा, अंजू, कंचन कश्यप, दीपा, त्रिशा, हर्षिता, विकास सोनवानी, लालूराम आदि ने आयोजन को सफल बनाया।

प्रत्याशी आज से जमा कर सकेंगे नामांकन, प्रशासन ने की पूरी तैयारी

कलेक्टोरेट में प्रवेश के लिए रूट निर्धारित

कोरबा, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत जिले के चारों विधानसभाओं के लिए नामांकन की प्रक्रिया 21 अक्टूबर से प्रारंभ हो जाएगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ कुमार के निर्देशन में अधिकारियों की टीम आवश्यक व्यवस्था हेतु लगाई गई है। चूंकि कलेक्टोरेट में ही नामांकन की प्रक्रिया होगी इसलिए यहां अलग-अलग विधानसभाओं के नाम-निर्देशन के लिए कक्ष निर्धारित करने के साथ ही नामांकन के लिए आने वाले प्रत्याशियों और अधिकारियों-कर्मचारियों के प्रवेश हेतु रूट तय किया गया है।

सिर्फ 5 लोगों को अनुमति

कलेक्टोरेट में विधानसभा क्रमांक 20-रामपुर में नामांकन हेतु कक्ष क्रमांक 5 भू-तल, विधानसभा क्रमांक-21 कोरबा हेतु कक्ष13 भू-तल, विधानसभा क्रमांक 22-कटघोरा हेतु कक्ष 37 प्रथम तल, विधानसभा 23- पाली-तानाखार हेतु कक्ष क्रमांक 23 भू-तल को निर्धारित किया गया है। अभ्यर्थियों को परेशानी का सामना न करना पड़े इसके लिए परिसर में संकेतक बोर्ड भी लगाए गए हैं। पाली तानाखार विधानसभा क्षेत्र के लिए नामांकन हेतु प्रवेश की व्यवस्था कलेक्टर कार्यालय के पीछे कॉफी हाउस के पास प्रवेश द्वार से की गई है। नाम निर्देशन के समय रिटर्निंग कार्यालय के 100 मीटर की परिधि में केवल तीन वाहनों को अनुमति होगी एवं अभ्यर्थी समेत केवल 5 व्यक्ति को आने की अनुमति मिलेगी। सर्वप्रथम अभ्यर्थी नाम निर्देशन की निक्षेप राशि जमा कर रसीद प्राप्त करेगा। अनुसूचित जाति, जनजाति वर्ग के अभ्यर्थी अगर निक्षेप राशि में छूट चाहते हैं तो उन्हें सक्षम अधिकारी द्वारा छत्तीसगढ़ का जाति प्रमाण-पत्र की छायाप्रति प्रस्तुत करनी होगी।

अधिकारी-कर्मचारियों और मीडिया के लिए प्रवेश द्वार

कलेक्टोरेट में कार्यरत् अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रवेश के लिए अपना परिचय पत्र रखना होगा। इनका प्रवेश द्वार कलेक्टर कार्यालय के पीछे निर्धारित है। इसी तरह मीडिया के लिए जिला पंचायत के सामने छायादार बैठक व्यवस्था की गई है। मीडिया कर्मी अपना परिचय पत्र दिखाकर जिला पंचायत के मुख्य द्वार से प्रवेश करेंगे और निर्धारित स्थान पर रहकर कव्हरेज सुनिश्चित करेंगे। नाम-निर्देशन पत्र की बिक्री तथा नामांकन जमा किए जाने के संबंध में जानकारी प्रतिदिन जनसंपर्क विभाग के माध्यम से फोटो-वीडियो के साथ उपलब्ध कराई जाएगी।

सार-संक्षेप

पुलिस ने होटल-ढाबा संचालकों को दी चेतावनी

मनेंद्रगढ़ 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जिला एमसीबी के पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशानुसार क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर नजर रखने एवं अवैध कारोबार शराब आदि को रोकने हेतु थाना महेंद्रगढ़ क्षेत्र में होटल ढाबा आदि की चेकिंग करने के लिए थाना स्टाफ एएसआई नईम खान एवं अन्य स्टाफ ने होटल और ढाबा को चेक किया गया और संचालक को हिदायत दी कि होटल और ढाबा में शराब की बिक्री न करें। यदि शराब की बिक्री करते पाया गया तो सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी चेकिंग के दौरान सिटी कोतवाली प्रभारी कुमारी चंद्राकर, डीएसपी मुख्यालय श्रीमती टोप्पो सहित अन्य स्टॉप रहे।

अनुपस्थित 17 अधिकारी, कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी

अंबिकापुर 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कुन्दन कुमार ने मतदान दलों के प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहने वाले अधिकारी कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। निर्वाचन जैसे अति महत्वपूर्ण कार्य में मतदान दलों के प्रथम प्रशिक्षण से बिना उचित कारण के अनुपस्थित रहने वाले अधिकारी कर्मचारियों पर कड़ी कार्यवाही हो सकती है।

गौरतलब है कि विधानसभा निर्वाचन 2023 के प्रथम प्रशिक्षण दिनांक 16 अक्टूबर 2023 को होलीक्रॉस कान्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल न्यू बिल्डिंग पटपरिया, अम्बिकापुर में पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी क्रमांक-01 का प्रशिक्षण आयोजित किया गया था, जिसमें 06 पीठासीन अधिकारी एवं 11 मतदान अधिकारी क्रमांक 01 अनुपस्थित थे। प्रशिक्षण में बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहे निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य में लापरवाही के कारण उक्त सभी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इस संबंध में अपना स्पष्टीकरण देने स्वयं 23 अक्टूबर को जिला पंचायत सरगुजा में उपस्थित होने कहा गया है।

राजनैतिक दलों के समक्ष ई.व्ही.एम. का पहला रेण्डमाइजेशन

सूरजपुर 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल व राजनीतिक दलों के अध्यक्ष व प्रतिनिधियों की उपस्थिति में विधानसभा चुनाव के लिए जिले के विधानसभा क्षेत्रों में उपयोग होने वाले ई.व्ही.एम. और व्ही.व्ही. पैट मशीनों का प्रथम लेवल रेंडमाइजेशन आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में किया गया। रैंडमाइजेशन प्रक्रिया के तहत ई.व्ही.एम आबंटन की प्रक्रिया पर उठने वाले सवालों और आपत्तियों की आशंका को खत्म किया जाता है। ईएमएस सॉफ्टवेयर से कंप्यूटर उपलब्ध सभी ई.व्ही.एम के नंबरों की सूची को दर्ज किया जाता है। फिर ईएमएस सॉफ्टवेयर अपने आप इन मशीनों को विधानसभाओं के बीच वितरित कर देता है। जिसके बाद कोई दल यह आरोप नहीं लगा सकेगा कि जानबूझकर कोई मशीन किसी विशेष विधानसभा अथवा बूथ में भेजी गई है।इसके साथ ही जिला निर्वाचन अधिकारी के द्वारा उपस्थित राजनीतिक दल के सदस्यों को नामांकन फॉर्म से संबंधित जानकारी भी दी गई और ई.व्ही.एम, व्ही.व्ही.पैट वेयरहाउस का अवलोकन भी कराया गया।इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री प्रियंका वर्मा, संयुक्त कलेक्टर नरेंद्र पैकरा, रवि सिंह रिटर्निंग ऑफिसर प्रेमनगर, सागर सिंह राज रिटर्निंग ऑफिसर भटगांव एवं श्रीमती दीपिका नेताम रिटर्निंग ऑफिसर प्रतापपुर एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

स्वीप एवं स्वास्तिक की आकृतियां बनाकर मतदाता जागरूकता का दिया गया संदेश

सूरजपुर 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। विधानसभा निर्वाचन को ध्यान में रखते हुए विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत कंदरई में मतदान के प्रतिशत को बढ़ाने के उद्देश्य से मतदान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल के निर्देषन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं जिला स्वीप नोडल अधिकारी सुश्री लीना कोसम, संयुक्त कलेक्टर एवं जिला उप निर्वाचन अधिकारी सुश्री प्रियंका वर्मा के मार्गदर्षन में शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय कंदरई के छात्र-छात्राओं के द्वारा ई.व्ही.एम., व्ही.व्ही. पैट, स्वीप एवं स्वास्तिक आदि आकृति प्रदर्शित की गई तथा विशाल मानव श्रृंखला का निर्माण करते हुए रैली का आयोजन कर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया गया। विशाल मानव श्रृंखला में उपस्थित समस्त छात्रों एवं कर्मचारियों तथा ग्रामीणों को जिला सहायक स्वीप नोडल अधिकारी श्रीमती लता बेक के द्वारा मतदाता जागरूकता का शपथ दिलाया गया, इस अवसर पर प्राचार्य, संस्था के समस्त शिक्षक शिक्षिकाए, प्राथमिक एव माध्यमिक शाला के समस्त शिक्षक, जनशिक्षक, विकासखंड स्तरीय स्वीप नोडल सुनील कुमार पोर्ते, सुदर्शन दास, अजय कुमार देवांगन, बी.पी.ओ. जयराम प्रसाद उपस्थित थे।

प्रत्याशी बनने की खुशी में अनुमति लेना भुले

रायगढ़ 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। कांग्रेस की दूसरी लिस्ट जारी होनें के बाद रायगढ़ विधानसभा से प्रकाश नायक को दोबारा उम्मीदवार बनाये जाने को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी से कल उनका जोरदार स्वागत हुआ और उसी दौरान पूरे गाजे-बाजे के साथ एक रैली की शक्ल में वो पुलिस अधीक्षक कार्यालय के पास स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा में माल्यार्पण करने पहुंचे। लेकिन इस रैली की सूचना मिलते ही रायगढ़ एसडीएम ने इसे आचार संहिता का उल्लंघन मानने के साथ-साथ बिना अनुमति रैली निकालने पर रायगढ़ के कांग्रेस प्रत्याशी प्रकाश नायक को नोटिस जारी करने की बात कही है।

इस संबंध में रायगढ़ एसडीएम गगन शर्मा ने कहा कि रैली निकालने की सूचना अभी वीडियो के माध्यम से जानकारी मिली है। इस रैली के संबंध में हमारे ऑफिस से कोई अनुमति नही ली गई थी नियमत: किसी भी राजनैतिक दल को ऐसा प्रदर्शन करने से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य है। किसी भी प्रकार की रैली निकालने हेतु अनुमति लेने ऑफिस का कंट्रोल रूम 24 घंटे तक उपलब्ध रहता है। जिसका आवेदन फार्म कार्यालय में उपलब्ध भी है। बगैर अनुमति रैली निकालने के संबंध में उनसे स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। उसके ही उच्च अधिकारियों के द्वारा निर्णय लिया जाएगा।

फ्लाइंग स्क्वॉड और स्थैतिक निगरानी दल को कलेक्टर- एसपी ने दिए निर्देश

सूचना तंत्र को मजबूत कर सघन निरीक्षण करने, संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखने के दिए निर्देश

अंबिकापुर 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कुन्दन कुमार और पुलिस अधीक्षक श्री सुनील शर्मा ने शुक्रवार को जिले में तैनात स्थैतिक निगरानी दलों और फ्लाइंग स्क्वॉड टीम के प्रभारियों की बैठक लेकर सूचना तंत्र को मजबूत करने और संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जांच अभियान तेज करते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में पूरे जिले के फ्लाइंग स्क्वॉड दल के प्रभारी-कर्मचारी के साथ व्हीएसटी और व्हीव्हीटी टीम मौजूद रही। इस दौरान कलेक्टर श्री कुन्दन ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के

निर्देशों का पालन करें। सघन अभियान के रूप में जांच करें। अपने सूचना तंत्र को मजबूत करें जिससे एक भी संदिग्ध गतिविधि छूटने ना पाए। स्थानीय स्तर पर अपना सूचना तंत्र बनाए। राशि, सामग्री या कीमती वस्तुएं पकड़ने में तेजी के लिए नाकों पर आने जाने वाले हर वाहन की जांच करें। इस बात का भी ध्यान रखें कि इमरजेंसी की स्थिति में किसी को कोई परेशानी ना हो। निष्पक्ष और शांतिपूर्ण निर्वाचन संपन्न कराने में आपकी भूमिका महत्वपूर्ण है। अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से लेते हुए काम करें। निर्वाचन कार्य में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सुनील नायक, नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक कुमार, सीईओ जिला पंचायत श्री नूतन कंवर सहित जिला स्तरीय अधिकारी एवं फ्लाइंग स्क्वॉड दल, स्थैतिक निगरानी दल के प्रभारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

1 नवम्बर से होगी धान खरीदी

- प्रारम्भिक तैयारियों हेतु कलेक्टर ने दिए आवश्यक दिशा निर्देश, कहा लापरवाही बरतने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई
- धान खरीदी में पारदर्शिता के लिए पंजीकृत कृषकों से बायोमेट्रिक आधार एथेंटिकेशन के आधार पर होगी खरीदी
- समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन एवं कस्टम मिलिंग की प्रारंभिक तैयारियों हेतु प्रशिक्षण सह समीक्षा बैठक सम्पन्न

जिले में अब तक 4 हजार से अधिक किसानों ने कराया नवीन पंजीयन

7 नए उपार्जन केन्द्रों सहित कुल 54 केन्द्रों में खरीदी हेतु तैयारियां जारी

अंबिकापुर 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। राज्य में खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर पंजीकृत किसानों से धान खरीदी का कार्य 1 नवम्बर 2023 से प्रारंभ हो रहा है। यह कार्य 31 जनवरी 2024 तक किया जाएगा। धान खरीदी तथा कस्टम मिलिंग की आवश्यक तैयारियों के संबंध अम्बिकापुर के राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में शुक्रवार को कलेक्टर श्री कुंदन कुमार की अध्यक्षता में प्रशिक्षण सह समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।

कलेक्टर श्री कुंदन ने सभी को निर्देशित करते हुए कहा कि धान खरीदी केन्द्रों में किसानों को खरीदी से जुड़ी किसी तरह की समस्या या असुविधा ना हो, आप सभी संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि धान खरीदी के दौरान किसानों को सुखद अनुभूति हो इसके लिए पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करें। समिती में पर्याप्त संख्या में बारदानों की व्यवस्था की जाए, सभी समिति संलग्न पीडीएस दुकानों से बारदाना का उठाव कर सुरक्षित भण्डारण कर लें। उन्होंने सभी समितियों में धान के तौल, डाटा एंट्री ऑपरेटर और अन्य उचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। चेकलिस्ट अनुसार फड़, कांटाबाट, कम्प्यूटर, आर्द्रतामापी यंत्र, ड्रेनेज, तारपोलिन, पीने के पानी की व्यवस्था, पोस्टर एवं बैनर प्रदर्शन आदि की तैयारी पूर्ण कर ली जाए। कलेक्टर ने समितिवार समीक्षा करते हुए समिति प्रबंधकों से बात की तथा आवश्यक तैयारियों के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने कार्य में लापरवाही बरतने एवं उदासीन समिति प्रबंधकों को कड़ी फटकार लगाई और गंभीरता से काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि धान खरीदी में गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी, किसी भी प्रकार की शिकायत पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई होगी।

जिले में धान खरीदी की जानकारी- किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी किये जाने के लिए गत वर्ष पंजीकृत किसानों को कैरी फारवर्ड एवं डाटा अद्यतन कर तथा नवीन किसानों का पंजीयन कर धान की खरीदी की जाएगी। किसान पंजीयन का कार्य कृषि विभाग के एकीकृत किसान पोर्टल के माध्यम दिनांक 31 अक्टूबर 2023 तक किया जाएगा। अभी तक 51 हजार 89 किसानों का पंजीयन कैरी फारवर्ड किया गया है।

अब तक कुल 55 हजार 699 किसान पंजीकृत है और 4 हजार 610 किसान नवीन पंजीकृत हुए हैं। पिछले वर्ष के तुलना में इस वर्ष अब तक किसानों के रकबे में 5.90 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। जिले में कुल 39 समितियां तथा कुल 61 उपार्जन केंद्र हैं, जिनमें इस वर्ष बनाए गए नए 07 केंद्र हैं। नवीन उपार्जन केन्द्रों में केशवपुर, मंगारी, ललाती, जजगा, बोदा, बरगवां, बेलजोरा है।

किसानों को धान बेचने में समस्या न हो

ककलेक्टर श्री कुंदन ने बताया कि खरीफ वर्ष 223-24 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी में पारदर्शिता के लिए बायोमेट्रिक आधारित खरीदी प्रणाली लागू की जा रही है, जिसमें किसान अपना बायोमेट्रिक आधार अर्थात अंगूठा लगाकर प्रमाणीकरण के पश्चात् धान की बिक्री कर सकता है। किसानों का समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के दौरान कोई असुविधा न हो इसके लिए उनके परिवार एवं रिश्तेदारों को नॉमिनी बनाने की सुविधा प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि बायोमेट्रिक खरीदी का प्रचार-प्रचार अच्छे से हो, ताकि किसानों को इसकी जानकारी रहे और उन्हें धान बेचने में कोई समस्या ना हो।

कलेक्टर- एसपी ने लिया तैयारियों का जायजा

एमसीबी 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। जिला,एमसीबी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार दुग्गा एवं पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने कलेक्ट्रेट परिसर का मुआयना किया उन्होंने नाम निर्देशन की तैयारियों का जायजा लेने दोनों विधानसभा हेतु निर्धारित रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय का निरीक्षण किया कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दुग्गा ने प्रत्येक रिटर्निंग ऑफिसर के कक्ष का निरीक्षण कर नाम निर्देशन से पूर्व जरूरी तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों और उनके साथ आने वाले प्रस्तावक के बैठने सहित सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नाम निर्देशन का कार्य सुगमता से संपन्न हो, इसके लिए चेकलिस्ट तैयार कर लें और उसके अनुसार कक्ष की व्यवस्था तैयार रखें। नामांकन अवधि में अभ्यर्थी को केवल तीन वाहन को 100 मीटर के अन्दर आने की अनुमति होगी। अभ्यर्थी सहित 05 व्यक्ति को रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय के अन्दर आने की अनुमति होगी। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने नामांकन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए बेरिकेटिंग्स कराने लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिये। उन्होंने प्रवेश द्वार पर डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर डीएफएमडी लगाने के निर्देश दिये।

राजनैतिक दल के सदस्यों की बैठक हुई आयोजित

मनेन्द्रगढ़ 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री नरेन्द्र कुमार दुग्गा के निर्देशानुसार आज सभा कक्ष में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनिल सिदार एवं श्री सी.एस. पैकरा ने राजनैतिक दल के सदस्यों को आगामी विधानसभा निर्वाचन-2023 के दौरान निर्वाचन हेतु निम्न बिन्दुओं पर प्रशिक्षण दिया। आदर्श आचार संहिता , मीडिया अनुप्रमाणन , चुनाव व्यय निगरारी , सुविधा एप्प तथा पोस्टल बैलेट की जानकारी दी गयी।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनैतिक दल के सदस्यों को बताया कि सभा, रैली रोड़ शो, वाहन, लाउडस्पीकर के लिए अनुमति लेना आवश्यक है। इन सबके लिए सुविधा एप्प का उपयोग किया जा सकता है। इसके साथ ही नामनिर्देशन की सुविधा सुविधा पोर्टल पर उपलब्धता की जानकारी दी गयी। निर्वाचन की सूचना का प्रमाणन (नाम निर्देशन) का प्रारम्भ की तिथि 21 अक्टूबर, नाम निर्देशन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर, संवीक्षा तिथि 31 अक्टूबर, नाम वापसी के अंतिम तिथि 02 नवम्बर, मतदान तिथि 17 नवम्बर एवं मतगणना तिथि 03 दिसम्बर है। 21 अक्टूबर को रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा निर्वाचन की लोक सूचना का प्रकाशन (प्रारूप 1) में किया जायेगा और इसी दिनांक से नाम निर्देशन कार्य 11 बजे से प्रारम्भ होकर 03 बजे तक चलेगा।

चुनावी कार्य में लगे केंद्रीय सशस्त्र बल के जवानों को मिलेगा निशुल्क उपचार

कोरिया20 अक्टूबर (देशबन्धु)। प्रदेश में विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत कोरिया जिले में द्वितीय चरण में मतदान होगा। इसी कड़ी में शान्ति पूर्वक निर्वाचन कार्य सम्पन्न हो इसके लिए जिले में अस्थायी तौर पर केंद्रीय सशत्र बल के जवानों को तैनात किया जाएगा। निर्वाचन के दौरान कोई अप्रिय घटना होने की स्थिति में जवानों के घायल होने पर आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के माध्यम से नि:शुल्क उपचार प्रदान कराने की व्यवस्था की गई है। घायल जवानों के उपचार के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के माध्यम अनुबंधित अस्पतालों में इलाज की सुविधा दी जाएगी ताकि जवानों को उपचार संबंधित किसी तरह की दिक्कत ना हो।

नवयुवक दुर्गा मण्डल का 37 वां वार्षिकोत्सव आज

सूरजपुर 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। जिले की अग्रणी सामाजिक व धार्मिक संस्था श्री नव युवक दुर्गा मण्डल का 37 वां वार्षिकोत्सव आज दुर्गा पंडाल भैयाथान रोड में भव्य भगवती जागरण के साथ संपन्न होगा। मंडल प्रमुख मदनलाल गोयल ने बताया कि प्रतिवर्ष की भाति सप्तमी के दिन मां भगवती का भव्य जागरण कर मण्डल अपना वार्षिकोत्सव मनाती आ रही है। इस वर्ष 37 वें वार्षिक उत्सव पर सुंदर व जीवंत झांकियों के साथ माता को चुनरी भेंट व गजरा अर्पण सहित विशेष आकर्षण के बीच भजन गायिका आयुषी शुक्ला बिलासपुर, कपिल चौरे बिलासपुर के साथ निलेश मित्तल मोंटू म्यूजिकल ग्रुप के द्वारा भजनों की विशेष प्रस्तुति दी जायेगी। उल्लेखनीय है कि विभिन्न सामाजिक कार्यों के लिए जिले की अग्रणी संस्था नवयुवक दुर्गा मंडल का सामाजिक व जनसेवी प्रकल्पों में प्रमुख स्थान है। प्रत्येक मंगलवार को दुर्गा पंडाल में अनवरत कीर्तन के साथ देवगढ़, कुदरगढ़, जमड़ी में विभिन्न धार्मिक आयोजनों के लिए मण्डल जाना पहचाना जाता है।

कोरिया जिले की माताएं मतदान में बढ़चढ़कर भाग लें- संभागायुक्त

कोरिया 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। आज एक दिवसीय दौरे पर पहुंची सरगुजा संभागायुक्त शिखा राजपूत तिवारी ने बैकुंठपुर के सेंट जोसेफ अंग्रेजी स्कूल में करीब 500 महिलाओं से चुनावी प्रशिक्षण से रूबरू हुई। उन्होंने प्रशिक्षण ले रही महिला अधिकारी-कर्मचारी से ईवीएम व वीवीपैट के संचालन, संधारण कार्यों को भी जाना। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि आप लोगों के भरोसे है कि कोरिया जिले में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराना और यह तभी सम्भव है जब आप लोग अपनी जिम्मेदारी पूर्वक और ईमानदारी से कार्य करेंगे। संभागायुक्त श्रीमती राजपूत तिवारी ने कहा कि दिव्यांग व 80 वर्ष या उनसे ऊपर के मतदाताओं के लिए विशेष व्यवस्था के तहत मतदान केंद्र तक लाने ले जाने में मदद करें। श्रीमती राजपूत तिवारी ने कहा कि यह जिला क्रिएटिव से भरा है। उन्होंने मतदान करने के लिए शपथ भी दिलवाई। अधिकारियों- कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह लोकतंत्र का सबसे बड़ा पर्व है, इसलिए निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य को गम्भीरता से लें और करें। आप सबकी जवाबदेही है कि आप लोग निष्पक्ष और निर्भिक होकर निर्वाचन कार्य के हिस्से बने ।

संभागायुक्त श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी ने सेंट जोसेफ स्कूल से आकर जिला कलेक्ट्रेट में रिटर्निंग अधिकारियों के कक्ष का निरीक्षण किया और अधिकारियों से निर्वाचन सम्बंधी आवश्यक जानकारी भी ली। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि मतदान तिथि पहले तक सभी आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित कर लें। मतदान केंद्रों में व्हीलचेयर, पानी, बिजली, शेड व्यवस्था के बारे में भी जानकारी ली। ईवीएम मशीन के सम्बंध में भी आवश्यक जानकारी ली।

एसएसटी, एफएसटी दल, चेक पोस्ट, नाके, वाहनों की जांच, अवैध रूप से बिक्री होने वाले मदिरा आदि के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी विनय कुमार लंगेह ने कहा कि आप लोगों का यह प्रशिक्षण बहुत उपयोगी साबित होगा। साथ ही यह भी कहा कि स्वयं मतदान करेंगे ही, अपने सगे- सम्बंधी व पड़ोसियों को मतदान के लिए प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर जिले के पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी आशुतोष चतुर्वेदी, अपर कलेक्टर श्रीमती नंदिनी साहू, एसडीएम श्रीमती अंकिता सोम सहित बड़ी संख्या में अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

अधिसूचना का प्रकाशन आज, नाम निर्देशन की प्रक्रिया हो जायेगी शुरू

अंबिकापुर 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी समय सारणी के अनुरूप 21 अक्टूबर को अधिसूचना का प्रकाशन किया जायेगा। इसके बाद नाम निर्देशन की प्रक्रिया शुरू हो जायेगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कुन्दन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक श्री सुनील शर्मा ने जिले में नाम निर्देशन की प्रक्रिया के सुगम संपादन के लिए शुक्रवार को तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि रिटर्निंग अधिकारी के कक्ष में अभ्यर्थियों और उनके साथ आने वाले प्रस्तावक के बैठने सहित सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए।

निर्वाचन कार्य में संलग्न कलेक्टरेट कार्यालय के अधिकारी-

कर्मचारियों तथा नामांकन दाखिल करने वाले अभ्यर्थियों हेतु प्रवेश मार्ग अलग-अलग रखा गया है। अधिकारी-कर्मचारियों हेतु कलेक्टरेट परिसर के मेन गेट से एंट्री रखी जाएगी, वहीं सिविल कोर्ट मार्ग से गेट नम्बर 02 से अभ्यर्थियों की एंट्री हेतु आरक्षित किया गया है।

अभ्यर्थियों के लिए निर्धारित गेट नंबर 2 में जानकारी अंकित की गई है। मुख्य मार्ग से प्रवेश गेट तक आने में तीन बैरिकेडिंग लगाई गई है और कला केंद्र मैदान में पार्किंग व्यवस्था की गई है। नाम निर्देशन हेतु आने जाने में किसी तरह की अव्यवस्था ना हो, इसके लिए ठेले गुमटियों को अन्यत्र स्थापित कर व्यवस्थित किया जा रहा है जिससे उन्हें भी कोई समस्या ना हो।

नाम निर्देशन पत्र जमा करने हेतु विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 09 लुण्ड्रा हेतु कलेक्ट्रेट कार्यालय के जन सूचना अधिकारी कक्ष, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 10 अम्बिकापुर के लिये न्यायालय नजूल अधिकारी कक्ष एवं विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 11 सीतापुर के लिये न्यायालय अपर कलेक्टर अम्बिकापुर कक्ष निर्धारित किया गया है। नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत करते समय अभ्यर्थी के साथ केवल चार व्यक्ति रिटर्निंग ऑफिसर के कक्ष में प्रवेश कर सकते हैं। नामनिर्देशन हेतु प्रयोग किए जाने वाले वाहनों की अधिकतम संख्या 03 होगी। नामांकन के समय किसी प्रत्याशी एवं उनके समर्थकों के तीन से अधिक वाहन आरओ या एआरओ कार्यालय के 100 मीटर के दायरे के भीतर नहीं आयेंगे।

गौरतलब है कि निर्वाचन समय सारणी के अनुसार 21 अक्टूबर 2023 को अधिसूचना का प्रकाशन किया जायेगा। इसके बाद अभ्यर्थियों द्वारा नाम निर्देशन जमा की प्रक्रिया शुरू हो जायेगी। नाम निर्देशन जमा करने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर 2023 होगी। 31 अक्टूबर को स्क्रूटनी की जाएगी तथा 2 नवंबर तक नाम वापसी की जा सकेगी। विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन के लिए रिटर्निंग ऑफिसर एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसर की नियुक्ति की जा चुकी है। निर्वाचन हेतु पर्याप्त सुरक्षा बल की व्यवस्था की जा रही है। अभ्यर्थियों को ऑनलाइन नॉमिनेशन एफिडेविट एवं ऑनलाइन ही सिक्युरिटी डिपॉजिट जमा करने की सुविधा प्राप्त है। नॉमिनेशन फॉर्म के प्रिंट आउट के साथ आवश्यक दस्तावेज रिटर्निंग ऑफिसर को हार्ड कॉपी में जमा करना अनिवार्य होगा। विधानसभा 09-लुण्ड्रा एवं 11-सीतापुर विधानसभा क्षेत्र अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित है। अत: इस निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों के लिए जमा की जाने वाली निक्षेप राशि रुपये 5 हजार रुपए होगी एवं विधानसभा अम्बिकापुर क्षेत्र सामान्य वर्ग के लिये आरक्षित होने से अभ्यर्थियों के लिए जमा की जाने वाली निक्षेप राशि 10 हजार रूपये होगी।

ईव्हीएम व वीवीपैट का प्रथम रेण्डमाइजेशन संपन्न

जिला में तीन विधानसभावार मतदान केन्द्रों की कुल संख्या 669 बीयू 1721 व सीयू यूनिट की संख्या 1207 एवं वीवीपेट यूनिट संख्या 1549 नग उपलब्ध

जांजगीर, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी की उपस्थिति में कलेक्टोरेट के सभाकक्ष में कम्प्यूटरीकृत प्रणाली के माध्यम से ईव्हीएम व वीवीपैट का प्रथम रेण्डमाइजेशन किया गया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिला में तीन विधानसभावार मतदान केन्द्रों की कुल संख्या 669 है, जिनमें बीयू 1721 व सीयू यूनिट की संख्या 1207 एवं वीवीपेट यूनिट संख्या 1549 नग उपलब्ध है।

जिले में उपलब्ध ईव्हीएम व वीवीपैट में से प्रथम रेण्डमाइजेशन पश्चात विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 33 अकलतरा में 235 मतदान केन्द्रों में 235 बीयू एवं रिजर्व को मिलाकर कुल 305 बीयू यूनिट, कन्ट्रोल यूनिट 305 एवं वीवीपैट 329 का आबंटित किया गया। इसी प्रकार विधानसभा क्रमांक 34 जांजगीर-चांपा में 220 मतदान केन्द्रों में 220 बीयू एवं रिजर्व को मिलाकर कुल 286 बीयू यूनिट, कन्ट्रोल यूनिट 286 एवं वीवीपैट 308 और विधानसभा क्रमांक 38 पामगढ़ (अनुसूचित जाति) 214 मतदान केन्द्रों में 214 बीयू एवं रिजर्व को मिलाकर कुल 278 बीयू यूनिट, कन्ट्रोल यूनिट 278 एवं वीवीपैट 299 का आबंटित किया गया है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा (ईएमएस) ईव्हीएम

मैनेजमेंट सिस्टम सॉफ्टवेयर के द्वारा प्रथम रेंडमाइजेशन किया जा रहा है। जिसमें उपलब्धता के आधार पर विधानसभावार बैलेट यूनिट 30 प्रतिशत, कन्ट्रोल यूनिट 30 प्रतिशत तथा वीवीपैट 40 प्रतिशत रिजर्व सहित रेंडमाइजेशन किया गया है। प्रथम रेंडमाइजेशन पश्चात विधानसभावार मशीनों की सूची प्रिंट कर उपस्थित सभी राजनैतिक दल के पदाधिकारियों को दी गई। राजैनतिक दलों को बताया गया कि रेंडमाइजेशन पश्चात ईव्हीएम एवं वीवीपैट मशीनों को शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज पेण्ड्री भांठा जांजगीर में स्थित स्ट्रांग रूम में स्थानांतरित किया जाएगा। प्रथम रेंडमाइजेशन के उपरांत कलेक्टर ने राजनैतिक दलों के साथ ईव्हीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का अवलोकन किया। कलेक्टर ने स्ट्रांग रूम व ईव्हीएम वेयरहाउस की ड्यूटी में कार्यरत् पुलिस को सुरक्षा के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर एस पी वैद्य, श्रीमती लवीना पांडेय, गुड्डु लाल जगत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती निशा नेताम मड़ावी, सर्व रिटर्निंग ऑफिसर, डिप्टी कलेक्टर संदीप ठाकुर, सर्वश्री रोहित डहरिया, अभिषेक मिश्रा, आनंद प्रकाश मिरी, हर प्रसाद साहू, शिशिर द्विवेदी, प्रदीप सराफ, डी.डी. महंत, श्रीमती अनुराधा शुक्ला, आशुतोष गोपाल, प्रदीप सहित अन्य राजनैतिक दल के प्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

सार-संक्षेप

सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में धारा 144 लागू

सारंगढ़ 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी फरिहा आलम सिद्दीकी ने विधानसभा आम निर्वाचन 2023 में आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील के दौरान जिले में लोक परिशांति बनाये रखने तथा निर्वाचन प्रक्रिया एवं मतदान निर्विध्न, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने व प्रतिबंधात्मक उपाय हेतु भारतीय दण्ड संहिता की धारा-144 लागू करने का आदेश जारी की हैं। इसके अंतर्गत सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के अंदर कोई भी व्यक्ति, किसी भी प्रकार का घातक अस्त्र शस्त्र यथा बन्दूक, राइफल, भाला, बल्लम, बरछा, लाठी एवं अन्य प्रकार के घातक हथियार तथा विस्फोटक सामग्री लेकर किसी भी सार्वजनिक स्थान, आम सड़क, रास्ता, सार्वजनिक सभाओं एवं अन्य स्थानों पर नहीं चलेगा। कोई भी राजनैतिक दल या अभ्यर्थी सशस्त्र जुलूस नहीं निकालेगा और न ही आपत्तिजनक पोस्टर वितरित करेगा। यह आदेश उन शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा, जिन्हें अपने कार्य संपादन के लिये लाठी या शस्त्र रखना आवश्यक है। यह आदेश उन शासकीय कर्मचारियों पर भी लागू नहीं होगा, जिन्हें चुनाव व मतदान के दौरान कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस अधिकारी नियुक्त किया गया है। यह आदेश उन व्यक्तियों पर भी लागू नहीं होगा जिन्हें शारीरिक दुर्बलता, वृद्धावस्था तथा लंगड़ापन होने के कारण सहारे के रूप में लाठी रखना आवश्यक होता है। इस आदेश का उल्लघंन करने वाला व्यक्ति, दल भारतीय दण्ड विधान की धारा 188 के अंतर्गत दण्डनीय होगा। यह आदेश निर्वाचन प्रक्रिया समाप्ति तक संपूर्ण सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में प्रभावशील रहेगा।

कलेक्टर डॉ. सिद्दीकी ने किया आदेश जारी बिना अनुमति सभा, जुलूस आदि प्रतिबंधित

सारंगढ़ 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी फरिहा आलम सिद्दीकी ने विधानसभा आम निर्वाचन 2023 में आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील को दृष्टिगत रखते हुए आदेश जारी की है, जिसके अंतर्गत बिना अनुमति सभा, जुलूस, रैली, वाहन में लाउडस्पीकर का उपयोग आदि प्रतिबंधित है, जिन पर छत्तीसगढ़ कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी। चुनाव प्रचार सभाओं के आयोजन, सभाओं में लाउडस्पीकरों के उपयोग, प्रचार वाहनों में लाउडस्पीकर के उपयोग, जुलूस के मार्ग निर्धारण, जुलूस निकालने की अनुमति देने के संबंध में एतद् द्वारा अधिकारियों को सक्षम अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके अंतर्गत जिला मुख्यालय पर अनुविभागीय दण्डाधिकारी सारंगढ़, अनुविभाग मुख्यालयों में संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी, तहसील मुख्यालयों में तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी, उप तहसील मुख्यालय में नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी से अनुमति प्राप्त किया जा सकता है।

मतदाता जागरूकता अभियान
नागरिकों ने ली अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ

जांजगीर, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)।भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशन में आगामी विधानसभा निर्वाचन में महिला मतदाताओं की शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत ''कोसा कांसा कंचन वोट करेगा जन-जन'' के थीम के साथ मतदाता जागरूकता संबंधी विभिन्न नवाचार किये जा रहे हैं। जिसके तहत रंगोली प्रतियोगिता, वाद-विवाद, नव विवाहित सम्मान, पेंटिंग, मानव, बैनर-पोस्टर रैली जैसे विभिन्न आयोजन किये जा रहे हैं।

इसी कड़ी में आज शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला मुड़पार के छात्र छात्राओं को शिक्षकों द्वारा स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान की शपथ दिलाई गई। इसी प्रकार शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला भिलौनी में विद्यार्थियों और नवविवाहिताओं को मतदान के प्रति जागरूक, ग्राम जेवरा में मतदाता जागरूकता रैली, ग्राम पोड़ीखुर्द में ग्रामीणो को शपथ दिलाकर, ग्राम पंचायत कचंदा में स्कूली छात्र छात्राओं द्वारा मतदान जागरूकता रैली, ग्राम पंचायत चारपारा, जनपद पंचायत बलौदा में मतदाता जागरूकता हेतु स्कूल में रंगोली, पेंटिंग प्रतियोगिता, ग्राम पंचायत कोसला में महिलाओं को मतदान के प्रति प्रेरित करने मतदाता शपथ, ग्राम पंचायत मेहंदी में मतदान के थीम पर रंगोली और मतदाता शपथ, जनपद पंचायत बलौदा ग्राम पंचायत कमरीद, उदेबन्द में समूह की महिलाओं द्वारा, ग्राम पंचायत रैनपुर, नवापारा ब व नवगंवा में सार्वजनिक स्थानों पंचायत भवन, दुर्गा पंडाल आदि में मतदान हेतु शपथ दिलाकर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया।

रमापति विद्यालय प्रांगण में गरबा नृत्य में गूंजी डांडिया की गूंज

डभरा, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। इस वर्ष नवरात्रि के पावन पर्व के अवसर पर रमापति विद्यालय चंद्रपुर के प्रांगण में गरबा नृत्य का आयोजन किया गया। विद्यालय के संचालक रामकृष्ण साहू के सहयोग एवं श्रीमती रीता साहू बड़ी मैडम के निर्देशन में विद्यालय में संध्याकालीन गरबा नृत्य के तहत छात्राओं एवं शिक्षिकाओं द्वारा रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई।

इस अवसर पर माता दुर्गा की भक्तिमयी गीतों के साथ गरबा नृत्य,डांडिया नृत्य ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर चंद्रपुर नगर की श्रीसाईं गरबा समिति के सदस्य श्रीमती अपराजिता मिश्रा, श्रीमती गीता पटेल,श्रीमती रीना केशरवानी, श्रीमती शिल्पा पांडे श्रीमती अनु केशरवानी आदि की गरिमा में उपस्थिति के साथ कार्यक्रम में सुंदर प्रेरणादायक प्रस्तुति दी गई ।मालीपारा वार्ड के पार्षद श्रीमती रजनी तिलेश माली की उपस्थिति रही। श्रीमती गीता पटेल ने श्री साईं गरबा समिति की ओर से कार्यक्रम आयोजन के% लिए धन्यवाद देते हुए बेटी होने के महत्व का सुंदर संदेश दिए। कार्यक्रम के अंत में श्रीमती रीता साहू बड़ी मैडम ने कार्यक्रम की सफलता पर सभी को सहृदय धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किये ।

जिला दंडाधिकारी ने किया 10 शस्त्रों का लाइसेंस निरस्त

जांजगीर, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। लाइसेंस धारी व्यक्ति के विरूद्ध अपराधिक प्रकरण दर्ज होने और मृत व्यक्ति तथा समय पर लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं कराए जाने के चलते एसपी के प्रतिवेदन पर जिला दंडाधिकारी ने 10 शस्त्रों का लाइसेंस निरस्त करने का आदेश जारी किया है।

जिले में कई लोग ऐसे हैं जो पिस्टल या बंदूक का लाइसेंस तो ले लिए हैं मगर समय पर उन्होंने उसके लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं कराया। वहीं कुछ लाइसेंसधारियों की मृत्यु हो गई है। इसके अलावा कुछ लोगों के पास शस्त्र लाइसेंस है मगर उनके विरूद्ध थाने में अपराध दर्ज है। ऐसे में एसपी विजय अग्रवाल ने जिले के विभिन्न् थाना , चौकी क्षेत्रों में पंजीकृत शस्त्र लायसेंसियों का भौतिक सत्यापन कराया। इस आधार पर कई लायसेंसियों के विरूद्ध थाने में अपराध दर्ज होने, किसी की मृत्यु हो जाने और कुछ लोगों का लायसेंस का नवीनीकरण अवधि समाप्त हो जाने के कारण इन शस्त्रों के लायसेंस निरस्तीकरण के लिए प्रतिवेदन कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी को दिया गया था। प्रतिवेदन से सहमत होते हुए जिला दंडाधिकारी ने जिले के 10 लायसेंसियों का शस्त्र लायसेंस निरस्त करने का आदेश जारी किया है। जिन लोगों का लायसेंस निरस्त हुआ है उनमें रेवती रमन पिता अंगद सिंह ग्राम बक्सरा चौकी पंतोरा का 12 बोर सिंगल बैरल के लायसेंस की अवधि समाप्त हो गई है। लायसेंसी की उम्र 75 साल है और बुजुर्ग हो जाने के कारण वे इसका नवीनीकरण नहीं करा रहे थे। 23 मार्च 2020 से इनका शस्त्र बलौदा थाने में जमा है। नवागढ़ थाना के सेमरा निवासी प्रदीप सिंह पिता चंद्रशेखर सिंह, चंद्र प्रकाश गोकुल पिता रामलखन सिंह, जगमहंत थाना नवागढ़ निवासी अर्चना सिंह पति भीम सिंह, ग्राम भैंसदा निवासी बुद्ध सिंह पिता बोडर सिंह, महंत निवासी कमलेश कुमार पिता लक्ष्मी सिंह के शस्त्र लायसेंस की अवधि समाप्त हो गई है और उनका नवीनीकरण नहीं कराया गया। इसलिए इनका लायसेंस निरस्त किया गया है। इसके अलावा पंतोरा चौकी के ग्राम बुढ़ना निवासी केशरबाई पति रामकुमार यादव, ग्राम पुरेना चौकी पंतोरा निवासी महावीर सिंह पिता खेमसिंह की मृत्यु हो गई है। इसके कारण उनके शस्त्रों के लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं हुआ। जिसके कारण इनका लाइसेंस निरस्त किया गया है। दो लायसेंसी के विरूद्ध थाने में अपराध दर्ज होने के कारण उनका लाइसेंस निरस्त किया गया है।

इनमें ग्राम हेड़सपुर चौकी पंतोरा निवासी महेंद्र प्रताप सिंह पिता बड़ोदू सिंह के विरूद्ध वर्ष 2017 में सीआरपीसी की धारा 107, 116 (03) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया था। इसी तरह ग्राम भैसों थाना पामगढ़ के कृष्ण कुमार सिंह पिता हीरा सिंह के विरूद्ध थाने में अपराध दर्ज है। इसके चलते इनका लाइसेंस निरस्त किया गया है।

सभी शस्त्र थाने में जमा

जिन लायसेंसियों का शस्त्र लाइसेंस निरस्त हुआ है। वे सभी शस्त्र थाने में पुलिस ने जमा करा लिया है। इसके अलावा चुनाव के मद्देनजर अन्य सभी लायसेंसियों का शस्त्र भी संबंधित थाने में जमा करा लिया गया है।

आज से निर्देशन पत्र की प्रक्रिया होगी शुरू,30 अक्टूबर अंतिम तिथि

पूरे परिसर में सीसी कैमरे के आलावा सुरक्षा के कड़े इंतजाम

जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों की बैठक लेकर निर्वाचन कार्यक्रम, नाम निर्देशन प्रक्रिया के संबंध में दी जानकारी

जांजगीर, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। विधायक बनने के लिये भाग्य आजमाने मैदान में पसीना बहा रहे प्रत्याशियों के लिए नाम निर्देशन प्रक्रिया 21 अक्टूबर से शुरू हो रहा है। इसके लिए कलेक्टोरेट में तैयारी पूरी की जा चुकी है। जिले के तीन विधान सभा क्षेत्र के लिए अलग-अलग कक्ष बनाये गए है। जहां अभ्यर्थी नाम निर्देशन प्रक्रिया पूरी करेंगे। इस दौरान पूरे परिसर में सीसी कैमरे के आलावा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गए है।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने आज कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में राजनीतिक दलों की बैठक लेकर निर्वाचन कार्यक्रम, नाम निर्देशन प्रक्रिया, सभा-रैली, वाहन अनुमति, आचार संहिता, रूट चार्ट, व्यय लेखा, निर्वाचक नामावली, ईवीएम एवं वीवीपेट का प्रथम रेण्डमाईजेशन आदि के संबंध में जानकारी दी। कलेक्टर ने बताया कि नाम निर्देशन प्रारंभ होने की तिथि 21 अक्टूबर, नाम निर्देशन की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर, नाम निर्देशन की संवीक्षा तिथि 31 अक्टूबर, अभ्यर्थियों द्वारा नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 2 नवंबर, मतदान की तिथि 17 नवंबर और मतगणना की तिथि 3 दिसंबर निर्धारित है। नाम निर्देशन पत्र सुबह 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक अवकाश दिवस को छोड़कर प्राप्त कर सकते है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि राजनैतिक दलों-अभ्यर्थियों को सार्वजनिक स्थलों पर सभा, रैली आयोजन करने तथा वाहनों का उपयोग के लिए सुविधा ऐप के माध्यम से अनुमति लेनी होगी।

120 से अधिक लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों को शो कॉज नोटिस

चुनाव ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर प्रशासन की कार्यवाही

जांजगीर, 2 अक्टूबर (देशबन्धु)। चुनाव ड्यूटी में लापरवाही बरतने वालों पर बड़ी कार्रवाई हुई है।112 से अधिक लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों को शो कॉज नोटिस जारी किया गया है। बताया जा रहा है कि मतदान दल के प्रशिक्षण के लिए बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें ये सभी शामिल नहीं हुए थे। इसके बाद ट्रेनिंग में शामिल नहीं होने वालों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

जानकारी के अनुसार जांजगीर चाम्पा जिले में निर्वाचन ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर 12 कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

18 अक्टूबर को मतदान दल के 5 हजार कर्मचारियों को मतदान प्रशिक्षण के लिए बैठक बुलाया गया था। आयोजित बैठक में कई सारे कर्मचारी शामिल नहीं हुए थे।

जिसके बाद नोडल अधिकारी, जिला पंचायत सीईओ ने नोटिस जारी किया है। ये सभी कर्मचारी अलग-अलग विभाग में पदस्थ हैं।

वहीं सभी कर्मचारियों ने नोटिस का जवाब तत्काल दे दिया है। जिसमें से 11 कर्मचारियों के जवाब में त्रुटियां पाई गई है, अब इन पर कार्रवाई की प्रक्रिया किया जा रही हैं।

डीजे साउंड बजाने वाले संचालक के विरुद्ध पुलिस ने की कार्यवाही

डीजे में ध्वनि नापने यंत्र नहीं लगा था

जांजगीर, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। तीव्र आवाज में डीजे साउंड बजाने वाले संचालक के विरुद्ध अकलतरा पुलिस ने कार्यवाही करते हुए जप्त किया है। पुलिस के अनुसार डीजे में ध्वनि नापने यंत्र नहीं लगा था जो प्रत्येक डीजे संचालक के लिए अनिवार्य है। डीजे संचालक का पुराना आपराधिक इतिहास भी चेक किया जा रहा है यदि पूर्व में कलाल अधिनियम का अपराध पाया जाता है तो डीजे के राजसात हेतु भी पत्र लिखा जाएगा।

उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार डीजे को जप्त किया गया और कोलाहल अधिनियम मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही कर न्यायालय में पेश किया जाएगा। मामले पर पुलिस ने बताया कि

आज शाम को अकलतरा में डीजे साउंड अधिक आवाज से चलाया जाने की सूचना पर रेड कार्यवाही किया गया, जहां पाया की अनुमति लेने के बाद भी ध्वनि सीमा से ज्यादा तेज गति से डीजे बज रहा था। हल्का मोटर वाहन में बड़ी- बड़ी डीजे रखकर जो वाहन से बाहर निकल रहे थे, लापरवाही पूर्वक वाहन प्रचलित कर रहा था, जो मोटर व्हीकल नियमों के विपरीत होना पाए जाने से डीजे संचालक के विरुद्ध विधिवत कार्यवाही किया गया। डीजे संचालक रामचरण कौशिक उम्र 22 साल निवासी तिलाई थाना जांजगीर के विरुद्ध थाना अकलतरा में धारा 15, 16 कोलाहल अधिनियम के तहत उपयोग किए हलका मोटर वाहन सीजी 11 एडब्लु 1634 एवं डीजे साउंड सिस्टम को जप्त कर कार्यवाही किया गया किया गया है। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक तुल सिंह पट्टावी, एएसआई अरुण सिंह, आरक्षक प्रदीप दुबे, विवेक ठाकुर का योगदान रहा।

किसान से दो लाख रुपए उठाईगिरी का सनसनीखेज मामला

जांजगीर, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। इस वक्त की बड़ी खबर जिला मुख्यालय जांजगीर से है, जहां घर के सामने स्कूटी की डिक्की से दो लाख रुपए उठाईगिरी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बताया जाता है वार्ड नंबर 19 आईबी रेस्ट हाउस के पास रहने वाले किसान दादूराम साहू ने बलौदा सहकारी बैंक से दो लाख रुपए निकाला और वह घर आया। उसने दो लाख रुपए को डिक्की से नहीं निकाली। जैसे ही घर के सामने उसने स्कूटी खड़ी की। उसके कुछ देर बाद उसकी डिक्की से रुपए गायब था। उसने मामले की सूचना पुलिस को दी। तभी पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और अपने स्तर से छानबीन शुरू की है।

अवैध रूप से फटाका बेचने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जांजगीर, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। थाना शिवरीनारायण क्षेत्र में अवैध रूप से फटाका बेचने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 3 नग कार्टून में भरा फटाका कीमती 20,000 रू. को जप्त किया गया।

थाना शिवरीनारायण क्षेत्र के ग्राम सलखन में अवैध रूप से फटाका बेचने कि मुखबीर सूचना पर रेड कार्यवाही किया पाया कि आरोपी भीम प्रसाद कश्यप उम्र 52 वर्ष साकिन सलखन थाना

शिवरीनारायण के द्वारा अवैध रूप से फटाका संग्रहण कर बिक्री करना पाया गया जिसके कब्जे से 3 नग कार्टून विभिन्न प्रकार के पटाखे को गवाहों के समक्ष विधिवत मौके पर जप्त किया जाकर आरोपी के विरुद्ध विस्फोटक एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक अशोक द्विवेदी थाना प्रभारी शिवरीनारायण,प्रधान आरक्षक तारिकेश पाण्डेय, श्रीकांत सिंह तेरस राम साहू द्वारका साहू का विशेष सराहनीय योगदान रहा।

अब तक 450 लाइसेंसी शस्त्रों को थाने में कराया जमा, 4 शेष

जांजगीर, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। अगामी विधान सभा चुनाव के मद्देनजर चुनाव आयोग के निर्देशानुसार जिला पुलिस द्वारा जिले के 450 लाइसेंसी शस्त्रों को थाने में जमा कराया गया। जिले में कुल 454 लाइसेंसी शस्त्र धारक है।

जांजगीर जिले में कुल 454 लाइसेंसी शस्त्र धारक है इनमें से 450 जमा हो चुके हैं, 04 जो शेष है वह दिगर प्रांत के है उनसे भी संपर्क किया गया है और शीघ्र जमा कर लिया जाएगा। अगामी विधान सभा चुनाव ब्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए जिले में लाइसेंसी शस्त्र धारको का शस्त्रों को थाना में सुरक्षार्थ रखा जा रहा है। इसी क्रम में थाना जांजगीर क्षेत्र के 122 चौकी नैला क्षेत्र के 18, थाना अकलतरा क्षेत्र के 71, थाना मुलमुला क्षेत्र के 40, थाना नवागढ़ क्षेत्र के 36, थाना

शिवरीनारायण क्षेत्र के 23, थाना पामगढ क्षेत्र के 29, थाना चाम्पा क्षेत्र के 50, थाना सारागांव क्षेत्र के 13, थाना बम्हनीडीह क्षेत्र के 17, थाना बिर्रा क्षेत्र के 08, थाना बलौदा क्षेत्र के 17, एवं चौकी पंतोरा क्षेत्र के 06 इस प्रकार जिले में कुल 450 लायसेंसी शस्त्रों को थाना में सुरक्षार्थ जमा कराया जा चुका है। जिले के 04 शेष बचें लाइसेंसी शस्त्र धारकों को शीघ्र ही शस्त्र जमा कराने हेतु संपर्क किया गया है, जिसको शीघ्र ही जमा कर लिया जाएगा।

देश विदेश

गाजा के मुख्य अस्पताल में केवल अगले 24 घंटों तक बिजली रहेगी: एमएसएफ

गाजा, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (एमएसएफ) ने कहा कि गाजा के मुख्य अस्पताल, अल-शिफा में बिजली जनरेटर के लिए ईंधन का भंडार अधिकतम 24 घंटे तक ही रहेगा। गुरुवार को एक समाचार रिपोर्ट में, एमएसएफ ने कहा कि बिजली के बिना कई मरीज मर जाएंगे। मधुमेह और कैंसर जैसी बीमारियों वाले मरीज और गर्भवती महिलाएं भी दवाओं की सामान्य कमी के कारण खतरे में हैं। गाजा स्थित फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 7 अक्टूबर को हमास-इजराइल संघर्ष शुरू होने के बाद से शुक्रवार तक एन्क्लेव में कम से कम 1,524 बच्चों सहित 3,785 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 12,500 से अधिक अन्य घायल हुए हैं।

बाइडेन ने अमेरिकियों से की इज़राइल व यूक्रेन का समर्थन करने की अपील

'हम एक महान राष्ट्र के रूप में अपनी जिम्मेदारियों के रास्ते में क्षुद्र पक्षपातपूर्ण, क्रोधपूर्ण राजनीति को नहीं आने दे सकते:-जो बाइडेन

वाशिंगटन, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने देश के नागरिकों से इजरायल और यूक्रेन का समर्थन करने का आग्रह किया। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को ओवल कार्यालय से राष्ट्र के नाम एक संबोधन में राष्ट्रपति ने इतिहास में इस क्षण को एक महत्वपूर्ण बिंदु बताया। उन्होंने अमेरिकी लोगों से अपील की और यूक्रेन, इज़राइल, ताइवान और अमेरिकी सीमा पर सहायता और संसाधन पहुंचाने के लिए कांग्रेस से लगभग 100 बिलियन डॉलर की अनुमति का अनुरोध किया। बाइडेन ने कहा, 'हमास और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अलग-अलग खतरों का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन वे इसे साझा करते हैं: वे दोनों पड़ोसी लोकतंत्र को नष्ट करना चाहते हैं।' उन्होंने कहा, 'हम एक महान राष्ट्र के रूप में अपनी जिम्मेदारियों के रास्ते में क्षुद्र पक्षपातपूर्ण, क्रोधपूर्ण राजनीति को नहीं आने दे सकते। हम हमास जैसे आतंकवादियों और पुतिन जैसे अत्याचारियों को जीतने नहीं दे सकते और न ही जीतने देंगे।' उन्होंने जारी युद्धों को राष्ट्रीय सुरक्षा अनिवार्यता और दुनिया भर में अमेरिकी नेतृत्व और लोकतंत्रों के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने कहा कि दोनों युद्धों के लिए समर्थन 'अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण' है। 'इतिहास ने हमें सिखाया है कि जब आतंकवादी अपने आतंक के लिए कीमत नहीं चुकाते हैं, जब तानाशाह अपनी आक्रामकता के लिए कीमत नहीं चुकाते हैं, तो वे अधिक अराजकता, मृत्यु और अधिक विनाश का कारण बनते हैं।

'अगर हम यूक्रेन में सत्ता और नियंत्रण के लिए पुतिन की भूख को नहीं रोकते हैं, तो वह खुद को सिर्फ यूक्रेन तक ही सीमित नहीं रखेंगे। अगर हम चले जाते हैं और पुतिन को यूक्रेन की आजादी को खत्म करने देते हैं, तो यह दुनिया के भविष्य के लिए खतरनाक साबित होगा।' उन्होंने कहा, 'संघर्ष और अराजकता का खतरा दुनिया के अन्य हिस्सों में फैल सकता है - इंडो पैसिफिक में, मध्य पूर्व में, खासकर मध्य पूर्व में।'

इजरायल-गाजा सीमा के पास इजरायली सैन्य गतिविधि में बढ़ोतरी

लंदन, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजरायल-गाजा सीमा पर इजरायली टैंक जमा हो गए हैं और हजारों सैनिकों ने युद्ध के लिए खुद को तैयार कर लिया है। हजारों इजरायली सैनिक, बड़ी संख्या में टैंक और बख्तरबंद वाहन अब गाजा पट्टी पर जमीनी हमले के लिए सीमा पर तैनात हैं, जहां 203 बंधकों को हमास ने बंदी बना रखा है। डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार सुबह तड़के सीमा पर भारी मशीनी गोलीबारी की आवाज सुनने के बाद सीमा पर तोपखाने और जवानों की भीड़ जमा हो गई। इजरायल ने गाजा पर लगातार हवाई हमले करना जारी रखा और उसने लेबनानी सीमा के पास एक उत्तरी इजरायली शहर को खाली करना शुरू कर दिया, जो आसन्न जमीनी आक्रमण का एक और संकेत है जो पूरे मध्य पूर्व में उथल-पुथल पैदा कर सकता है। डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, छोटे से इलाके में फंसे 20 लाख फिलिस्तीनी, जहां हजारों लोग मारे गए हैं और पूरे शहर नष्ट हो गए हैं, अब खुद को आक्रमण के लिए तैयार कर रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप और बड़ी क्षति होने की आशंका है।

इजरायली रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने भी गाजा सीमा पर तैनात सैनिकों का दौरा किया और उनसे कहा कि वे जल्द ही फिलिस्तीनी एन्क्लेव को 'अंदर से' देखेंगे। आईडीएफ में एक पैदल सेना कमांडर ने डेलीमेल को बताया कि वे आक्रमण के लिए तैयार थे, उन्होंने कहा कि उनके सैनिकों के बीच 'बहुत उच्च स्तर का आशावाद' था। इजरायल के नेता गाजा को उसके हमास शासकों से मुक्त कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं, भले ही इसके लिए घर-घर जाकर अभियान चलाना पड़े, जो 'वर्षों' तक चल सकता है और इसके परिणामस्वरूप फिलिस्तीनियों को और बड़ी क्षति हो सकती है।

इराक, सीरिया में अमेरिकी सैनिकों ने हाल ही में किए कई बार हमले

वाशिंगटन। अमेरिकी नौसेना के युद्धपोत ने ईरान-गठबंधन हौथी आंदोलन द्वारा यमन से लॉन्च की गई मिसाइलों और ड्रोन को रोक दिया है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, पेंटागन के एक प्रवक्ता ने कहा कि मिसाइलों को संभावित रूप से इजरायल में लक्ष्यों की ओर लॉन्च किया गया था। यूएसएस कार्नी, एक निर्देशित मिसाइल विध्वंसक, गुरुवार को उत्तरी लाल सागर में काम कर रहा था। पेंटागन ने कहा कि इराक और सीरिया में अमेरिकी सैनिकों पर हाल के दिनों में कई बार हमला किया गया, साथ ही यह भी कहा कि वाशिंगटन ईरान समर्थित समूहों की गतिविधि के लिए अलर्ट पर है क्योंकि इजरायल ने गाजा में हमास के ठिकानों पर हमला करना जारी रखा है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, पेंटागन के ब्रिगेडियर जनरल पैट्रिक राइडर ने कहा कि यमन से दागी गई तीन जमीनी हमले वाली क्रूज मिसाइलों और कई ड्रोनों को मार गिराया गया है।

सुडोकू 6353

		5			2			
	6	2		4			9	
				7				4
7				3	1	8		
	3						5	
		4	2	8				6
6				2				
	9			5		3	2	
			3			4		

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6353

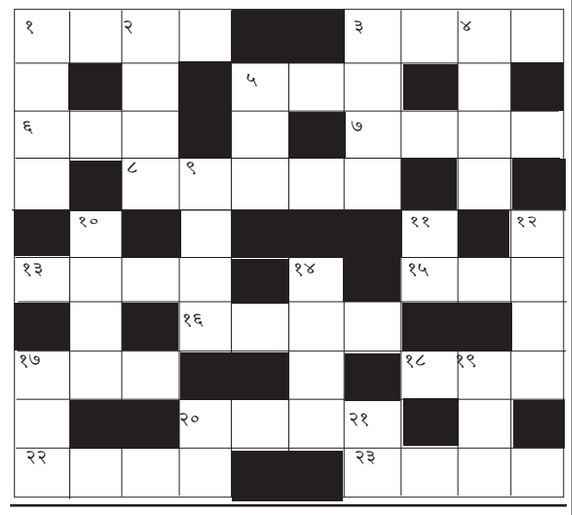

बायें से दायें:-

१. प्यार भरी बातचीत
३. निछावर
५. अस्तित्व (उर्दू)
६. गाने वाला
७. शाक, सब्जी
८. चंद्रमा
१३. मेहनत
१५. आईना
१६. लुंगी
१७. प्रण
१८. जुड़ा, मिला हुआ, सहित
२०. प्रार्थना के योग्य
२२. मामूली
२३. सूर्य

ऊपर से नीचे:-

१. दर्शक दीर्घा
२. फायदेमंद
३. बहुत ही बुरा (उर्दू)
४. भय-दुख या पीड़ा से पीड़ित होकर जोर से रोना-चिल्लाना
५. भारी (उर्दू)
९. तकलीफ़, झंझट (उर्दू)
१०. अंत, अवसान, नतीजा
११. लज्जत, जायका
१२. उऋण, जिसने कर्ज से छुटकारा पा लिया हो
१४. आय (उर्दू)
१७. तारीफ़
१९. जवान, तरुण
२०. जान, जी, दम
२१. अगर

वर्ग पहेली-6352

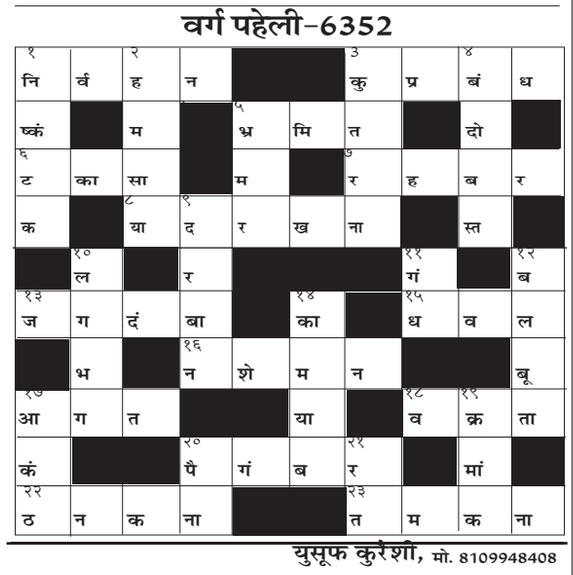

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : शनिवार 21 अक्टूबर , 2023 आश्विन शुक्ल पक्ष 7

राशिफल

मेष -आज के दिन आप थकान, आलस्य और चिंता का अनुभव करेंगे। आज आपमें ताज़गी और स्फूर्ति नहीं रहेगी। बात-बात में आपको गुस्सा आएगा। नौकरीपेशा लोग आज किसी बात को लेकर चिंतित रहेंगे।

वृषभ -आज आप शारीरिक तथा मानसिक रूप से अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। किसी नए काम की शुरुआत ना करें। खान-पान में विशेष ध्यान रखें। स्वास्थ्य बिगड़ने की आशंका बनी रहेगी। संभव हो तो प्रवास टालें।

मिथुन -आज के दिन आप मनोरंजन तथा आनंद-प्रमोद में व्यस्त रहेंगे। मित्रों तथा परिजनों के साथ आनंदित वातावरण में दिन गुजार सकेंगे। सामाजिक रूप से सम्मान और प्रसिद्धि भी प्राप्त कर सकेंगे। दांपत्यजीवन में सुख मिलेगा।

कर्क -आज का दिन आपके लिए आनंददायक रहने वाला है। परिजनों के साथ समय सुख से गुजरेगा। आवश्यक काम पर धन खर्च होगा। आर्थिक लाभ के लिए दिन अच्छा है।

सिंह -आज आपका शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आज अपनी रचनात्मकता से कोई कठिन काम आसानी से पूरा कर पाएंगे। संतान की ओर से शुभ समाचार मिलेंगे। मित्रों के साथ मुलाकात आनंददायी होगी।

कन्या -आज समय अनुकूल नहीं है। कई बातों को लेकर आप को चिंता रहेगी, जिससे आप शारीरिक तथा मानसिक रूप से अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। परिवार के सदस्यों के साथ अनबन हो सकती है।

तुला -आज का दिन भाग्यवृद्धि का रहने वाला है। भाई-बहनों के साथ संबंध अच्छे रहेंगे। किसी धार्मिक प्रवास का आयोजन हो सकता है। नए काम की शुरुआत के लिए दिन शुभ है। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

वृश्चिक -आज का दिन आपके लिए मध्यम फलदायी है। अनावश्यक खर्च पर अंकुश रखें। वाणी पर संयम रखने से परिवार में सुख-शांति बना पाएंगे। विचारों पर नकारात्मकता छाई रहेगी, जिसे दूर करने का प्रयास करें।

धनु -आप शारीरिक तथा मानसिक स्वस्थ्य का ध्यान रखें। आज आप निर्धारित काम कर सकेंगे। आर्थिक लाभ की प्राप्ति होगी। प्रवास की विशेषकर धार्मिक यात्रा की संभावनाएं हैं।

मकर -आज के दिन आपको सावधानीपूर्वक रहना होगा। आज व्यावसायिक कामों में किसी का हस्तक्षेप बढ़ेगा। खर्च सामान्य से अधिक रहेगा। धार्मिक, सामाजिक कामों में व्यस्तता रहेगी और खर्च भी हो सकता है।

कुंभ -नए काम की शुरुआत के लिए आज का दिन अच्छा है। नौकरी तथा व्यापार में लाभ होने की संभावना है। मित्रों से लाभ मिल सकता है। भाग्य आप पर मेहरबान रहेगा। सामाजिक क्षेत्र में आपकी ख्याति बढ़ेगी।

मीन -आपका दिन अत्यंत शुभ फलदायी है। आज आपके सभी कामों सफलता मिलेगी। अधिकारियों की कृपादृष्टि के कारण प्रसन्नता भरा दिन रहेगा। व्यापारियों को व्यापार में वृद्धि तथा सफलता मिलेगी। पिता तथा बड़े-बुजुर्गों से लाभ होगा।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

'उ. कोरिया के पास दक्षिण कोरिया में अमेरिकी बल पर हमला करने का अधिकार सुरक्षित'

प्योंगयांग, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया ने कहा है कि उसके पास अमेरिका की दक्षिण कोरिया में स्थानांतरित की जा रही रणनीतिक सेनाओं पर पूर्वव्यापी हमला करने का अधिकार सुरक्षित है। उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मीडिया ने इस सप्ताह की शुरुआत में बताया था कि अमेरिकी परमाणु-सक्षम बी-52 बमवर्षक विमान पिछले दिसंबर में कोरियाई वायु सेना के साथ प्रशिक्षण शुरू करने के बाद पहली बार मंगलवार को दक्षिण कोरिया के हवाई अड्डे पर उतरा। लैंडिंग के बाद, दक्षिण कोरियाई मीडिया ने इस मामले से परिचित सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि सोल, अमेरिका और जापान 22 अक्टूबर को कोरियाई प्रायद्वीप के पास अपना पहला संयुक्त हवाई अभ्यास करेंगे, जिसमें जिसमें 'तीन देशों के बी-52 एस्कॉर्ट फाइटर जेट्स के साथ एक फॉर्मेशन फ्लाइट' भी शामिल होगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण कोरिया में तैनात कोई भी अमेरिकी रणनीतिक संपत्ति 'नष्ट होने वाला पहला लक्ष्य' बन जाएगी। इसमें कहा गया है कि अमेरिका 'अच्छी तरह से जानता होगा कि कोरियाई प्रायद्वीप तकनीकी रूप से युद्ध में है।' सरकारी मीडिया के मुताबिक उत्तर कोरिया का यह भी मानना है कि वे दिन गए जब पूर्वव्यापी हमले का अधिकार अमेरिका का 'एकाधिकार' था। उत्तर कोरिया का यह भी मानना है कि 22 अक्टूबर के लिए योजनाबद्ध संयुक्त अभ्यास अमेरिका के जानबूझकर परमाणु युद्ध उत्तेजक कदम हैं। पिछले हफ्ते परमाणु-संचालित अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस रोनाल्ड रीगन और उसका युद्ध समूह दक्षिण कोरिया के सबसे बड़े बंदरगाह बुसान में पहुंचे। इसके बाद उत्तर कोरिया की आलोचना हुई, जिसने बंदरगाह पर विमानवाहक पोत आने को सैन्य उकसावे के रूप में वर्णित किया। उत्तर का तर्क है कि प्रायद्वीप पर परमाणु संपत्तियों का निर्माण क्षेत्र को अस्थिर कर रहा है

नीजर के अपदस्थ राष्ट्रपति ने की भागने की कोशिश: सैन्य जुंटा

नियामी, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। नीजर की सैन्य जुंटा, जिन्होंने जुलाई में तख्तापलट के बाद सत्ता पर कब्जा कर लिया था, ने कहा कि अपदस्थ राष्ट्रपति मोहम्मद बजौम ने अपने परिवार, रसोइयों और सुरक्षा के साथ हिरासत से भागने की कोशिश की। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी टीवी पर एक संबोधन में सैन्य प्रवक्ता अमादौ अब्दमाने ने कहा कि भागने का प्रयास गुरुवार सुबह करीब 3 बजे हुआ। उन्होंने कहा, 'अपदस्थ राष्ट्रपति मोहम्मद बजौम और उनके परिवार, उनके दो रसोइयों और उनके सुरक्षाकर्मी ने हिरासत से भागने की कोशिश की।' अब्दामने के अनुसार, बजौम ने राजधानी नियामी के बाहरी इलाके में एक ठिकाने पर भागने की योजना बनाई थी और बाद में एक विदेशी हेलीकॉप्टर पर सवार होकर नाइजीरिया की ओर उड़ान भरने की योजना बनाई थी। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने बजौम के प्रयास को 'गैर-जिम्मेदाराना रवैया' बताया। 26 जुलाई को उनके राष्ट्रपति गार्ड के सदस्यों द्वारा तख्तापलट करने के बाद से अपदस्थ राष्ट्रपति घर में नजरबंद हैं।

गाजा की घेराबंदी के खिलाफ इजरायल मध्य पूर्व के अधिकांश हिस्सों में विरोध प्रदर्शन होने की उम्मीद

गाजा, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजरायल द्वारा गाजा की घेराबंदी के खिलाफ शुक्रवार को मध्य पूर्व के अधिकांश हिस्सों में विरोध प्रदर्शन होने की उम्मीद है क्योंकि सहायता एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि एन्क्लेव के अस्पतालों में ईंधन खत्म हो रहा है और आशंका है कि मिस्र में जीवन रक्षक सहायता एक और दिन तक अटकी रहेगी। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, गाजा में मानवीय संकट हर घंटे बिगड़ रहा है, इजरायली नेता संभावित जमीनी घुसपैठ की तैयारी के लिए सैनिकों को इकट्ठा कर रहे हैं और शुक्रवार की सुबह उन्होंने लेबनान की सीमा के पास रहने वाले लगभग 23,000 निवासियों को अनिवार्य निकासी आदेश जारी किया। इजरायली युद्धक विमानों की लगातार बमबारी ने सैकड़ों हजारों लोगों को बेघर कर दिया है और पूरे मध्य पूर्व में विरोध प्रदर्शन बढ़ गया है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, मिस्र के राज्य-संबद्ध राजनीतिक दलों और संस्थानों ने फिलिस्तीनियों के समर्थन में शुक्रवार को मिस्र में राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है। यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने गुरुवार को कहा कि इजराइल-हमास युद्ध से क्षेत्रीय फैलाव का जोखिम 'वास्तविक' है।

कनाडा के साथ द्विपक्षीय संबंध अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का उल्लंघन नहीं: भारत सरकार

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। कनाडा ने बड़ी संख्या में अपने राजनयिकों को भारत से वापस बुलाया है। इस पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों की वर्तमान स्थिति और नई दिल्ली के मामलों में ओटावा के निरंतर हस्तक्षेप को देखते हुए राजनयिक उपस्थिति में समानता होनी जरूरी है।

भारत ने इस आरोप को भी खारिज कर दिया कि समानता बनाए रखने के प्रयास अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का उल्लंघन हैं। 'हमने भारत में कनाडाई राजनयिक उपस्थिति के संबंध में 19 अक्टूबर को कनाडा सरकार का बयान देखा है। हमारे द्विपक्षीय संबंधों की स्थिति, भारत में कनाडाई राजनयिकों की बहुत अधिक संख्या और हमारे आंतरिक मामलों में उनके निरंतर हस्तक्षेप से नई दिल्ली और ओटावा में पारस्परिक राजनयिक उपस्थिति की समानता की जरूरत है।' विदेश मंत्रालय के बयान में आगे कहा गया है, 'हम इसके कार्यान्वयन के तौर-तरीकों पर काम करने के लिए पिछले महीने से कनाड से जुड़े हुए हैं। इस समानता को लागू करने में हमारे कार्य पूरी तरह से वियना कन्वेंशन के अनुच्छेद 11.1 के अनुरूप हैं।' अनुच्छेद 11.1 के अनुसार, 'मिशन के आकार के संबंध में कोई विशेष समझौता नहीं है। मिशन को उचित और सीमा के भीतर रखने की आवश्यकता हो सकती है, जरूरत के हिसाब से।' बयान में आगे कहा गया, 'हम समानता के कार्यान्वयन को अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के उल्लंघन के रूप में चित्रित करने के किसी भी प्रयास को खारिज करते हैं।'

आज का इतिहास

1296-अलाउद्दीन खिलजी ने दिल्ली की गद्दी संभाली थी।
1555-इंग्लैंड के संसद ने फिलिप को स्पेन के राजा मानने से इनकार किया।
1577-गुरू रामदास ने अमृतसर नगर की स्थापना की।
1727-रूस और चीन ने सीमाओं को सही करने के लिए समझौते किये।
1797 -अमेरिकी नौसेना के लिए बनाए गए पहले मालवाहक जहाजों में से एक द कंस्टीच्यूशंस का बोस्टन में जलावतरण किया गया।
1805 -स्पेन के तट पर ट्राफलगर की लड़ाई में फ्रांस और स्पेन की 33 पोत के बेड़े वाली संयुक्त नौसेना को ब्रिटेन की 27 पोत के बेड़े वाली नौसेना ने पराजित किया।
1833 -स्वीडन के स्टॉकहोम में अल्फ्रेड नोबेल का जन्म हुआ जिन्हें डायनामाइट के खोजकर्ता के तौर पर जाना जाता है। उनके नाम पर कुल 355 पेटेंट हैं। नोबेल पुरस्कार के नाम से दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान स्थापित करने का श्रेय उन्हें जाता है।
1934 -जयप्रकाश नारायण ने कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी की स्थापना की।
1943 -नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने स्वतंत्र भारत की प्रांतीय सरकार बनाई।
1950 -चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी तिब्बत में दाखिल हुई और कुनलुन तथा हिमालय की विशाल पर्वत श्रृंखलाओं के बीच 16000 फुट की ऊंचाई पर स्थित इस आध्यात्मिक और शांतिप्रिय देश पर कब्जा कर लिया।1951-भारतीय जनसंघ की स्थापना हुई।
1954 -भारत और फ्रांस ने पुडुचेरी, कराइकल, और माहे को भारतीय गणतंत्र में शामिल करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किया। यह समझौता 1 नवम्बर से लागू हुआ।

संकट *चीन सीमा से जवान हटाने को राजी नहीं भारत*

चीनी सेना पर भरोसा नहीं भारतीय सेना को

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 2 अक्तूबर (देशबन्धु)। रक्षाधिकारियों के मुताबिक, चीन पर भरोसा करना खुद को धोखा देने जैसा है। दरअसल, उसकी कथनी-करनी में कोई मेल नहीं है। सीमा पर बने तनावपूर्ण हालात में कमी लाने की बात तो वह करता है लेकिन सीमा पर उसकी गतिविधियां संदेह प्रकट करती हैं। पूर्वी लद्दाख सहित वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर तनाव कम करने के लिए हालांकि अब 2 दौर की बातचीत दोनों देशों के सैन्य कमांडरों के बीच हो चुकी है पर पर पिछली बातचीत में हुए मौखिक समझौते को तोड़ते हुए उसने तनाव बढ़ाने वाली कार्रवाईयां आरंभ कर दी हैं।

जानकारी के मुताबिक चीन ने पैंगांग झील के उत्तरी हिस्से में अपनी नई सैन्य टुकड़ियां भेजना शुरू कर दिया है। हालांकि इसकी आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हो पाई थी। जाहिर है कि पीएलए की यह गतिविधि दर्शाती है कि उसकी मंशा इस इलाके में फिलहाल पीछे हटने की नहीं है। हालांकि इसकी भारत की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

भारत का भी मानना है कि सीमा पर सैनिकों की वापसी की पहल एक लंबी प्रक्रिया से गुजरेगी। सेना का मानना है कि भारत यदि अपने सैनिकों को पीछे हटाता है तो उन जगहों पर पीएलए के सैनिक आ जाएंगे। इसलिए भारत अपने नियंत्रण वाले ऊंचाइयों को छोड़ने के पक्ष में नहीं है। चीन सीमा पर भयंकर सर्दी पड़ने लगी है। पारा शून्य से 15 डिग्री नीचे तक चला गया है। पर खराब मौसम में लगातार चौथे साल बने रहने की भारत ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है। चीन के सैनिकों के लिए इतनी ऊंचाई और सर्दी में रहने की आदत नहीं है।

वैसे हिन्द-चीन की सेनाओं के बीच 20वें दौर की वार्ता के बेनतीजा रहने के उपरांत से भारत इसके प्रति उम्मीद छोड़ दी थी कि चीनी सैनिक लद्दाख के विवादित क्षेत्रों से पूरी तरह से पीछे हटेंगें। ऐसे में अब एलएसी पर लंबे समय तक टिके रहने और भयानक सर्दी से बचाव की योजनाएं लागू की जाने लगी हैं। रक्षा सूत्रों के बकौल, दरअसल चीनी सैनिकों की वापसी का मामला दो बिंदुओं पर ही अटका हुआ है। पहला, पहल कौन करे। इस पर वार्ता में शामिल भारतीय सेनाधिकारियों का कहना था कि समझौते चीन की सेना ने तोड़े हैं तो पहल भी उसे ही करनी होगी। दूसरा सबसे बड़ा मुद्दा जिस पर सहमति नहीं बन पाई कि इस बात की आखिर क्या गारंटी है कि चीनी सेना पुन: लद्दाख के इलाकों में घुसपैठ कर विवाद खड़ा नहीं करेगी। यह भारतीय सेना के अधिकारियों की चिंता का विषय इसलिए भी है क्योंकि पिछले कई सालों से यही हो रहा है कि चीन भी अब पाकिस्तान की ही तरह समझौतों की लाज नहीं रख रहा है। यह भी सच है कि लद्दाख में चीन अब धोखे वाली रणनीति अपनाते हुए जो चाल चल रहा है वह खतरनाक कही जा सकती हैं। इससे अब भारतीय सेना अनभिज्ञ नहीं है। यही कारण है कि उसने अब पैंगांग झील के सभी फिंगरों के अतिरिक्त आठ अन्य विवादित क्षेत्रों पर भी अतिरिक्त सैनिक भिजवाने की पहल आरंभ कर दी है।

सुडोकू 6353 का हल

4	7	5	9	1	2	6	8	3
1	6	2	8	4	3	5	9	7
3	8	9	6	7	5	2	1	4
7	2	6	5	3	1	8	4	9
9	3	8	7	6	4	1	5	2
5	1	4	2	8	9	7	3	6
6	4	3	1	2	8	9	7	5
8	9	7	4	5	6	3	2	1
2	5	1	3	9	7	4	6	8

दुनिया को जानें

स्मार्टफोन ऐप 'ओपनकैप' बीमारी के जोखिम की करेगा जांच

न्यूयॉर्क, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी शोधकर्ताओं की एक टीम ने एक स्मार्टफोन ऐप डेवलप किया है, जो किसी व्यक्ति की एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने की क्षमता को ट्रैक और एनालिसिस कर सकता है। इसे लोकोमोशन और अन्य प्रकार की गतिविधियों के रूप में जाना जाता है। शोधकर्ताओं ने 100 प्रतिभागियों के साथ 'ओपनकैप' नामक ऐप का टेस्ट किया। दो या दो से ज्यादा स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते हुए, ऐप ने मसल्स एक्टिवेशन, ज्वाइंट लोड्स और ज्वांइट मूवमेंट्स के वेब-बेस्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एनालिसिस की अनुमति देने के लिए क्वालिटी वीडियो रिकॉर्ड किए। पीएलओएस कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी जर्नल में प्रकाशित स्टडी के अनुसार, 100 प्रतिभागियों के लिए डेटा कलेक्शन में 10 घंटे से भी कम समय लगा और परिणामों की गणना में 31 घंटे लगे। यह स्टडी स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के स्कॉट एल. डेल्प और उनके सहयोगियों द्वारा आयोजित किया गया था। लोकोमोशन एनालिसिस के लिए फिक्स्ड लैब स्पेस और 150,000 डॉलर से ज्यादा मूल्य के उपकरणों की आवश्यकता होती है, जिसमें त्रि-आयामी इमेज को कैप्चर करने के लिए आठ या ज्यादा स्पेशलाइज्ड कैमरे शामिल हैं।

खेल जगत

लसिथ मलिंगा को मुंबई इंडियंस ने नियुक्त किया नया गेंदबाजी कोच

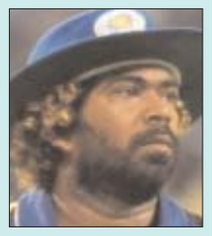

मुंबई, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2024 सीजन से पहले श्रीलंका के तेज गेंदबाजी दिग्गज लसिथ मलिंगा को अपना नया गेंदबाजी कोच घोषित किया है। मलिंगा शेन बॉन्ड की जगह लेंगे, जो 2015 से इस सप्ताह के शुरू में पद छोड़ने तक टीम में इस पद पर थे। मलिंगा, जो पहले 2022 और 2023 सीजन के लिए आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाजी कोच थे। वो मार्क बाउचर के नेतृत्व वाली मुंबई इंडियंस कोचिंग टीम में शामिल हो गए हैं और उनके पूर्व साथी कीरोन पोलार्ड, जो बल्लेबाजी कोच के रूप में कार्यरत हैं उनके साथ टीम से जुड़ेंगे। मलिंगा ने कहा, मुंबई इंडियंस का गेंदबाजी कोच नियुक्त किया जाना मेरे लिए वास्तव में सम्मान की बात है। एमआई न्यूयॉर्क और एमआई केपटाउन के बाद वनफैमिली में मेरी यात्रा जारी है। मैं मार्क, पॉली, रोहित शर्मा और बाकी टीम के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।

वॉर्नर और मिचेल मार्श के तूफानी शतकों से ऑस्ट्रेलिया ने बनाए 9 विकेट पर 367 रन

■ पाक के अफरीदी ने चटकाए पांच और रउफ ने तीन विकेट

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। अनुभवी सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर और मिचेल मार्श के तूफानी शतकों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के खिलाफ बेंगलुरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईसीसी वन डे क्रिकेट विश्व कप के अहम मैच में शुक्रवार को पहले बल्लेबाजी की दावत पाकर निर्धारित 50 ओवर में नौ विकेट पर 367 रन का मजबूत स्कोर खड़ा। वॉर्नर(163 रन, 124 गेंद, 9 छक्के, 15 चौके) और मिचेल मार्श (121रन, 108 गेंद, 10 चौके, 9 छक्के) की 33. 5 ओवर में पहले विकेट की 259 रन की तूफानी भागीदारी ने ऑस्ट्रेलिया के मजबूत स्कोर की नीवं रखी। पाकिस्तान के सबसे कामयाब बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी (5/54) ने अपने दूसरे स्पैल के पहले ओवर में मार्श को आउट कर उनकी और वॉर्नर की बड़ी भागीदारी को तोडने के बाद अगली गेंद पर ग्लेन मैक्सवेल को आउट किया और पारी के आखिरी के ओवर की शुरू की दो गेंदों में मिचेल स्टार्क(2) और अगली पर जोश हेजलवुड को आउट कर पांच विकेट चटकाए। पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी और और हैरिस उर रउफ(3/83) ने लेग स्पिनर उस्मा मीर(1/82) के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलिया का पहला विकेट 259 रन पर गिरने के बाद अंतिम 16ओवर में उसके अगले आठ विकेट 108 रन निकाल कर उसे निश्चित रूप से पहाड़ का स्कोर खड़ा करने से रोक दिया। शाहीन शाह अफरीदी ने अपने ससुर शाहिद अफरीदी की तरह वन डे विश्व कप में दो बार पांच विकेट लेने के कारनामे की बराबरी कर ली। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी के सात ओवर में 42 रन के पांच विकेट खोए

वॉर्नर और मार्श ने पारी के 31 वें बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाज सातवें ओवर में दो गेंदों के भीतर शतक पूरे किए। वॉर्नर ने नवाज की गेंद को ड्राइव कर लॉन्ग ऑन पर खेल एक रन दौड़ कर 85 गेंद खेल छह छक्कों और सात चौकों की मदद से पाकिस्तान के खिलाफ लगातार चौथा शतक पूरा किया और वन डे विश्व कप में अपना पांचवां शतक जड़ रिकी पॉन्टिंग (चार शतक) के ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे शतक जडने के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। बर्थ डे ब्वॉय मिचेल मार्श ने नवाज की गेंद पर चौका जड़ 101 गेंद खेल छह छक्कों और दस चौकों की मदद से वन डे विश्व कप में अपना पहला शतक पूरा किया। तीन ओवर बाद पाकिस्तान के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी के दूसरे स्पैल के लिए गेंद संभालने पर मार्श ने उनकी शुरू की चार गेंदों में दो छक्के जडने के बाद मार्श के फिर उनकी गेंद को उड़ाने के फेर में शॉर्ट फाइन लेग स्पिनर उस्मा मीर को कैच थमाने से उनकी और वॉर्नर की 259 रन की बड़ी भागीदारी आखिर टूट गई। अफरीदी ने अपनी अगली ही गेंद पर नए बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल (0) को कसान बाबर आजम के हाथों मिड ऑन पर कैच करा आउट कर पाकिस्तान को बहुत राहत दिलाई। अफरीदी ने अपने इस चौथे ओवर में दो छक्कों सहित 13 रन देकर मार्श और मैक्सवेल के अहम विकेट चटकाए। पारी के 35वें और लेग स्पिनर उस्मा मीर के सातवें ओवर की पांचवीं गेंद पर कसान बाबर आजम ने स्टीव स्मिथ (2) का आसान कैच टपका दिया अन्यथा पाकिस्तान को दो रन के भीतर तीसरा विकेट मिल जाता और वह मैच में वापसी कर सकता था। उस्मा मीर ने पारी के अपने अगले और पारी के 39 वें ओवर में स्टीव स्मिथ (7)को ड्राइव करने के मजबूर खुद ही उनका कैच लपक कर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर तीन विकेट पर 284 कर दिया। वॉर्नर ने तेज गेंदबाज हैरिस रउफ के दूसरे स्पैल के पहले ओवर में उनकी कटर पर तेज प्रहार करने की कोशिश में स्थानापन्न फील्डर शादाब खान को पारी के 43 वें ओवर कैच थमा दिया और ऑस्ट्रेलिया ने अपना चौथा विकेट 325 रन पर खो दिया । ऑस्ट्रेलिया के स्कोर में 14 रन और जुड़े कि रउफ ने अपने अगले ओवर में जोश इंग्लिश(13) को विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान के हाथों कैच कराया। शाहीन शाह अफरीदी ने मरकस स्टोइनस (21 रन, 24 गेंद, एक छक्का, एक चौका) को एलबीडब्ल्यू आउट कराया अपना तीसरा विकेट चटकाया। हैरिस रउफ के बाउंसर पर मरनस लबुशेन(8)ने डीप मिडविकेट पर स्थानापन्न फील्डर शादाब को कैच थमा दिया और ऑस्ट्रेलिया ने सातवां विकेट 360 रन पर खो दिया। शाहीन शाह अफरीदी ने अपने और पारी के 50 वें अंतिम ओवर की पहली गेंद पर मिचेल स्टार्क(2) सौद शकील के हाथों कैच कराया और अगली गेंद पर जोश हेजलवुड(0) के हाथों कैच करा उसका स्कोर नौ विकेट पर363 कर दिया।

वार्नर-मार्श ने ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी का रिकॉर्ड बनाया

बेंगलुरु। ऑस्ट्रेलिया की सलामी जोड़ी डेविड वार्नर और मिशेल मार्श ने पाकिस्तान के गेंदबाजी आक्रमण को धराशायी कर दिया और यहां एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के लिए 259 रनों की सबसे बड़ी विश्व कप की शुरुआती साझेदारी दर्ज की। इस धुंआधार बल्लेबाजी ने उन्हें 211 विश्व कप में कनाडा के खिलाफ शेन वॉटसन और ब्रैड हैडिन के 183 रनों के रिकॉर्ड को पार करने में मदद की। शाहीन शाह आफरीदी ने मिशेल मार्श का विकेट लेकर 259 रन की शुरुआती साझेदारी का अंत किया। मैदान के चारों ओर पाकिस्तानी गेंदबाजों की पिटाई करने के बाद मार्श पवेलियन लौट गए, उन्होंने 18 गेंदों पर 121 रन बनाए, जिसमें 1 चौके और 9 छक्के लगाए। वार्नर ने 124 गेंदों पर 163 रन में 14 चौके और नौ छक्के लगाए। किसी भी बल्लेबाजी क्रम में ऑस्ट्रेलियाई टीम द्वारा अब तक की सबसे बड़ी वनडे साझेदारी 215 में हुई जब डेविड वार्नर और स्टीव स्मिथ ने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे विकेट के लिए 26 रन जोड़े। मार्श और वार्नर ने 259 रनों के अपने प्रयास के साथ दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी दर्ज की। तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी 23 में रिकी पोंटिंग और डेमियन मार्टिन के बीच बनी थी और 234 रन की थी। लखनऊ में श्रीलंका के खिलाफ बड़ी जीत के बाद ऑस्ट्रेलिया ने फिर से लय हासिल कर ली है और पाकिस्तान पर पूरी तरह हावी दिख रहा है।

परिस्थिति देख कर खेलते हैं कोहली, इसीलिये शानदार रन चेजर : हुसैन

नई दिल्ली 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के खिलाफ विश्व कप मुकाबले में शतकीय पारी खेलने वाले विराट कोहली की तारीफ करते हुये इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा कि कोहली हमेशा परिस्थिति से खेलते हैं और यही कारण है कि वह रन चेज़ में शानदार हैं। स्टार स्पोर्ट्स के शो 'फॉलो द ब्लूज़' में हुसैन ने कहा कोहली हमेशा परिस्थिति से खेलते हैं और यही कारण है कि वह रन चेज़ में शानदार हैं। वह मैदान पर टीम की स्थिति को अपने सामने देखते हैं, उनका स्ट्राइक रेट ज्यादा पीछे कभी नहीं रहा क्योंकि वह हर गेंद पर रन बनाना चाहते हैं। बांग्लादेश के खिलाफ अगर वह 350 रनो का पीछा कर रहे होते, तो दूसरे गियर में चले गए होते, लेकिन वह सिर्फ यह सुनिश्चित कर रहे थे कि भारत जीत के करीब पहुंच जाए जैसा कि वह अक्सर करते हैं।

रोहित शर्मा की आक्रामक कप्तानी के साथ-साथ विराट कोहली के शानदार शतक ने भारत को वनडे विश्व कप में बांग्लादेश पर छह विकेट से जीत दिलाई थी। हुसैन ने रोहित शर्मा की कप्तानी और बल्लेबाजी की सराहना की। उन्होंने कहा रोहित सफेद गेंद के अब तक के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक है। उनका रिकॉर्ड सर्वश्रेष्ठ है, उन्होंने विश्व कप में ऐसा किया है। बांग्लादेश के खिलाफ उनका रिकॉर्ड शानदार है, उनका पुल शॉट लाजवाब है। पिछले कुछ वर्षों में पुल शॉट में उनका औसत 400 था। उन्होंने कहा सबसे महत्वपूर्ण चीज जो मुझे पसंद है वह है इरादा, वास्तविक इरादा है, कुछ समय के लिए उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप में थोड़ा डर कर क्रिकेट खेला जिसके कारण वे उस सेमीफाइनल में एडिलेड में इंग्लैंड से हार गए। भारत का शीर्ष क्रम अलग दिखता है।

केएल राहुल ने बताई विराट कोहली के शतक की सच्चाई

पुणे, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। विराट कोहली ने बांग्लादेश के खिलाफ विजयी छक्का लगाकर अपना 48वां वनडे शतक पूरा किया, जिसमें दूसरे छोर पर केएल राहुल ने उनकी काफी मदद की क्योंकि इस जोड़ी ने आसान सिंगल्स को ठुकरा दिया था, जिससे कोहली इस मुकाम तक पहुंच सके। वनडे फॉर्मेट में कोहली के 48वें शतक का मतलब है कि वह भारत में विश्व कप 2023 के दौरान सचिन के 49 के सर्वकालिक रिकॉर्ड से आगे निकल सकते हैं। 34 वर्षीय खिलाड़ी का शतक आईसीसी क्रिकेट विश्व कप में उनका तीसरा और वनडे करियर का 48वां शतक है। यह शतक इसलिए भी खास है क्योंकि जब भारत को बांग्लादेश के खिलाफ जीत के लिए 19 रनों की जरूरत थी, तब कोहली भी शतक से 19 रन दूर थे। लेकिन, दूसरे छोर पर राहुल ने उनका भरपूर साथ दिया और विराट का शतक पूरा करने में अहम भूमिका निभाई। मैच के बाद, जिसे भारत ने 51 गेंद शेष रहते हुए सात विकेट से जीता, राहुल ने खुलासा किया कि सिंगल लेने से बचना उनका विचार था ताकि कोहली स्ट्राइक बनाए रख सकें और इस तरह शतक तक पहुंचने की उनकी संभावनाएं बढ़ सकें। राहुल ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो के हवाले से स्टार स्पोर्ट्स को बताया, वह असमंजस में थे, उन्होंने कहा कि हम सिंगल नहीं लेंगे तो यह अच्छा नहीं लगेगा। मैं ऐसा नहीं दिखना चाहता कि मैं सिर्फ अपना रिकॉर्ड हासिल करने की कोशिश कर रहा हूं। लेकिन इसके बाद मैंने उन्हें कहा कि हम आसानी से मैच जीत रहे हैं, साथ ही आप अपना शतक पूरा कर सकते हैं। फिर विराट कोहली मान गए। इसके बाद विराट कोहली ने छक्का लगाकर शतक पूरा किया। साथ ही भारतीय टीम को लगातार चौथी जीत दिलाई। अपने शतक तक पहुंचने की प्रक्रिया में, भारतीय स्टार अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पुरुषों के खेल के इतिहास में सबसे तेज 26,000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफ कोहली की नाबाद 103 रनों की पारी का मतलब है कि केवल भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने विश्व कप 2023 में अब तक अधिक रन बनाए हैं। यह जोड़ी सर्वाधिक रन तालिका में शीर्ष दो पर है।

अगर स्टोक्स फिट हैं तो उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलना होगा : माइकल आथर्टन

मुंबई, 20 अक्टूबर (एजेंसियां) । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल आथर्टन का मानना है कि अगर करिश्माई ऑलराउंडर बेन स्टोक्स मैदान पर उतरने के लिए फिट हैं तो उन्हें शनिवार को वानखेड़े स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले विश्व कप मुकाबले में खेलना होगा। टेस्ट कप्तान स्टोक्स, इंग्लैंड के घरेलू धरती पर 2019 में जीते गए पुरुष वनडे विश्व कप खिताब का बचाव करने में मदद करने के लिए वनडे संन्यास से वापस आ गए हैं। लेकिन कूल्हे की चोट के कारण वह अभी तक खेल नहीं सके हैं, क्योंकि इंग्लैंड ने बांग्लादेश के खिलाफ जीत हासिल की, लेकिन न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान से हार गई, जिससे उनके अभियान और सेमीफाइनल की उम्मीदें खतरे में पड़ गईं।

हमारी समझ यह थी कि स्टोक्स अफगानिस्तान के खिलाफ मैच के लिए फिटनेस के बहुत करीब थे, लेकिन इंग्लैंड काफी सतर्क था। अगर वह फिट हैं तो उन्हें अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलना होगा। आथर्टन ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, वह सही है कि वह मसीहा नहीं है, वह इसे सिर्फ अपने आसपास नहीं बदल सकता है, लेकिन वह एक बहुत बड़ी उपस्थिति है और उसके साथ इंग्लैंड एक बेहतर टीम है। आखिरी बार जब वह एकदिवसीय क्रिकेट में खेला था तो उन्होंने इंग्लैंड की तरफ से उच्चतम स्कोर (पिछले महीने किआ ओवल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 182) बनाया था।

इंग्लैंड की अफगानिस्तान से आश्चर्यजनक हार में हैरी ब्रूक ने 61 गेंदों में 66 रनों की पारी खेलकर शीर्ष स्कोर बनाया, इसका मतलब है कि स्टोक्स एक ऑलराउंडर के रूप में आएंगे। इसका मतलब यह भी है कि इंग्लैंड के पास गेंदबाजी विकल्पों की कमी होगी क्योंकि स्टोक्स इस टूर्नामेंट में एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में खेल रहे हैं, एक समस्या जिसकी आथर्टन को आशंका है। मैं अपने मन में निश्चित हूं कि मैं हैरी ब्रूक को भी खिलाऊंगा, इसलिए इंग्लैंड को जिस समस्या का समाधान करना है वह टीम के संतुलन पर है। क्या वे पांच गेंदबाजों में से एक के रूप में लियाम लिविंगस्टोन को 7वें नंबर पर और जो रूट को छठे गेंदबाज के रूप में खिलाएंगे या क्या वे रीस टॉपले, आदिल रशीद और मार्क वुड के साथ दो आउट-एंड-आउट गेंदबाज़ चुनते हैं?

इसके अलावा, ऑलराउंडर क्रिस वोक्स और सैम करेन का अच्छा प्रदर्शन न होना भी इंग्लैंड की चिंताओं को बढ़ाता है। वोक्स ने अफगानिस्तान के खिलाफ अपने चार ओवरों में 41 रन दिए जबकि करेन ने नई दिल्ली में उसी मैच में अपने चार ओवरों में 46 रन दिए। आथर्टन ने कहा, क्रिस वोक्स और सैम करेन का फॉर्म वास्तविक चिंता का विषय है और वे दोनों बहुत कमजोर हैं। करेन प्रति ओवर आठ रन से अधिक रन दे रहे हैं, वोक्स साढ़े सात रन प्रति ओवर की दर से रन दे रहे हैं और उन्होंने केवल दो-दो विकेट लिए हैं। करेन बीच के ओवरों में और वोक्स पावरप्ले में महंगे रहे।

रन रेट को भी ध्यान में रखना चाहिए : पुजारा

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने बांग्लादेश के खिलाफ अपना 48वां वनडे शतक बनाने की विराट कोहली की उपलब्धि के बाद अपनी राय दी, जिसे उन्होंने रणनीतिक रूप से रन चेज के अंतिम ओवरों में सिंगल लेने से परहेज करके पूरा किया।

प्रशंसकों के एक वर्ग ने केएल राहुल के साथ साझेदारी करते हुए सिंगल लेने से परहेज करने के कोहली के फैसले के बारे में सोशल मीडिया पर अपनी राय व्यक्त की। 257 रन तक पहुंचने के भारतीय लक्ष्य के अंतिम चरण में कोहली मुख्य रूप से स्ट्राइक अपने पास रखकर अंतिम 30 रन बनाने में सफल रहे। इस दौरान कोहली ने आखिरी 21 गेंदों में 8 डॉट बॉल का सामना किया।

चेतेश्वर पुजारा ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो को बताया, जितना मैं चाहता था कि विराट कोहली वह शतक बनाएं, उतना ही ये भी सोच रहा था कि हमें खेल को जल्द से जल्द खत्म करना चाहिए। आप चाहते हैं कि आपका नेट रन रेट शीर्ष पर रहे।

यही वह जगह है जहां मुझे लगता है कि सामूहिक निर्णय के रूप में शायद आपको थोड़ा त्याग करना होगा। आप टीम को देखना चाहते हैं, आप टीम को पहले रखना चाहते हैं, मैं इसे इसी तरह देखता हूं। आप अपना रिकॉर्ड देखिए लेकिन टीम की कीमत पर नहीं। एक खिलाड़ी के रूप में, आपके पास हमेशा एक विकल्प होता है। लेकिन कुछ खिलाड़ियों को लगता है कि अगर वे शतक बनाते हैं, तो इससे उन्हें अगले मैच में मदद मिलती है। इसलिए यह इस पर निर्भर करता है कि आपकी मानसिकता किस तरह की है।

इस बीच, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन ने टीम को विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में नेट रन रेट (एनआरआर) का ध्यान रखने की सलाह दी है क्योंकि यह अंत में टीमों को परेशान कर सकता है।

हार्दिक टखने की चोट के चलते न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच से भारतीय टीम से बाहर

■ हार्दिक की जगह बतौर तेज गेंदबाज शमी हो सकते हैं ज्यादा कारगर

■ अब हार्दिक पांडया सीधे लखनउ पहुंच भारतीय टीम से जुड़ेंगे

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर। भारत के उपकप्तान ऑलराउंडर हार्दिक पांडया पुणे में बांग्लादेश के खिलाफ मैच में अपना बाएं टखने में आई चोट के चलते धर्मशाला में रविवार को आईसीसी वन डे क्रिकेट विश्व कप 2023 के न्यूजीलैंड के खिलाफ खेल जाने वाले अहम मैच से बाहर हो गए। भारत और न्यूजीलैंड की टीमें अपने अपने शुरू के चार चार मैच जीत चुकी है। न्यूजीलैंड अपने बेहतर नेट रन रेट के कारण फिलहाल फिलहाल शीर्ष पर है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के मानद सचिव जय शाह ने शुक्रवार को कहा, % हार्दिक भारतीय टीम के साथ धर्मशाला नहीं जाएंगे। हार्दिकअब लखनउ में भारतीय टीम से जुड़ेंगे जहां उसे 29 अक्टूबर को मौजूदा चैंपियन इंग्लैंड से भिडना है। हार्दिक को आराम की सलाह दी गई है और वह बराबर बीसीसीआई की मेडिकल टीम की निगरानी में रहेंगे। वह अपने टखने के इलाज से एनसीए(बेंगलुरू) जाएंगे।

हार्दिक ने पुणे में बृहस्पविार को अपने पहले और बांग्लादेश की पारी के नौवें ओवर में तीसरी गेंद पर बांग्लादेश के लिटन दास के शॉट को पैर रोकने की कोशिश और इसमें उनका टखना मुड़ गया था। इसके बाद हार्दिक को उनके टखने स्कैन के लिए अस्पताल ले जाया गया और इसके बाद उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ मैच में आगे शिरकत नहीं की। हार्दिक को आराम की सलाह दी गई है।

हार्दिक पांडया भारतीय एकादश के संतुलन के लिहाज से बेहद अहम कड़ी हैं। अब तक शुरू के तीन मैचों में हार्दिक पांडया ने सही वक्त पर विकेट चटकाने की कूवत दिखाकर कुल पांच विकेट चटकाए हैं। साथ ही अपने बल्ले से दे दनाकर अकेले ही प्रतिद्व-द्वी टीम के हौसल पस्त कर सकते हैं। भारत के पास हार्दिक पांडया की जगह उनकी तरह गेंद और बल्ले से अपने दम मैच का रुख पलटने वाला कोई खिलाड़ी नहीं है। ऐसे में भारतीय टीम को प्रबंधन को मजबूरन टीम संयोजन में बदलाव करना पड़ेगा। ऐसे में भारत अपनी गेंदबाजी को मजबूत करने के लिए अब तक शुरू के चार में से एक भी मैच न खेल पाने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को भारत अपनी एकादश में शामिल कर सकता है। बहुत मुमकिन है कि भारत खासतौर पर बीच के ओवर में अपनी बल्लेबाजी को जरूरी मजबूती देने के लिए शार्दूल ठाकुर को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी एकादश में शामिल करने की बाबत सोच सकता है। इसका बड़ा कारण यह है कि धर्मशाला का ठंडा मौसम भारत की बजाय न्यूजीलैंड की टीम के लिए ज्यादा मुफीद है ऐसे में तब भारत के पास केवल पांच खालिस गेंदबाज ही उपलब्ध होंगे। बावजूद इसके धर्मशाला के ठंडे मौसम और पिच में नमी के चलते स्पिनर की बजाय तेज गेंदबाज ज्यादातर कारगर साबित हो सकता है।

सार संक्षेप

वर्ल्ड कप जीतने के लिए भारत लगा रहा है पूरी ताकत : इयान हीली

नई दिल्ली। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर इयान हीली ने 223 पुरुष विश्व कप अभियान में लगातार चार मैच जीतने के बावजूद भारत को लेकर कुछ चिंताएं व्यक्त की और आश्चर्य जताया कि क्या रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम टूर्नामेंट की शुरुआत में ही पूरी ताकत लगा रही है। गुरुवार को पुणे के एमसीए स्टेडियम में भारत ने विराट कोहली के नाबाद शतक की बदौलत बांग्लादेश को सात विकेट से हरा दिया। भारत ने पहले ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और पाकिस्तान को हराने के बाद अपना विजय क्रम जारी रखा। लेकिन हीली इस बात को लेकर थोड़े परेशान दिखे कि भारत टूर्नामेंट के शुरुआती दिनों में बहुत अधिक तीव्रता और ऊर्जा डाल रहा है। हीली ने एसईएन रेडियो पर कहा, वे आसानी से आगे नहीं बढ़ रहे हैं, मेरे मन में भारत के लिए एक नया डर है। कोहली की अच्छी पारी थी, रोहित शर्मा और शुभमन गिल भी शीर्ष पर अच्छे थे। लेकिन अगर आप उनकी जीत में जा रही ऊर्जा को देखें, तो मुझे डर है कि उन्हें भावनात्मक रूप से निराश होना पड़ेगा। वे इसमें बहुत सारी ऊर्जा लगा रहे हैं, हो सकता है कि वे इसे ज्यादा कर रहे हों। जब कोई खराब गेंद फेंकता है तो मैदान में तीव्रता, हाव-भाव, अच्छे फील्डिंग प्रयासों का अति-उत्साह, इस तरह की सभी चीजें। पुणे में फेंस की भीड़ थी और यह एक सुंदर दिखने वाला मैदान है। हालांकि, उनके पास एक बेहतरीन टीम है। मेरा मानना है कि मेजबानों को टूर्नामेंट के अंतिम चरण आने तक अपनी कुछ ऊर्जा बरकरार रखनी चाहिए।

ब्रिस्बेन हीट महिला ने मेलबर्न रेनेगेड्स महिला को छह रन से हराया

मेलबर्न। वीमेंस बिग बैश लीग के शुक्रवार को खेले गये दूसरे मुकाबले में ब्रिस्बेन हीट महिला ने ग्रेस हैरिस के 49 और जॉर्जिया रेडमेन 49 रनों की पारी तथा सेरा ग्लेन, चार्ली नॉट की शानदार गेदबाजी की बदौलत मेलबर्न रेनेगेड्स महिला को छह रन से हरा दिया है। आज यहां मेलबर्न रेनेगेड्स महिला टीम ने टॉस जीतकर क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी ब्रिस्बेन हीट महिला टीम की सलामी बल्लेबाज ग्रेस हैरिस 26 गेंदों में 49 रन और जॉर्जिया रेडमेन 39 गेंदों में 49 रन की शानदार पारी और चार्ली नॉट के 12 गेंदों में 23 रन, बेस हीथ के नौ गेंदों में 19, मिकायला हिंकली के आठ गेंदों में नाबाद 17 रनों की बदौलत निर्धारित 2 ओवर में नौ विकेट पर 187 रन का स्कोर खड़ा किया। रेनेगेड्स महिला की ओर से हेली मैथ्यूज़ ने तीन विकेट, रेसा कॉइट ने दो विकेट लिये।

अर्थ जगत

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उबाल आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

कोटक बैंक	1.80 प्रतिशत
इंडसइंड बैंक	1.43 प्रतिशत
टीसीएस	1.14 प्रतिशत
एनटीपीसी	0.69 प्रतिशत
नेस्ले इंडिया	0.60 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

आईटीसी	2.68 प्रतिशत
टाटा स्टील	2.22 प्रतिशत
हिंदुस्तान यूनिलीवर	2.07 प्रतिशत
एसबीआई	1.40 प्रतिशत
जेएसडब्ल्यू स्टील	1.39 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	47,310
बिदुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	70,096
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	870
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2500-2600
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

चावल

चीनी एस	3640-3740
चीनी एम	3800-3900
मिल डिलीवरी	3520-3620
गुड़	4300-4400

दाल-दलहन

चना	6450-6550
दाल चना	7450-7550
मसूर काली	7800-7900
उड़द दाल	10600-10700
मूंग दाल	9900-10000
अरहर दाल	10400-10500

वित्तीय स्थिरता के साथ कोई समझौता नहीं : दास

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मूल्य स्थिरता और वित्तीय स्थिरता को एक दूसरे का पूरक बताते हुये आज कहा कि वित्तीय स्थिरता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता है।

श्री दास ने यहां कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन को संबोधित करते हुये कहा वास्तव में मूल्य स्थिरता वित्तीय स्थिरता के लिए एक आधार है, लेकिन दोनों के बीच संबंध पर विराम लगाना पड़ता है। हमारा प्रयास इन पूरकताओं और इनके आपस के संबंधों को यथासंभव कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने का रहा है। विकास के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए मूल्य स्थिरता को प्राथमिकता देते हुए हम वित्तीय स्थिरता से कोई समझौता नहीं करते हैं। हमारी नीतियां और उपकरणों के विकल्प इस समग्र दृष्टिकोण द्वारा निर्देशित होते हैं। हमने अपने व्यापक आर्थिक बुनियादी सिद्धांतों और बफ़र्स को मजबूत किया है और ये अर्थव्यवस्था को बड़े झटके झेलने और तेजी से अशांत एवं अनिश्चित वैश्विक सेटिंग में निपटने के लिए लचीलापन प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने अमेरिकी फेडरल रिजर्व के पूर्व अध्यक्ष एलन ग्रीनस्पैन के इस वक्तव्य अधिक मौलिक रूप से, अधिक आर्थिक स्थिरता का माहौल दुनिया के अधिकांश हिस्सों में प्रभावशाली विकास की कुंजी रहा है का उल्लेख करते हुये कहा कि 12 वर्षों में भारत का आर्थिक प्रदर्शन इस दृष्टिकोण को विश्वसनीयता प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि मई 2022 और फरवरी 2023 के बीच नीतिगत दरों में 250 आधार अंकों की वृद्धि के बाद, बढ़ती मुद्रास्फीति को ध्यान में रखते हुये बढ़ोतरी की मात्रा को समायोजित किया गया है और

अब तक 2023-24 में नीतिगत दरों में कोई बढोतरी नहीं की गयी है। 250 आधार अंकों की बढ़ोतरी अभी भी वित्तीय प्रणाली के माध्यम से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि धीमी वृद्धि और उच्च मुद्रास्फीति के मौजूदा वैश्विक माहौल में भी भारत में आर्थिक गतिविधि मजबूत घरेलू मांग के कारण सशक्त बनी हुयी है। 2023-24 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि का अनुमान 6/5 प्रतिशत लगाया गया है और भारत दुनिया का नया विकास इंजन बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंन कहा हम मुद्रास्फीति में बढोत्तरी पर अतिरिक्त सतर्क रहते हैं। सब्जियों की कीमतों में सुधार के साथ सितंबर 2023 में खुदरा मुद्रास्फीति तेजी से घटकर 5.0 प्रतिशत पर आ गयी है। हालाँकि, खाद्य मुद्रास्फीति अनिश्चितताओं से घिरा हुयी है। उन्होंने कहा कि वित्तीय स्थिरता के मोर्चे पर हाल की अवधि में कई झटकों के दौरान रिज़र्व बैंक ने एक दृष्टिकोण अपनाया है और एक एकीकृत तथा सामंजस्य बना करके बैंकों, एनबीएफसी और अन्य वित्तीय संस्थाओं के विनियमन और पर्यवेक्षण में सुधार के लिए कई पहल की हैं। भारतीय वित्तीय क्षेत्र स्थिर बना हुआ है क्योंकि बेहतर परिसंपत्ति गुणवत्ता, पर्याप्त पूंजी और तरलता बफर तथा मजबूत आय वृद्धि के बल पर बैंक ऋण में निरंतर वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि वाणिज्यिक बैंक (एससीबी) गंभीर तनाव में भी न्यूनतम पूंजी आवश्यकताओं का अनुपालन करने में सक्षम हैं। जून 2023 के आंकड़ों के अनुसार एनबीएफसी के वित्तीय संकेतक भी व्यापक वित्तीय प्रणाली के अनुरूप हैं। हालाँकि, आत्मसंतुष्टि के लिए कोई जगह नहीं है क्योंकि अच्छे समय के दौरान कमज़ोरियाँ आ सकती हैं इसलिए, अच्छे समय के दौरान बफ़र्स का निर्माण सबसे अच्छा होता है। बैंकों, एनबीएफसी और अन्य वित्तीय क्षेत्र की संस्थाओं को सतर्क रहना चाहिए। भविष्य में संभावित प्रतिकूल माहौल का सामना करने के लिए बेहतर समय में नींव को मजबूत करने की जरूरत होती है। श्री दास ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को चुनौतियों की एक श्रृंखला का सामना करना पड़ रहा है। मुद्रास्फीति में धीमी गति से कमी भी प्रभावित हो रही है और धीमी गति से विकास तथा वह भी नई और बढ़ी हुई बाधाओं के साथ। वित्तीय अस्थिरता के लिए अगल जोखिम है। अपने प्राथमिक उद्देश्य के रूप में मूल्य स्थिरता वाले केंद्रीय बैंकों ने नीतिगत दरों को आक्रामक रूप से बढ़ाया है, जबकि दरों को लंबे समय तक ऊंचा रखने का संकेत दिया है। उनमें से कुछ ने दरों में बढ़ोतरी पर रोक लगा दी है।

भारत सबसे पसंदीदा उभरता बाजार : मार्गन स्टैनली

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। विदेशी ब्रोकरेज एजेंसी मार्गन स्टेनली ने भारत को सबसे पसंदीदा उभरता बाजार बताया है।

मार्गन स्टैनली ने कहा कि कंपनियों का मुनाफा बढ़ रहा है और वृहद अर्थव्यवस्था की स्थिरता के कारक ऊंची ब्याज दर की परिस्थितियों के लिए तैयार दिख रहे हैं। घरेलू निवेश का प्रवाह अच्छा है और दुनिया के कई ध्रुवों में बंटे होने से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और पोर्टफोलियो निवेश दोनों बढ़ रहे हैं। मुद्रास्फीति को लेकर चिंताएं दूर हो रही हैं और व्यापार संतुलन में सुधार हो रहा है।

रिपोर्ट में वास्तविक ब्याज दरों में बढ़ोतरी, भूराजनीतिक अस्थिरता और बाजार नेतृत्व के सिमटने से एशिया/उभरते बाजारों के शेयर मार्केट के जोखिमों को रेखांकित किया गया है।

एजेंसी ने कहा है कि इस साल जुलाई से अब तक उभरते बाजारों में मार्गन स्टेनली कैपिटल इंवेस्टमेंट शेयरों के भाव 10 प्रतिशत टूट चुके हैं। अक्टूबर 2022 के बाद बाजार जितना चढ़ा था उसका आधा वह इन तीन महीनों में गंवा चुका है।

रिपोर्ट में कहा गया है, हमारी इंडिया

इकोनॉमिक्स टीम के हालिया ट्रैकर से पता चलता है कि कार्यान्वयन के तहत परियोजनाओं ने व्यापक वृद्धि दर्ज की है और जुलाई 2021 से विनिर्माण क्षेत्र का पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) वृद्धि दर्ज कर रहा है, जो संभवत: व्यापक बाहरी कमजोरी के बीच मजबूत घरेलू मांग से प्रेरित है।

इसके अलावा, सितंबर में खुदरा महंगाई दर घटकर 4.6 प्रतिशत पर आने से उच्च मुद्रास्फीति के कारण मौद्रिक नीतियों में अचानक बदलाव की पिछली चिंताएं कुछ हद तक कम हो गई हैं। टीम ने अक्टूबर में भी महंगाई दर पांच प्रतिशत से नीचे रहने का अनुमान लगाया है। सितंबर में सेवा व्यापार संतुलन में क्रमिक सुधार के साथ व्यापार घाटा भी कम हो गया है।

नंबर पोर्टेबिलिटी नियम में नए संशोधन पर सुझाव की तिथि आठ नवंबर तक बढ़ी

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी नियमन में नए संशोधनों के मसौदे पर हितधारकों से सुझाव आमंत्रित करने की अंतिम तिथि बढ़ा कर आठ 08 नवंबर कर दी है। ट्राई ने 27 सितंबर को दूरसंचार मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी मसौदा (नौंवां संशोधन) नियमन 2023 जारी किया था। इस मसौदे पर हितधारकों से लिखित टिप्पणियां प्राप्त करने की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर रखी गयी थी।

संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि उपरोक्त मसौदे पर टिप्पणियां प्राप्त करने की अंतिम तिथि बढ़ा दी गयी है। बयान में कहा गया है कि एक उद्योग मंच से सुझाव पर और आग्रह पर लिखित टिप्पणियां सौंपने की अंतिम तिथि को 08 नवंबर तक बढ़ाने का फैसला किया गया है। लोग इस संबंध में अपने सुझाव और टिप्पणियां अखिलेश कुमार त्रिवेदी, सलाहकार (नेटवर्क, स्पेक्ट्रम एवं लाइसेंसिंग), ट्राई को भेज सकते हैं।

बेजोस समर्थित स्टार्टअप कॉन्वॉय ने मुख्य कारोबार किया बंद

सैन फ्रांसिस्को, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका स्थित डिजिटल परिवहन स्टार्टअप कॉन्वॉय ने अपने मुख्य व्यवसाय को अचानक बंद कर दिया और अपने अधिकांश कर्मचारियों को निकाल दिया है। बर्खास्त किए गए कर्मचारियों को कथित तौर पर पैसे भी नहीं मिले हैं। गीकवायर की रिपोर्ट के अनुसार, कॉन्वॉय के सीईओ डैन लुईस ने कर्मचारियों को भेजे मेमो में लिखा है कि हमें उम्मीद है कि यह दिन कभी नहीं आएगा।

उन्होंने गुरुवार देर रात कर्मचारियों को बताया, हमने बिजनेस के लिए सभी स्ट्रैटेजिक ऑप्शन्स पर विचार करने में 4 महीने से ज्यादा का समय लगाया। लेकिन कोई भी ऑप्शन कंपनी को बनाए रखने के लिए सामने नहीं आया।

ग्लोबल टेक इकोसिस्टम को झटका देते हुए, लुईस ने कहा कि कंपनी को माल ढुलाई बाजार में अभूतपूर्व गिरावट और

पैसे की कमी दोनों का सामना करना पड़ा। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस समर्थित कॉन्वॉय में परिचालन बंद करने की घोषणा से पहले लगभग 500 कर्मचारी थे।

रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने लगभग 18 महीने पहले 3.8 बिलियन डॉलर के मूल्यांकन पर 260 मिलियन डॉलर जुटाए थे। लुईस ने कहा कि कॉन्वॉय अपने मौजूदा मुख्य व्यवसाय संचालन को बंद कर देगा।

उन्होंने कर्मचारियों से कहा, हमारी टीम में से कुछ लोग इस वाइंड अप ट्रांज़िशन और संभावित फ्यूचर स्ट्रैटेजिक ऑप्शन्स को संभालना जारी रखेंगे, आज कंपनी में आपका आखिरी दिन है। सीईओ ने कहा, ट्रकिंग के लिए कॉन्वॉय के टेक केंद्रित दृष्टिकोण ने वास्तविक लाभ पैदा किए। इसने वास्तव में स्केलेबल टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म और बिजनेस मॉडल के लिए स्थितियां भी बनाईं, जिससे बाजार की स्थिति में सुधार होने पर वास्तविक वित्तीय लाभ प्राप्त होता। लेकिन अंत में, बाजार की ताकतें इतनी मजबूत थीं कि हम अपने दम पर उनका सामना नहीं कर सके।

लुईस ने कहा, एम एंड ए एक्टिविटी काफी हद तक कम हो गई है और कॉन्वॉय के अधिकांश रणनीतिक अधिग्रहणकर्ता भी माल ढुलाई बाजार के पतन से पीड़ित हैं, जिससे सौदा करना बहुत कठिन हो गया है।

सार संक्षेप

मोबाइल ऐप अनुभव को और बेहतर बनाने की पहल

नई दिल्ली। वॉयस, वीडियो और टेक्स्ट संचार सेवा डिस्कोर्ड ने अपने यूजरों के उपयोग के लिए प्लेटफॉर्म को सुरक्षित और उपयोग में आसान बनाने के लिए आज नई सुविधाओं की एक श्रृंखला की घोषणा की। कंपनी ने यहां कहा कि उसने अपने प्लेटफ़ॉर्म पर यूजरों की सुरक्षा में सुधार करना जारी रखते हुए, एक बेहतर मोबाइल अनुभव प्रदान करती है और अपनी निट्रो मेंबरशिप में अधिक मूल्य जोड़ रही है। दुनिया भर में 15 करोड़ से अधिक लोग हर महीने डिस्कोर्ड पर समय बिताते हैं। यहां पढ़ाई , क्लबों का आनंद लेना, भाषाएँ सीखना, सॉफ्टवेयर बनाना, अपने दैनिक जीवन के बारे में बात करना और गेम खेलना आदि भी शामिल है। कंपनी के लिए यूजरों की सुरक्षा सर्वोच्च प्रतिबद्धता बनी हुई है और कंपनी कई सुविधाओं के बारे में अधिक जानकारी साझा करना चाहती जो उसके यूजरों की सुरक्षा को और अधिक सुरक्षित बनाती है।

विदेशी मुद्रा भंडार 1.2 अरब डॉलर बढ़कर 585.9 अरब डॉलर पर

मुंबई। स्वर्ण और विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में बढ़ोतरी होने से 13 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह देशी का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले लगातार पांच सप्ताह की गिरावट से उबरकर 1.2 अरब डॉलर बढ़कर 585.9 अरब डॉलर पर पहुंच गया वहीं इसके पिछले सप्ताह यह 2.2 अरब डॉलर घटकर 584.7 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 13 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 17.8 करोड़ डॉलर की गिरावट लेकर 519.4 अरब डॉलर रह गयी। वहीं, इस अवधि में स्वर्ण भंडार 1.3 अरब डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 43.6 अरब डॉलर पर पहुंच गया। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार में 7.2 करोड़ डॉलर का इजाफा हुआ और यह बढ़कर 17.9 अरब डॉलर हो गया। वहीं, इस अवधि में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 8 लाख डॉलर की गिरावट के साथ 4.9 अरब डॉलर रह गई।

अमेरिकी औद्योगिक टायर निर्माता सुपर ग्रिप कॉर्पोरेशन का अधिग्रहण करेगा टीवीएस श्रीचक्र

चेन्नई। भारतीय ऑटोमोटिव टायर निर्माता टीवीएस श्रीचक्र लिमिटेड अमेरिका स्थित औद्योगिक टायर निर्माता सुपर ग्रिप कॉर्पोरेशन का अधिग्रहण करेगी। टीवीएस श्रीचक्र ने कहा कि कंपनी के बोर्ड ने शुक्रवार को मिशिगन, अमेरिका में सहायक कंपनी एसजी एक्विजिशन कॉरपोरेशन की स्थापना के लिए 1 मिलियन डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को मंजूरी दे दी है। टीवीएस श्रीचक्र के अनुसार, सहायक कंपनी एसजी एक्विजिशन सुपर ग्रिप कॉरपोरेशन की संपत्ति, देनदारियों और व्यवसाय संचालन को संभालेगी। टीवीएस श्रीचक्र ने कहा कि एसजी एक्विजिशन अमेरिकी कंपनी सुपर ग्रिप कॉर्पोरेशन के शेयरों को सब्सक्राइब नहीं करेगी। भारतीय कंपनी ने कहा कि यह निवेश अमेरिका में कारोबार का विस्तार करने और ऑफ-हाईवे टायर प्रोडक्ट्स पर फोकस करने के लिए किया गया है।

शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी

मुंबई 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्व बाजार के कमजोर रुझान और कच्चे तेल की कीमतों में उबाल के बीच स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली के दबाव में आज शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन गिरकर बंद हुआ।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 231.62 अंक की गिरावट लेकर 65397.62 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 82.05 अंक लुढ़ककर 19542.65 अंक रह गया। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 1.02 प्रतिशत का गोता लगाकर 31,880.86 अंक और स्मॉलकैप 0.76 प्रतिशत कमजोर होकर 38,198.72 अंक पर आ गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 3836 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2327 में बिकवाली जबकि 1379 में लिवाली हुई वहीं 130 में कोई बदलाव नहीं हुआ। निफ्टी की 36 कंपनियां गिरावट जबकि 14 तेजी पर रही।

बीएसई के सभी 20 समूहों में बिकवाली का दबाव रहा। इस दौरान कमोडिटीज 1.32, सीडी 0.66, ऊर्जा 1.31, एफएमसीजी 1.36, वित्तीय सेवाएं 0.05, हेल्थकेयर 0.80, इंडस्ट्रियल्स 0.85, आईटी 0.29, दूरसंचार 1.38, यूटिलिटीज 0.64, ऑटो 0.60, बैंकिंग 0.05, कैपिटल गुड्स 0.98, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.68, धातु 1.54, तेल एवं गैस 1.73, पावर 0.64, रियल्टी 1.06, टेक 0.17 और सर्विसेज समूह के शेयर 1.20 प्रतिशत लुढ़क गए।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गिरावट का रुख रहा। इस

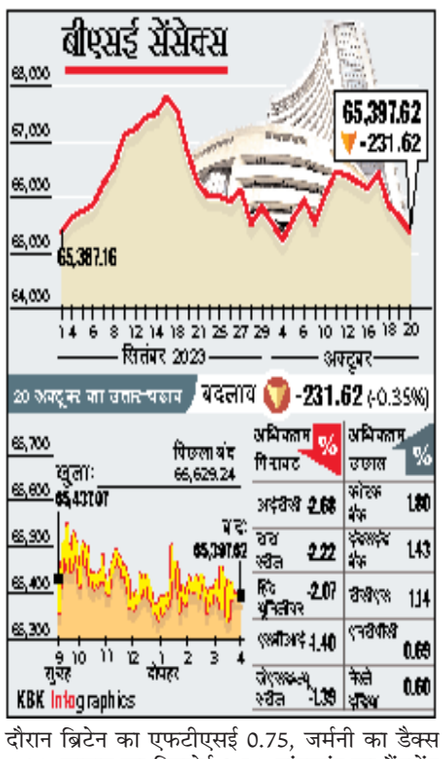

दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.75, जर्मनी का डैक्स 1.31, जापान का निक्केई 0.54, हांगकांग का हैंगसेंग 0.72 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.74 प्रतिशत टूट गया।

शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 192 अंक गिरकर 65,437.07 अंक पर खुला लेकिन लिवाली की बदौलत 65,555.14 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, बिकवाली होने से यह दोपहर तक 65,308.61 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 65,629.24 अंक के मुकाबले 0.35 प्रतिशत टूटकर 65,397.62 अंक पर रहा।

इसी तरह निफ्टी 83 अंक उतरकर 19,542.15 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 19,593.80 अंक के उच्चतम जबकि 19,518.70 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 19,624.70 अंक की तुलना में 0.42 प्रतिशत की गिरावट लेकर 19,542.65 अंक पर आ गया।

इस दौरान सेंसेक्स की नुकसान उठाने वाली प्रमुख कंपनियों में आईटीसी 2.68, टाटा स्टील 2.22, हिंदुस्तान यूनिलीवर 2.07, एसबीआई 1.40, जेएसडब्ल्यू स्टील 1.39, पावरग्रिड 1.36, एलटी 1.30, एक्सिस बैंक 1.22, टाटा मोटर्स 0.86, विप्रो 0.82, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.70, इंफोसिस 0.44, मारुति 0.33, रिलायंस 0.28, आईसीआईसीआई बैंक 0.28 और टेक महिंद्रा 0.01 प्रतिशत शामिल रही।

वहीं, कोटक बैंक 1.80, इंडसइंड बैंक 1.43, टीसीएस 1.14, एनटीपीसी 0.69, नेस्ले इंडिया 0.60, एचडीएफसी बैंक 0.53, भारती एयरटेल 0.49, सन फार्मा 0.18, एशियन पेंट 0.16 और बजाज फिनसर्व ने 0.15 प्रतिशत का मुनाफा कमाया।

वित्त मंत्रालय सरकारी कर्ज में कटौती के तरीकों पर कर रहा विचार : सीतारमण

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि उनका मंत्रालय सरकारी कर्ज के समग्र स्तर को कम करने के तरीकों पर विचार कर रहा है, ताकि आने वाली पीढ़ियों को इसका बोझ न उठाना पड़े।

कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन में वित्त मंत्री ने कहा, हम आज भारत सरकार के कर्ज के प्रति सचेत हैं। कई अन्य देशों की तुलना में यह उतना अधिक नहीं हो सकता है। लेकिन वहां भी, हम सचेत रूप से दुनिया के विभिन्न हिस्सों में प्रयोगों पर विचार कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, हम उन तरीकों पर विचार कर रहे हैं, जिनसे हम समग्र ऋण को कम कर सकते हैं और मुझे यकीन है कि इसमें बहुत सफल होने जा रहा हूं, क्योंकि मैं भारत की आकांक्षात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए काफी हद तक तैयार हूं। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि क्रिप्टोकरेंसी विनियमन के लिए एक प्रणाली स्थापित करने पर वैश्विक सहमति बनी है।

उन्होंने जी20 बैठक के दौरान इस मुद्दे को सामने लाने में भारत की भूमिका पर प्रकाश डाला। सीतारमण ने कहा, क्रिप्टो वह मुद्दा था, जिसे हम भारत की अध्यक्षता में जी20 बैठक में लाने में सक्षम हुए और सभी देशों को आम सहमति पर लाया। सभी जी20 देश एक टेम्पलेट पर सहमत हुए और वे उस टेम्पलेट के आधार पर विनियमन लाएंगे।

खाद्य तेलों में टिकाव

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक बाजार में आज खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में नवंबर का पाम ऑयल वायदा 31 रिंगिट गिरकर 3395 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। वहीं, नवंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.45 सेंट की तजी लेकर 53.56 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, अरहर दाल, मसूर दाल, मूंग दाल और उड़द दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चावल और गेहूं के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

दाल-दलहन : चना 6200-6300, दाल चना 7200-7300, मसूर काली 7550-7650, मूंग दाल 9650-9750, उड़द दाल 9800-9900, अरहर दाल 9500-9600 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2600-2700 रुपये और चावल :2900-3000 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

दिल्ली हाईकोर्ट ने डीजीसीए से पूछा, क्या विमानन पट्टों को स्थगन से छूट देने वाली सरकारी अधिसूचना गो फर्स्ट के लिए लागू है?

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को विमानन निगरानी संस्था, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को इस सवाल का जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया कि क्या कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की अधिसूचना दिवालियापन के तहत विमानन पट्टों को स्थगन से छूट देती है और दिवालियापन संहिता, 2016 नकदी संकट से जूझ रही गो फर्स्ट एयरलाइन पर लागू है? अदालत के निर्देश बंद हो चुकी एयरलाइन गो फर्स्ट के विमान और इंजन पट्टेदारों से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान आए, जो डीजीसीए द्वारा गो फर्स्ट के विमानों का पंजीकरण रद्द नहीं करने के खिलाफ हैं। सुनवाई के दौरान अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने गो फर्स्ट मामले

में अधिसूचना की जरूरत के संबंध में सरकार से जवाब मांगने का अनुरोध किया।

हालांकि, पट्टादाताओं के वरिष्ठ अधिवक्ता अमित सिब्बल और दयान कृष्णन ने अनुरोध का विरोध करते हुए कहा कि सरकार का रुख पहले से ही स्पष्ट है, क्योंकि विमानन पट्टों को स्थगन से छूट दी गई है। दूसरी ओर, वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज किशन कौल और रामजी श्रीनिवासन ने अदालत को मामले की खूबियों को संबोधित करने के अपने इरादे से अवगत कराया और इस बात पर जोर दिया कि उनके पास कवर करने के लिए कई अन्य मुद्दे हैं।

उन्होंने अदालत से उनकी बात सुनने का आग्रह किया, यह देखते हुए कि पट्टेदारों ने पहले ही एक महीने से अधिक समय से योग्यता के आधार पर अपना मामला प्रस्तुत कर दिया है। हालांकि, दलीलें सुनने के बाद अदालत ने मामले को आगे बढ़ाने का विकल्प चुना और मामले को अगली सुनवाई के लिए 3 नवंबर को सूचीबद्ध किया है, जब एयरलाइन के रिज़ॉल्यूशन प्रोफेशनल (आरपी) द्वारा अपनी दलीलें शुरू करने की उम्मीद है। 26 मई को विमान पट्टे पर देने वाली कंपनियों - पेमब्रोक एयरक्राफ्ट लीजिंग 11 लिमिटेड, एसएमबीसी एविएशन कैपिटल लिमिटेड, एक्सीपिटर इन्वेस्टमेंट्स एयरक्राफ्ट 2 लिमिटेड और ईओएस एविएशन 12 (आयरलैंड) लिमिटेड - ने डीजीसीए द्वारा अपने विमानों का पंजीकरण रद्द करने की मांग करते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया था, ताकि वे ऐसा कर सकें।

विधानसभा निर्वाचन 2023

नामांकन प्रक्रिया आज से तैयारियां पूर्ण

जिला कार्यालय में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

बिलासपुर, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए नामांकन की प्रक्रिया 21 अक्टूबर से प्रारंभ होगी। इसके साथ ही जिले की छह विधानसभा क्षेत्रों के लिए नामांकन लेने का काम शुरू हो जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा इसके लिए जिला कार्यालय में तमाम तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी रिटर्निंग अफसरों की बैठक लेकर तैयारियों को अंतिम रूप प्रदान किया।

बिलासपुर जिले की 6 विधानसभा सीट के लिए विधानसभा चुनाव में नाम निर्देशन पत्र जमा करने नामांकन पत्रों की जांच एवं चुनाव चिन्ह आवंटन के लिए सभी विधानसभा में अलग-अलग रिटर्निंग आफिसर नियुक्त किए गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिला कार्यालय के अलग-अलग छह कमरों में नाम निर्देशन पत्र जमा करने एवं नामांकन पत्रों की जांच एवं चुनाव चिन्ह के वितरण करने के लिए व्यवस्था की है। नामांकन पत्र जमा करने के लिए उम्मीदवार सहित कुल पांच लोग आरओ कक्ष में जा सकेंगे एवं सवेरे 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक नामांकन स्वीकार किये जाएंगे। विधानसभा क्षेत्र 25 कोटा का नामांकन पत्र नजूल न्यायालय के कक्ष क्रमांक 38 में लिया जाएगा। कोटा एसडीएम अमित कुमार सिंह नाम निर्देशन पत्र स्वीकार करेंगे। तखतपुर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 28 के लिए कलेक्टोरेट में प्रथम तल में ही कक्ष क्रमांक 44 भू अभिलेख शाखा में तखतपुर एसडीएम सूरज साहू के द्वारा नामांकन पत्र स्वीकार किए जाएंगे। बिल्हा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 29 के लिए अभ्यर्थी कलेक्टोरेट में एक कक्ष क्रमांक 26 न्यायालय भाड़ा नियंत्रक के कक्ष में जमा कर सकेंगे। बिल्हा एसडीएम हरिओम द्विवेदी को यहां रिटर्निंग आफिसर नियुक्त किया गया है। बिलासपुर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 30 के अभ्यर्थियों के नामांकन पत्र कक्ष क्रमांक 25 में न्यायालय मजिस्ट्रेट कक्ष में जमा होंगे। बिलासपुर के एसडीएम सुभाष सिंह राज को रिटर्निंग आफिसर नियुक्त किया गया है। मसतूरी विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 32 में नामांकन पत्र जमा करने के लिए कलेक्टोरेट में कक्ष क्रमांक 35 में अभ्यर्थी अपना नामांकन दाखिल कर सकेंगे यहां अनुविभागीय अधिकारी बजरंग सिंह वर्मा को रिटर्निंग आफिसर नियुक्त किया गया है।

बेलतरा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 31 के लिए अपर कलेक्टर रामधारी कुरुवंशी को रिटर्निंग आफिसर नियुक्त किया गया है। बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के अभ्यर्थी अपर कलेक्टर के कक्ष क्रमांक 50 में अपना नामांकन दाखिल कर सकेंगे यही पर नामांकन पत्रों की जांच तथा चुनाव चिन्ह का वितरण भी किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा कलेक्टोरेट के सामने दोनों ओर बैरिकेट्स लगाए गये है एवं सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए है।

चुनाव आयोग से अनुमति लेकर जारी करें एसआई के नियुक्ति आदेश-हाईकोर्ट

बिलासपुर,20 अक्टूबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ में एसआई, प्लाटून कमांडर, सूबेदार सहित अन्य पदों पर होने वाली भर्तियों का रास्ता साफ हो गया है। हाईकोर्ट ने नियुक्ति और पोस्टिंग आदेश जारी करने के लिए चुनाव आयोग के प्राधिकृत अधिकारी से अनुमति लेने के लिए कहा है। आयोग से अनुमति मिलने के बाद चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति आदेश मिल जाएगा। वहीं भर्ती में अनियमितता को लेकर अलग-अलग 721 याचिकाएं दायर की गई हैं।दरअसल, राज्य सरकार ने साल 2018 में एसआई, प्लाटून कमांडर सहित 975 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू की थी। इस बीच विभिन्न चरणों में भर्ती के लिए एग्जाम लिए गए, जिसमें शारीरिक दक्षता परीक्षा, एंट्रेस एग्जाम और मुख्य परीक्षा मई 2023 में आयोजित की गई, जिसके बाद सितंबर में साक्षात्कार के बाद चयन सूची जारी की गई थी।

भर्ती में अनियमितता को लेकर प्रतियोगियों ने हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर की। इन पर सुनवाई चल रही है। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ताओं की आपत्ति के बाद परीक्षण कराकर बंद कराने के निर्देश दिए थे, जिसके बाद राज्य शासन की तरफ से बंद लिफाफे में रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। हालांकि, हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ताओं के भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग को इनकार कर दिया।कोर्ट के भर्ती पर रोक लगाने से इनकार के बाद भी देरी से परेशान होकर चयनित उम्मीदवारों ने हस्तक्षेप याचिका दायर की। इसमें बताया कि भर्ती की सभी प्रक्रिया पूरी हो गई है और मेरिट लिस्ट भी जारी कर दी गई है। नियुक्ति और पोस्टिंग आदेश जारी करने के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री, राज्यपाल सहित नेताओं से मुलाकात की थी, जिसके बाद भी नियुक्ति आदेश जारी नहीं किया गया। हस्तक्षेपकर्ता प्रतियोगियों की तरफ से उनके वकील ने अर्जेंट हियरिंग के लिए आवेदन प्रस्तुत किया, जिस पर गुरुवार को सुनवाई हुई। हाईकोर्ट को उप महाधिवक्ता संदीप दुबे ने बताया गया कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लग गई है, जिसके कारण उम्मीदवारों को नियुक्ति आदेश जारी नहीं किया जा रहा है।मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस अरविंद सिंह चंदेल ने राज्य शासन को निर्देशित किया है नियुक्ति और पोस्टिंग आदेश जारी करने के लिए चुनाव आयोग के प्राधिकृत अधिकारी से अनुमति लेकर प्रक्रिया पूरी की जाए। साथ ही केस को सुनवाई के लिए एक सप्ताह बाद रखने के लिए कहा है।

सार-संक्षेप

तोरवा शिव मंदिर में जगराता की रही धूम

बिलासपुर, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। तोरवा शिव मंदिर के पास जगराता आयोजन किया गया तो वही नवरात्रि 9 दिनों में लोग माता की भक्ति में तो लीन रहते ही हैं तो वहीं जगह-जगह पारंपरिक गरबा और जगराते का दौर भी देखा जाता है।पारंपरिक जगराते में बड़ी संख्या में देवी के भक्त शामिल होकर माता की आराधना करते हैं ।इसी कड़ी में वार्ड क्रमांक 41 तोरवा स्कूल के पास भी माता की जगराता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर बिलासपुर शहर विधायक शैलेश पांडे, पूर्व पार्षद तजमुल हक, वायपारी संघ के अध्यक्ष इक़बाल हक़, पत्रकार राकेश, मीनू सूर्यवंशी, प्रकाश रजक सहित आसपास के रहवासी बड़ी संख्या में मौजूद रहे इस दौरान देर रात तक माता की भक्ति का ऐसा सरोवर यहां नज़र आया कि लोग जगराते से बंधे रहे। वही इस मौके पर शहर विधायक ने सभी को नवरात्रि की बधाई देते हुए कहा कि माता का आशीर्वाद हमारे बिलासपुर पर बने रहे यही कामना वे माता रानी से कर रहे हैं तो वहीं उन्होंने माता की भक्ति के स्वरूप कई भजन भी गया।

तलवार लहरा कर लोगो को डरा रहा युवक पकड़ाया

बिलासपुर, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। आगामी विधानसभा चुनाव को मद्देनजर रखते हुए तखतपुर पुलिस द्वारा क्षेत्र में लागातार पेट्रोलिंग एवं गस्त कर असामाजिक तत्वों के उपर सतत् निगरानी रखी जा रही है, जो तखतपुर टाउन पेट्रोलिंग के दौरान तखतपुर पड़रिया रोड में आरोपी राजकुमार उर्फ दुलेश्वर अपने हाथ में लोहे का तलवार रखकर लहरा रहा था तथा आम जनता में दहशत फैला रहा था, जिसे तखतपुर पुलिस द्वारा पकडकर आरोपी के पास से लोहे का तलवार जप्त किया गया। आरोपी राजकुमार उर्फ दुलेश्वर कुंभकार को धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट में गिरफ्तार कर रिमाण्ड पर भेजा गया है। उक्त कार्यवाही में प्रधान आरक्षक नरेंद्र पात्रे, आरक्षक ओंकार सिंह, प्रीतम ध्रुव, मनमोहन कोशले का भूमिका रहा।

आयोग द्वारा जिले में तीन व्यय प्रेक्षक नियुक्त

बिलासपुर, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चालू विधानसभा चुनाव के लिए जिले में 3 व्यय प्रेक्षक नियुक्त किये गये हैं। प्रत्येक प्रेक्षक को दो विधानसभा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। तीनों प्रेक्षक भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के वरिष्ठ अधिकारी हैं। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार इनमें बिल्हा एवं बिलासपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए आर.भूपति (आईआरएस 2009) बेलतरा एवं मस्तूरी विधानसभा क्षेत्र के लिए अजय कुमार अरोरा (आईआरएस 2011) तथा कोटा एवं तखतपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए हर्षद सदाशिव आराधी व्यय प्रेक्षक होंगे। जिला पंचायत भवन में उनके लिए बैठने की व्यवस्था की गई है। तीनों प्रेक्षक 21 अक्टूबर को प्रथम चरण के दौरे पर बिलासपुर पहुंच जाएंगे।

निर्वाचन संबंधी कार्यशाला का आयोजन

बिलासपुर, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। विधानसभा निर्वाचन के मद्देनजर आज कुदुदंड स्थित कार्यालय जिला सेनानी नगर सेवा एवं जिला अग्निशमन अधिकारी बिलासपुर के होमगार्ड लाइन में एक दिवसीय निर्वाचन संबंधी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर श्री एमटी आलम द्वारा कार्यशाला में विधानसभा चुनाव 2023 में ड्यूटी संबंधी दिशा-निर्देश के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं तथा एसडीआरएफ प्रशिक्षण केंद्र परसदा के संचालक एसके ठाकुर, जिला सेनानी दीपांकर नाथ, तहसीलदार मुकेश देवांगन एवं होमगार्ड के 272 जवान उपस्थित रहे।

रामा लाईफ सिटी दुर्गोत्सव समिति

लापरवाही पूर्वक वाहन चलाकर एक्सीडेंट करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए आधा दर्जन छात्रों को ठोकर मारकर घायल करने वाले आरोपी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। करीब शाम 4.30 बजे बिलासा पीजी गर्ल्स कालेज के गेट के पास होंडा सिटी कार के ड्राइवर द्वारा तेजी व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए पहले पेड़ को टक्कर मारा उसके बाद कालेज के गेट के सामने से गुजर रहे 6 छात्राओं को भी वाहन से टक्कर मारकर घायल कर दिया। उक्त वाहन चालक आरोपी को पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह द्वारा तत्काल गिरफ्तार कर कार्यवाही करने तथा घायलों को अस्पताल पहुंचाने के निर्देश पर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर राजेंद्र जायसवाल नगर पुलिस अधीक्षक संदीप पटेल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सिविल लाइन प्रदीप आर्य द्वारा हमराह थाना स्टाफ के तुरंत घटना स्थल पहुंचकर आरोपी को हिरासत में लिया तथा घायलों को अतिशीघ्र सिम्स अस्पताल पहुंचा कर इलाज हेतु भर्ती किया गया। बाद आरोपी को थाना लाकर पूछताछ किया गया जो अपना नाम विकास रावत रतनपुर का निवासी होना बताया। उक्त आरोपी के विरुद्ध धारा 279, 337, 308 भादवि के तहत एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

कविता जीवन की संवेदनाओं की अभिव्यक्ति-प्रो. चक्रवाल

हिंदी विभाग के साहित्य वार्ता कार्यक्रम में एकल काव्य पाठ का आयोजन

बिलासपुर, 20 अक्टूबर (देशबन्धु)। गुरू घासीदास विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल का साहित्य वार्ता के अंतर्गत एकल काव्य पाठ का आयोजन विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा 20 अक्टूबर को अपराह्न 4 बजे रजत जयंती सभागार में किया गया।

कुलपति प्रोफेसर चक्रवाल ने कहा कि एक सामान्य मनुष्य के नाते जीवन को देखने का जो तरीका है उसे ही मैंने शब्दबद्ध किया है। मेरी कविताएं जीवन के अनुभवों की अभिव्यक्ति हैं। काव्यपाठ के दौरान उन्होंने कल की ही बात है, रौशनी और मां, मुस्कुरा लेता हूं मैं, अभिलाषा, आज में जी लो, अपना देश और मिट्टी आदि कविताओं का पाठ किया। सुसंगत भाषा, शानदार पाठ, लयात्मक अभिव्यक्ति एवं ओज का पुट लिये कुलपति प्रोफेसर चक्रवाल की कविताएं अपने पूरे पाठ के दौरान श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करती रहीं। कुलपति प्रोफेसर चक्रवाल ने अपनी कविताओं के माध्यम से साधारण व्यक्ति की पीड़ा और अभाव को अभिव्यक्त करने के साथ ही देश की सीमा पर व्याप्त खतरों से भी आगाह कराया। अपनी कविताओं में उन्होंने मां के आंचल की बाट जोहती पलकों की नमी को समेटे प्रेम के गहरे और विस्तृत कैनवास पर विविध रंगों उकेरा है।

अध्यक्षीय उद्बोधन में वरिष्ठ नवगीतकार डॉ. अजय पाठक ने कहा कि कुलपति प्रोफेसर चक्रवाल की कविताएं युगबोध कराने के साथ-साथ जीवन को उत्कर्ष की ओर ले जाने की प्रेरणा देती है। उनकी कविताओं में भाषा, संस्कृति, संस्कार और संवेदनाओं की गहनता तथा सरलता झलकती है।

इससे पूर्व अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित कर मां सरस्वती एवं संत गुरु घासीदास जी के तैल चित्र पर पुष्प अर्पण किया। अतिथियों का स्वागत नन्हें पौधों से हुआ। स्वागत भाषण डॉ. गौरी त्रिपाठी विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग ने दिया। इस अवसर पर सौराष्ट्र विश्वविद्यालय की पूर्व कुलगुरु प्रो. नीलांबरी दवे उपस्थित रहीं। अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। संचालन डॉ. मुरली मनोहर सिंह ने तथा धन्यवाद ज्ञापन एवं विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. मनीष श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम का फेसबुक व यूट्यूब लाइव प्रसारण किया गया। इस अवसर पर प्रतिष्ठित साहित्यकार एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

शहर में नवरात्रि की धूम, पंडालों में विराजी मॉ दुर्गा

बिलासपुर, 20 अक्टूबर(देशबन्धु)। बंगाली दुर्गा पूजा आज से प्रारंभ हो गई है। शहर में जगह-जगह दुर्गा पूजा पंडाल बनकर तैयार हैं। आज शाम दुर्गा प्रतिमा विधि विधान से पूजा कर स्थापित की जाएगी । आदर्श दुर्गोत्सव समिति गोडपारा, मध्य नगरी दुर्गा उत्सव समिति मध्य नगरी चौक तथा अष्टभुजी दुर्गोत्सव समिति मसानगंज नवयुवक दूरगोशों समिति गोल बाजार चंद्रशेखर आजाद दुर्गोत्सव समिति तेलीपारा, नवीन दुर्गोत्सव समिति तेलीपारा, सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति किला 2डुहस्र जूना बिलासपुर बिलासपुर मिलन मंदिर गोलपारा बंगाली समाज रेलवे क्षेत्र तथा कालीबाड़ी सरकंडा कई जगह में आज दुर्गा प्रतिमा स्थापित की जा रही है। शहर में जगह- जगह तालापारा, मगरपारा, तोरवा, दयालबंद टिकरापारा, रेलवे क्षेत्र कंस्ट्रक्शन कॉलोनी तारब हार के अलावा मंगल 27 खोली नेहरू नगर समेत कई जगह में दुर्गा पूजा की तैयारी पूरी हो गई है। मिलन मंदिर गोडपारा का इतिहास 75 साल पुराना है। 75 साल पहले गोडपारा के रहने वाले डॉक्टर वीसी मित्रा ने बंगाली दुर्गा पूजा शुरुआत की थी। और तब से आज तक यहां मिलन मंदिर में दुर्गा पूजा की जा रही । अब उनके बेटे भी पूजा समिति में है वर्तमान में अनिल कुमार दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष हैं और यहां रोज सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे । 52 साल पहले गोडपारा में ही बंधु मंडल दुर्गा उत्सव ने पूजा की शुरुआत की थी। उस समय पंडित मुनु लाल शुक्ल, रमेश श्रीवास्तव तथा गोडपारा के प्रबुद्ध जन ने दुर्गा पूजा यहां शुरू की थी तब से आज तक पूजा अनुराग चल रही है इस बार दुर्गा पूजा में माता रानी सिंहासन पर होगी और बाहुबली के पैटर्न पर महेश मती का दृश्य दुर्गा पूजा पंडाल में देखने को मिलेगा। रेलवे क्षेत्र में बंगाली समाज के द्वारा दुर्गा पूजा का इतिहास 100 साल पुराना है। जब यहां रेलवे क्षेत्र में बंगाली समाज ने दुर्गा पूजा शुरू की थी उसे समय यहां पूरा खाली मैदान था नॉर्थ इंस्टिट्यूट खेल मैदान के सामने दुर्गा पूजा की जाती थी अब बंगाली समाज में यहां दुर्गा पूजा के लिए एक अलग व्यवस्था भी कर ली है और 100 साल यहां दुर्गा पूजा में मेला लगता है तथा हिंदुस्तान सेवा समिति के द्वारा रावण दहन भी किया जाता है। वहीं पिछले 12 साल से राघवेंद्र राव सभा भवन में दुर्गा पूजा की जा रही है।

रॉयल पार्क में फ्री स्टाइल गरबा कराया गया

बिलासपुर,20 अक्टूबर (देशबन्धु)। बॉम्बे डांस एकेडमी के डांस मास्टर प्रकाश ध्रुव द्वारा कंपनी गार्डन एवं साइंस कॉलेज ग्राउंड बिलासपुर में गरबा सिखाया गया। रॉयल पार्क में गरबा नृत्य कार्यक्रम में एक बड़ा ग्रुप ले जाकर, फ्री स्टाइल गरबा कराने से 5 साल का रिकॉर्ड टूटा। सबसे बड़ा ग्रुप इन्हीं के में देखा गया। इस कार्यक्रम में संरक्षक डॉक्टर के. के.साव, प्रकाश ध्रुव, सूर्या कश्यप, ज्योति ध्रुव ,गायत्री यादव, सुमन रेड्डी, नंदिनी ध्रुव, रेनू वर्मा आदि लोग उपस्थित थे।

NECC
21.10.2023 अंडा मुर्गी काकरेल
फार्म 510 75 160
चिल्हर 6.00 90 185
डिलीवरी 525 सैकड़ा
दर्जन अंडा 70 रु.
मुर्गी खाद प्रति ट्राली 1000 रू.
CSPFA

प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक- राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन, प्रा.लि. के लिए पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. प्रेस में मुद्रित एवं गर्ल्स कॉलेज के पास, जरहाभाटा, बिलासपुर से प्रकाशित। प्रेस पंजीयन- 52158/91 डाक पंजीयन 112-002/2002 सी जी फोन- 07752 422771, 428159 फैक्स नं. 415188